जबलपुर शुक्रवार 3 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ कृष्ण पक्ष तृतीया

वर्ष 32 अंक 09 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

मौसम

अधिकतम तापमान 27.7°C

न्यूनतम तापमान 25.2°C

सूर्योदय - 5.29 | सूर्यास्त - 7.00

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

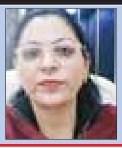

गंभीर प्रसूति आपातकाल में डॉक्टरों की तत्परता ⏩ 2

टॉक्सिक के टीज़र में रुक्मिणी वसंत का ⏩ 7

पांच वर्ष के बच्चों को पुलिस ने खोजकर परिजनों ⏩ 9

चंपत राय और अनिल मिश्रा के खिलाफ वकीलों का हल्लाबोल

‘हे भगवान...किस-किस ने खाया दान’

अयोध्या

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अयोध्या बार एसोसिएशन ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव के खिलाफ केस दर्ज कराने के लिए आज थाना रामजन्मभूमि में तहरीर दी है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्र ने बताया कि अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल थाना रामजन्मभूमि पहुंचकर संबंधित पदाधिकारियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज करने की मांग की। उन्होंने बताया कि यदि पुलिस तहरीर पर मुकदमा दर्ज नहीं करती है तो बार एसोसिएशन अदालत का दरवाजा

खटखटाएगा और कानून के तहत एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। कालिका प्रसाद मिश्र के अनुसार, चढ़ावा प्रकरण को लेकर अधिवक्ताओं में गहरा आक्रोश है। उनका कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए ताकि यदि किसी स्तर पर कोई जिम्मेदारी बनती है तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जा सके। बार एसोसिएशन के इस फैसले को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच पहले से ही विभिन्न स्तरों पर जारी है। इस प्रकरण में 8 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और पुलिस के साथ विशेष जांच दल (एसआईटी) भी मामले के अलग-अलग पहलुओं की जांच कर रहा है। ऐसे समय में बार एसोसिएशन का एफआईआर की मांग को लेकर सामने आना इस पूरे मामले को नया कानूनी आयाम दे सकता है। यदि पुलिस तहरीर पर कार्रवाई करती है तो जांच का दायरा और व्यापक हो सकता है। वहीं, यदि मुकदमा दर्ज नहीं होता है तो मामला अदालत तक पहुंचने की संभावना है। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि पुलिस बार एसोसिएशन की तहरीर पर क्या निर्णय लेती है। यदि मामला अदालत तक पहुंचता है तो आने वाले दिनों में इस प्रकरण में कानूनी गतिविधियां और तेज हो सकती हैं। फिलहाल पूरे घटनाक्रम पर प्रशासन, पुलिस और स्थानीय लोगों की नजर बनी हुई है।

नया खुलासा: राम मंदिर में नौकरी के लिए 125 कर्मचारियों ने दी रिश्वत

राम मंदिर से जुड़े चर्चित चढ़ावा चोरी की जांच के बीच अब एक नया मामला खुल गया है। मंदिर में हुई नियुक्तियों की प्रक्रिया भी जांच के दायरे में आ गई है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस उन आरोपों की पड़ताल कर रही है जिनमें दावा किया गया है कि राम मंदिर में नौकरी दिलाने के नाम पर रिश्वत ली गई थी। गिरफ्तार आरोपी अविनाश शुक्ला से पूछताछ के दौरान जांच एजेंसियों को कुछ ऐसे इनपुट मिले, जिन्होंने जांच की दिशा बदल दी। जांच में यह दावा सामने आया है कि राम मंदिर प्रतिष्ठान में विभिन्न पदों पर करीब 125 कर्मचारियों की भर्ती की गई थी। आरोप है कि इनमें से कई उम्मीदवारों ने नौकरी पाने के लिए पैसे दिए थे। पुलिस अब यह सत्यापित कर रही है कि इन आरोपों में कितनी सच्चाई है।

शासन ने बढ़ाया जांच का समय

मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य शासन ने एसआईटी को जांच पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय दिया है। अब एसआईटी अपनी विस्तृत रिपोर्ट 15 जुलाई तक शासन को सौंप सकती है। जांच एजेंसियों का मानना है कि उपलब्ध दस्तावेजों, बैंक रिकॉर्ड, बरामदगी और अन्य साक्ष्यों की विस्तृत पड़ताल के बाद ही पूरे मामले की स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी। सूत्रों के अनुसार, एसआईटी ने प्रारंभिक चरण में मुख्य रूप से आपराधिक पहलुओं की जांच की थी। इसी आधार पर मुकदमा दर्ज हुआ और कई आरोपियों की गिरफ्तारी हुई। इसके अलावा मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, चढ़ावे की गणना प्रक्रिया और निगरानी प्रणाली में संभावित कमियों को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है। अब जांच का अगला चरण वित्तीय रिकॉर्ड और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की समीक्षा पर केंद्रित बताया जा रहा है।

ऑडिट रिपोर्ट की होगी दोबारा समीक्षा

एसआईटी अब यह भी देखेगी कि पिछले वर्षों में हुए ऑडिट में किन बिंदुओं की जांच की गई थी और कहीं कोई महत्वपूर्ण तथ्य छूट तो नहीं गया। यदि ऑडिट रिपोर्ट और वर्तमान जांच के निष्कर्षों में कोई अंतर मिलता है तो उसकी भी अलग से पड़ताल की जाएगी। हालांकि, इस संबंध में एसआईटी की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसियों की नजर अब दान में मिले जेवरात और बहुमूल्य वस्तुओं के रिकॉर्ड पर भी है। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान यह देखा जा रहा है कि दान में प्राप्त आभूषणों का रिकॉर्ड, सत्यापन और ऑडिट किस प्रकार किया गया था।

प्रदेश के ‘ई-नगर पालिका’ पोर्टल को मिला राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार

भोपाल (स्वतंत्र मत)। नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा कि नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने आधुनिक तकनीकों और सुदृढ़ साइबर सुरक्षा उपायों के समन्वय से सदैव पारदर्शी, सुरक्षित एवं विश्वसनीय डिजिटल नागरिक सेवाओं को सर्वोपरि प्राथमिकता दी है। साइबर सुरक्षा, जोखिम प्रबंधन और डेटा संरक्षण के क्षेत्र में अपनाए गए प्रभावी एवं कड़े वैश्विक मानकों का ही प्रतिफल है कि आज हमारी डिजिटल प्रणालियों की विश्वसनीयता राष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ हुई है। विभाग भविष्य में भी नागरिकों को पूरी तरह सुरक्षित, भरोसेमंद और अत्याधुनिक डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूर्णत: कटिबद्ध रहेगा। मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास विभाग के ‘ई-नगर पालिका’ पोर्टल को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के अंतर्गत साइबर सुरक्षा श्रेणी में प्रतिष्ठित रजत पुरस्कार प्राप्त हुआ है। जयपुर में आयोजित 29वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार समारोह में यह सम्मान मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा आयुक्त संकेत भोंडवे को प्रदान किया गया। मध्यप्रदेश को मिला यह राष्ट्रीय सम्मान राज्य की दूरदर्शी नीति और तकनीकी श्रेष्ठता का जीवंत प्रमाण है। मध्यप्रदेश शासन ने न केवल नागरिक सेवाओं को डिजिटल माध्यम से सुलभ और सुगम बनाया है, बल्कि उन्हें एक अभेद्य सुरक्षा आवरण भी प्रदान किया है। नगरीय निकायों से जुड़े लाखों नागरिकों के संवेदनशील व्यक्तिगत एवं वित्तीय डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करना, पारदर्शी प्रशासन को अक्षुण्ण रखना तथा सुरक्षित आईटी अवसंरचना का निर्माण करना पोर्टल की विशेषता रही है। डिजिटल गवर्नेंस और जोखिम प्रबंधन के इन उच्चतम मानकों पर ‘ई-नगर पालिका’ पोर्टल ने देश के अन्य राज्यों के सम्मुख सुरक्षित डिजिटल सुशासन का एक अनुकरणीय प्रतिमान स्थापित किया है। आयुक्त भोंडवे ने इस अभूतपूर्व सफलता का श्रेय विभाग की संपूर्ण तकनीकी और प्रशासनिक टीम के सामूहिक प्रयासों को दिया।

विभाजन के बाद भारत आए लोग शरणार्थी नहीं: भागवत

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि 1947 के विभाजन के बाद पाकिस्तान से भारत आने वाले लोगों को शरणार्थी कहना सही नहीं है। वे संघर्ष के योद्धा थे, जिन्होंने कई पीढ़ियों की बनाई जमीन, कारोबार और संपत्ति छोड़कर भारत को चुना। उन्होंने कहा कि ये लोग इसलिए भारत आए, क्योंकि यहां बिना डर अपने धर्म का पालन कर सकते थे। भारत को एक रखने की लड़ाई हम सब हार गए थे, लेकिन उन्होंने अपना विश्वास नहीं छोड़ा। भागवत ने नागपुर में सिंधु एजुकेशन सोसाइटी के 75वें स्थापना दिवस समारोह में ये बातें कही। इसी दौरान आरएसएस ने 10 से 12 जुलाई तक कर्नाटक के बेलगावी में होने वाली अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक का भी ऐलान किया।

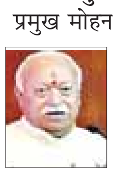

पत्थर खदान में चट्टान गिरने से 7 मजदूरों की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के दक्षिण तालुका के मदापटना इलाके में गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ। यहां एक पत्थर की खदान में काम कर रहे मजदूरों के ऊपर अचानक एक भारी चट्टान गिर गई। इस हादसे में 7 मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतकों में 5 मजदूर मध्य प्रदेश, एक छत्तीसगढ़ और एक कर्नाटक के यादगीर के रहने वाले थे और यहां रोज की मजदूरी पर काम करते थे। पुलिस ने बताया कि हादसे के समय 17 मजदूर खदान में पत्थर तोड़ने का काम कर रहे थे। तभी एक बड़ी चट्टान उनके ऊपर आ गिरी और वे उसके नीचे दब गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। यह चट्टान करीब 40 फुट की ऊंचाई से नीचे गिरी थी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बेंगलुरु साउथ तालुक के मडापट्टना इलाके में हुए दर्दनाक हादसे पर दुख जताया है।

अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था जम्मू से रवाना

देहरादून/श्रीनगर। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से गुरुवार सुबह 4 बजे अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था रवाना हुआ। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रद्धालुओं को रवाना किया। श्रद्धालु बम-बम भोले के जयकारों के साथ बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुए। 57 दिन की यात्रा 3 जुलाई से पहलगाम और बालटाल दोनों रास्ते से शुरू होकर 28 अगस्त (रक्षाबंधन) तक चलेगी। पहले जत्थे में सिर्फ उन्हीं श्रद्धालुओं को शामिल किया गया, जिन्होंने पहले से रजिस्ट्रेशन कराया था। जिन्होंने कार्ड बनवाया था और ई-केवाईसी पूरी की थी।

12 जुलाई से उड़ान भरेगा पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1

नई दिल्ली

भारत का प्राइवेट स्पेस सेक्टर एक नई ऐतिहासिक छलांग लगाने की तैयारी में है। निजी स्पेस कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने अपने पहले ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 की टेस्ट फ्लाइट-1 मिशन आगमन का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। यह भारत का पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च होगा, जो देश के स्पेस सेक्टर के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। कंपनी ने बताया कि मिशन की लॉन्च विंडो 12 जुलाई से 4 अगस्त तक निर्धारित की गई है। स्काईरूट एयरोस्पेस ने बताया कि विक्रम-1 को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा के ऐतिहासिक फर्स्ट लॉन्च पैड पर पूरी तरह तैयार कर स्थापित कर दिया गया है। अब अंतिम तकनीकी जांच और लॉन्च की तैयारियां चल रही हैं। रॉकेट को 450 किलोमीटर ऊंची लो अर्थ ऑर्बिट में 60 डिग्री झुकाव के साथ स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड: सोनम की जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची मेघालय सरकार

नई दिल्ली

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत रद्द करने की मांग करते हुए मेघालय सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। राज्य सरकार ने मामले को जल्द सुनवाई के लिए मेंशन किया, जिस पर कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। अब इस मामले में शुक्रवार को सुनवाई होगी। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल ने मामले की संवेदनशीलता याद दिलाते हुए कहा कि आपकी लॉर्डशिप को याद होगा कि ये वही महिला है जो अपने पति को इंदौर से मेघालय ले गई थी। वहां उसने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर पति की बेरहमी से हत्या कर दी और शव को ठिकाने लगा दिया था। इससे पहले उनकी दो बार जमानत याचिका खारिज हो चुकी है, क्योंकि आरोपी के भागने की आशंकाएं थी। अदालत में दलील देते हुए तुषार मेहता ने कहा कि सोनम रघुवंशी को केवल इस तकनीकी आधार पर जमानत दे दी गई कि गिरफ्तारी के वक्त उसे गिरफ्तारी के सभी कारण पूरी तरह उपलब्ध नहीं कराए गए थे। उन्होंने साफ किया कि आधिकारिक डॉक्यूमेंट में केवल एक कानूनी धारा का नंबर टाइप करने में गलती हुई थी। इतनी छोटी और मामूली टाइपोग्राफिकल तकनीकी गलती के आधार पर इतने बड़े आरोपी को जमानत की राहत नहीं मिलनी चाहिए।

आज होगी सुनवाई

राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से साफ तौर पर कहा कि अगर सोनम रघुवंशी की ये जमानत बरकरार रहती है तो वह कानून की पहुंच से दूर भाग सकती है। इसी वजह से इस मामले को तत्काल कल की कार्यसूची में शामिल करने का अनुरोध किया गया था। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कल ही इस पर विस्तृत सुनवाई करने की मंजूरी दे दी है। अब इस मामले पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी।

भारत आ रहे जहाज को लूटने की कोशिश नाकाम

नई दिल्ली। भारत आ रहे एक जहाज को लूटने की कोशिश को भारतीय नौसेना ने नाकाम कर दिया है। ये जहाज अब पूरी तरह से सुरक्षित है। जहाज पर कल रात समुद्री लुटेरों का हमला हुआ था। भारतीय नौसेना के युद्धपोत त्रिशूल ने समुद्री डकैती की एक कोशिश को नाकाम किया है। बताया जा रहा है कि भारतीय नौसेना के मरीन कमांडो जहाज पर चढ़े। इस जहाज पर ही लुटेरों का हमला हुआ था। जहाज पर एक भारतीय क्रू मेंबर भी मौजूद था। यह जहाज भारत के लिए जरूरी सामान लेकर जा रहा था। जहाज के क्रू ने खुद को एक सुरक्षित कमरे में बंद कर लिया और कम्युनिकेशन चैनल के जरिए डकैती की कोशिश की जानकारी दी।

अस्थायी कर्मचारी भी पेंशन के हकदार

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि अस्थायी कर्मचारी भी पेंशन के हकदार हैं। केवल सेवा नियमित नहीं होने के आधार पर किसी कर्मचारी को पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि यदि किसी कर्मचारी ने वर्कचार्ज या अस्थायी स्थापना में 15 वर्ष से अधिक सेवा दी है, तो वह पेंशन का हकदार है। अदालत ने भवन निर्माण विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी परमेश्वर साह की पूरी 30 वर्ष की सेवा को पेंशन के लिए जोड़ने का निर्देश देते हुए सरकार को

झारखंड हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

आठ सप्ताह के भीतर सभी सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान करने का आदेश दिया है। इस संबंध में परमेश्वर साह ने याचिका दायर की थी। उनकी ओर से अधिवक्ता सौरभ शेखर ने अदालत में कहा कि उनकी नियुक्ति चार जनवरी 1986 को भवन निर्माण विभाग में वर्कचार्ज आधार पर चौकीदार/मजदूर के रूप में हुई थी। फरवरी 2021 में सेवानिवृत्त होने के बाद उन्हें पेंशन, ग्रेच्युटी और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ नहीं दिए गए। इसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दायर की। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि प्रार्थी ने 30 वर्षों तक नियमित वेतनमान पर स्वीकृत पद के विरुद्ध सेवा दी। केवल विभाग द्वारा समय पर नियमितीकरण नहीं किए जाने का खामियाजा कर्मचारी को नहीं भुगतना पड़ सकता। यदि प्रशासन की लापरवाही से नियमितीकरण नहीं हुआ, तो इससे कर्मचारी के वैधानिक अधिकार समाप्त नहीं हो जाते।

हिरासत में मौत: 9 पुलिसकर्मियों को उम्रकैद

वाशिम (वार्ता) महाराष्ट्र के वाशिम की एक जिला सत्र अदालत ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक फैसले में रिसोड थाने के तत्कालीन प्रभारी अधिकारी माधव मणिकराव धांडे सहित 9 पुलिस कर्मियों को बेग्या पवार नामक व्यक्ति की वर्ष 2011 में पुलिस हिरासत में हुई मौत के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया, और जुर्माना न देने पर 6 महीने की अतिरिक्त साधारण कैद का आदेश दिया। दोषी पुलिसकर्मियों में से 4 को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधानों के तहत अलग से सजा भी सुनाई गई है, और सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

सीबीएसई अध्यक्ष का गृह मंत्रालय में तबादला

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष लोखंडे प्रशांत सीताराम का गृह मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर तबादला कर दिया गया है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उनके स्थानांतरण को मंजूरी प्रदान कर दी है। इस संबंध में जारी कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि एगमट कैडर के 2001 बैच के आईएएस अधिकारी सीताराम को पिछले महीने ही सीबीएसई का अध्यक्ष बनाया गया था। आदेश में बताया गया है कि सीताराम के पास सीबीएसई अध्यक्ष का अतिरिक्त कार्यभार भी होगा। वह इस पर स्थायी नियुक्ति होने तक यह अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालेंगे।

20 जुलाई से शुरू हो सकता है संसद का मानसून सत्र

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो सकता है और इसके तीन सप्ताह तक चलने की संभावना है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि, संसदीय कार्य संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति ने अभी इस पर अंतिम निर्णय नहीं लिया है। आमतौर पर मानसून और शीतकालीन सत्रों में 20 बैठकें होती हैं और ये (सत्र) चार सप्ताह तक चलते हैं, लेकिन अतीत में इससे कम अवधि के सत्र आयोजित किए जाने के भी उदाहरण रहे हैं।

फैसलों में एआई के फर्जी उदाहरण खतरनाक : सुप्रीम कोर्ट

रद्द किया नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल का फैसला

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनाए गए नकली कानूनी उदाहरणों का इस्तेमाल खतरनाक है। कोर्ट ने इसकी गंभीरता समझाने के लिए कहा कि यह खतरा उतना ही बड़ा है, जितना भोपाल गैस त्रासदी में जहरीली गैस का रिसाव था। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल का फैसला रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा- एआई से बनाए गए झूठे और गैर-मौजूद फैसलों को कोर्ट में असली बताकर पेश करना न्याय व्यवस्था को नुकसान पहुंचाता है। इसलिए ऐसे मामलों में अदालतों को बिल्कुल भी नरमी नहीं दिखानी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि नकली कानूनी जानकारी दिखने में छोटी बात लग सकती है,

लेकिन यह बहुत खतरनाक होती है। इससे न्यायिक प्रक्रिया खराब होती है और अदालत के फैसलों पर लोगों का भरोसा भी कम हो सकता है। यह मामला एस्सेल इन्फ्राप्रोजेक्ट लिमिटेड, जम्मू-कश्मीर बैंक लिमिटेड और पूजा रमेश सिंह से जुड़े दिवालियापन विवाद का है। इस मामले में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल मुंबई ने आईबीसी की धारा-7 के तहत एक याचिका स्वीकार की थी, जिसे बाद में सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने अपने फैसले को सही साबित करने के लिए जिन कानूनी मामलों का हवाला दिया था, उनमें से कई मामले असल में थे ही नहीं। फैसले में कुछ ऐसे मामलों का नाम लिखा गया था, जो पूरी तरह से मनगढ़ंत यानी नकली थे। उनकी कानूनी साइटेशन भी बनाई गई थीं और उनका कोई वास्तविक रिकॉर्ड मौजूद नहीं था। जम्मू-कश्मीर बैंक लिमिटेड ने सुप्रीम कोर्ट में शपथपत्र देकर कहा कि उनके वकील ने इन नकली मामलों का हवाला नहीं दिया था। बैंक के अनुसार, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने इन्हें अपनी तरफ से की गई रिसर्च के दौरान शामिल किया था।

सुप्रीम कोर्ट की 5 टिप्पणियां

1. अदालत एआई तकनीक के खिलाफ नहीं है। समस्या एआई में नहीं, बल्कि उससे बनाई गई झूठी जानकारी को सच बताकर पेश करने में है।
2. अगर कोई वकील बिना जांच किए एआई से मिली जानकारी को कोर्ट में पेश करता है, तो यह उसकी बड़ी पेशेवर गलती है। इसी तरह अगर कोई जज भी ऐसी गलत जानकारी पर भरोसा करता है, तो यह भी गंभीर चूक मानी जाएगी।
3. न्याय व्यवस्था में ईमानदारी और भरोसा बनाए रखना बहुत जरूरी है। एआई का इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन अंतिम फैसला और जांच हमेशा इंसानों को ही करनी चाहिए।
4. सिर्फ चेतावनी देना काफी नहीं है। अगर कोई गलती करता है, तो उसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई भी होनी चाहिए।
5. बार काउंसिल ऑफ इंडिया एक समिति बनाए। यह समिति ऐसे नियम तैयार करेगी, जिससे अदालतों में एआई से बनी नकली और भ्रामक जानकारी पेश करने से रोका जा सके और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

मेडिकल अस्पताल के पैथोलॉजी डिपार्टमेंट को दीमक की तरह खा रहा पिछले कई वर्षो से पदस्थ इंचार्ज!

परिवार के नाम से लिए जा रहे मेडिकल के टेंडर, अस्पताल की सामग्रियों में भी गोलमाल के आरोप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के पैथालॉजी डिपार्टमेंट में पदस्थ इंचार्ज के ऊपर एक नहीं बल्कि कई संगीन आरोप सामने आए हैं। सूत्रों के मुताबिक पैथालॉजी डिपार्टमेंट में पदस्थ इंचार्ज अपने अधिकारियों की मेहरबानी से पिछले कई वर्षो से इसी पोस्ट पर पदस्थ हैं। बताया जा रहा है कि ऐसा इसलिए क्योंकि इस विभाग से सालाना लाखों रूपयों को गोलमाल किया जा रहा है।

परिवार के नाम लिए जा रहे बाहर होने वाली जांचों के टेंडर

जानकारी के मुताबिक मेडिकल कॉलेज में ऐसी कई स्वास्थ्य जांचें हैं जो इस अस्पताल में उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में प्रत्येक वर्ष मेडिकल अस्पताल द्वारा मरीजों की इन जांचों को करवाने के लिए बाहर पैथॉलाजी सेंटर्स को टेंडर के जरिए आंमत्रित किया जाता है। लेकिन इन टेंडरों को पिछले कई वर्षो से पैथालॉजी डिपार्टमेंट में पदस्थ इंचार्ज खुद अपने परिवार के नाम से ले रहा है। बताया जा रहा है कि पैथालॉजी डिपार्टमेंट में पदस्थ इंचार्ज द्वारा शहर में अर्चना पैथॉलाजी के नाम से जबलपुर में पैथॉलाजी का संचालन किया जा रहा है। जहां मेडिकल की स्वास्थ्य जांचों को किया जाता है।

मेडिकल की सामग्री निजी पैथॉलाजी में इस्तेमाल करने का आरोप

सुत्रों के मुताबिक पैथालॉजी डिपार्टमेंट के इंचार्ज द्वारा पिछले कई वर्षो से मेडिकल के पैथॉलाजी डिपार्टमेंट में आने वाली सामग्रियों का खुद की निजी पैथॉलाजी में रोकटोक इस्तेमाल किया जा रहा है। जिससे शासन को प्रत्येक वर्ष लाखों रूपयों की हानि होने की बात सामने आ रही है। शिकायतकर्ता का कहना है कि जल्द ही इस पूरे मामले को तथ्यों के साथ पेश कर पैथोलॉजी इंचार्ज के खिलाफ जांच की मांग की जाएगी।

मुंबई, बैंगलुरू के लिए रोजाना फ्लाइट चलाने जबलपुर संघर्ष समिति की बैठक में उठा मुद्दा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जबलपुर की वायु सेवाओं के विस्तार एवं उन्हें अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से गुरूवार को जबलपुर संघर्ष समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जबलपुर से संचालित हो रही वर्तमान विमान सेवाओं की स्थिति, यात्रियों की बढ़ती आवश्यकताओं तथा क्षेत्र के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास को ध्यान में रखते हुए विस्तृत चर्चा की गई। एक जानकारी में जबलपुर संघर्ष समिति के संयोजक हिमांशु खरे ने बताया कि बैठक में विशेष रूप से जबलपुर से मुंबई एवं बंगलुरू के लिए विमान सेवाओं को प्रतिदिन संचालित किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि दोनों महानगरों के लिए नियमित दैनिक उड़ानें न केवल व्यापार, उद्योग एवं निवेश को प्रोत्साहित करेंगी, बल्कि शिक्षा, चिकित्सा एवं पर्यटन क्षेत्र के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होंगी।

मांगें पूरी करने दिया आश्वासन

वर्चुअल मीटिंग हिमांशु खरे ने बताया कि इंडिगो एयरलाइंस के शीर्ष प्रबंधन के साथ वर्चुअल मीटिंग भी आयोजित की गई जिसमें मॉनसून शेड्यूल में जबलपुर से मुंबई एवं बैंगलुरू फ्लाइट को रोजाना चलाने चर्चा हुई। साथ ही जबलपुर मुंबई फ्लाइट को पूर्व की भांति नवी मुंबई से न चलाकर पुराने मुंबई एयरपोर्ट से चलाने पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। इंडिगो प्रबंधन ने उपरोक्त मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करने आश्वासन दिया। इसके अतिरिक्त, बैठक में जबलपुर को देश के अन्य प्रमुख शहरों से भी सीधी वायु सेवाओं के माध्यम से जोड़ने पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान समिति के बलदीप मैनी, डॉ सुधीर तिवारी, गीता शरत तिवारी, आई के खन्ना, प्रीति चौधरी, देवब्रत मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

जबलपुर क्लब के वार्षिक चुनाव हुए सम्पन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर क्लब के वर्ष 2026-27 के वार्षिक निर्वाचन के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। चुनाव अधिकारी इन्द्रजीत सिंह मंगी ने विजयी प्रत्याशियों की घोषणा की। अध्यक्ष पद पर कैलाश मलगानी 'डब्बू' ने अपने प्रतिद्वंद्वी मनोज चौरसिया को 58 मतों से हराकर जीत दर्ज की। कैलाश मलगानी को 181 जबकि मनोज चौरसिया को 123 मत मिले उपाध्यक्ष पद पर कमलेश रावत ने 166 मत प्राप्त कर विनीत भोला 'राजू' (138 मत) को 28 मतों से पराजित किया। सचिव पद पर अचल सिंह गौर ने 159 मत हासिल कर राजेश पाण्डेय 'लड्डू' (153 मत) को 6 मतों के अंतर से हराया। सहसचिव पद पर दीपक शर्मा ने 171 मत प्राप्त कर सुभाषचंद अग्रवाल (121 मत) को 50 मतों से पराजित किया। प्रबंधकारिणी समिति के लिए रविन्दर भाटिया (210), विनय 'बंटू' चौरसिया (155), मनोज पाटकर (152), संजय अग्रवाल (145) और धीरज श्रीवास्तव (142) निर्वाचित हुए। चयन समिति के चुनाव में बृन्दावन चौकसे (176) और तरुण दीक्षित (148) विजयी घोषित किए गए। वहीं महेश रोहरा और संदीप गुप्ता दोनों को 147-147 मत मिलने से टाई की स्थिति बन गई। निर्वाचन अधिकारी के अनुसार दोनों प्रत्याशी आपसी सहमति से निर्णय लेने का प्रयास करेंगे। यदि सहमति नहीं बनती है तो 15 जुलाई 2026, बुधवार को लॉटरी के माध्यम से अंतिम निर्णय किया जाएगा। निर्वाचन अधिकारी इन्द्रजीत सिंह मंगी ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई। परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में उत्साह का माहौल रहा।

सुरक्षा और शैक्षणिक सुविधाएं बढ़ाने की मांग एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के छात्र नेता जय चौधरी के नेतृत्व में गुरुवार को श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिहोरा के प्राचार्य को विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बीए, बीएससी और बीकॉम प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षाओं की तिथि शीघ्र घोषित करने, महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों से अन्य कॉलेजों की पूरक परीक्षा के लिए सेंटर फीस नहीं लेने तथा कॉलेज परिसर में नेटवर्क समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की गई। इसके अलावा विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल, सभी कक्षाओं में वाटर कूलर की व्यवस्था, कॉलेज परिसर की सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवाल निर्माण, स्थायी सुरक्षा गार्ड की नियुक्ति तथा अन्य आवश्यक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग रखी गई। यदि समय रहते मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो एनएसयूआई उग्र आंदोलन करेगी।

ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द का सरकारी उपार्जन शुरू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के निर्देशानुसार जिले में रबी वर्ष 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द की सरकारी खरीद की नीति घोषित कर दी गई है। जिला प्रशासन ने पंजीकृत किसानों की सुविधा व्यवस्था के लिए जिले में 10 गोदाम स्तरीय उपार्जन केंद्र निर्धारित किए हैं। इन केंद्रों पर सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए कृषि विकास अधिकारियों और संबंधित विभाग के प्रबंधकों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अधारताल में मधुर शिवम् एग्रो पार्क, पनागर में राज वेयर हाउस, कुण्डम में मारूति वेयर हाउस और पाटन में रुद्रांश वेयर हाउस को केंद्र बनाया गया है।

बयाना देकर मकान व जमीन हड़पने का आरोप

पीड़ित को दी जान से मारने की धमकी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आधारताल थाना अंतर्गत सुहागी क्षेत्र में मात्र बयाना देकर पूरी जमीन और मकान कब्ज़ा करने का मामला सामने आया है। बाई का बगीचा, घमापुर निवासी पीड़ित गनेश प्रसाद गुप्ता ने पुलिस प्रशासन से गुहार लगाते हुए बताया कि पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष के रसूखदार परिजनों द्वारा उनकी पैतृक संपत्ति पर अवैध कब्जा करने और उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पीड़ित और उनके भाई वर्तमान में अपनी ही रजिस्ट्रीशुदा जमीन पर जाने से कतरा रहे हैं। गनेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि वर्ष 1991 में सुहागी में 7200 वर्ग फीट जमीन व मकान दालचंद्र उसरेठे से खरीदा था, जिसकी बकायदा रजिस्ट्री और खसरे में नाम दर्ज है। पूर्व में इसी जमीन पर बैंक से फर्जी तरीके से 9.90 लाख रुपये का कृषि लोन भी ले लिया था, जिसकी शिकायत के बाद उन्होंने बैंक को पैसे वापस किए। इसके बाद दालचंद्र के बेटे संतोष उसरेठे ने पीड़ित से शिकायत वापस लेने का अनुरोध किया और सुहागी के मौजूदा 1500 रुपये प्रति वर्ग फीट के सरकारी रेट पर उक्त जमीन वापस खरीदने की इच्छा जताई। समझौते के तहत संतोष उसरेठे ने पीड़ित को 8 लाख रुपये बयाना देकर लिखा-पढ़ी की थी।

जान से मारने की धमकी का आरोप

पीड़ित गनेश प्रसाद का कहना है कि वे रजिस्ट्री करने को तैयार हैं, बशर्ते वह बयाने की राशि काटकर शेष बची रकम करीब 1 करोड़ रुपये उन्हें अदा कर दे। परंतु वह बिना बाकी के पैसे दिए, अपने राजनैतिक रसूख और दबदबे का इस्तेमाल कर जबरन रजिस्ट्री कराने का दबाव बना रहा है और पीड़ित को लगातार डरा-धमका रहा है। पीड़ित का आरोप है कि कुछ दिनों पहले जब वे और उनके भाई अपनी जमीन देखने सुहागी गए, तो मुख्य द्वार पर ताला लगा रखा था।

विरोध करने पर लाठियों से लैस गुंडों के साथ संतोष उसरेठे ने उनके साथ गाली-गलौज की और दोबारा वहां आने पर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी अब पीड़ित को वह जमीन किसी अन्य खरीदार को बेचने भी नहीं दे रहे हैं। पीड़ित ने वरिष्ठ अधिकारियों को आवेदन देकर जांच, उचित कानूनी कार्रवाई और अपनी जान-माल की सुरक्षा की मांग की है।

इंडियन कॉफी हाउस की नई शाखा का हुआ शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हॉस्पिटैलिटी सर्विस के क्षेत्र में भारत की प्रमुख सहकारी संस्थाओं में से एक, इंडियन कॉफी हाउस ने जबलपुर रेलवे स्टेशन के पास एसपी ऑफिस कॉम्प्लेक्स में एक शुद्ध शाकाहारी रेस्टोरेंट का शुभारंभ किया है। नई शाखा का उद्घाटन प्रमोद वर्मा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, जबलपुर जोन द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने इंडियन कॉफी हाउस की पूरी टीम को बधाई देते हुए नई शाखा की निरंतर प्रगति एवं सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर जबलपुर रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक अतुल सिंह, एसपी सम्पत उपाध्याय आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ओ. के. राजगोपालन, अध्यक्ष, इंडियन कॉफी वर्कर्स को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, जबलपुर ने नई शाखा के लिए भवन एवं स्थान उपलब्ध कराने हेतु जबलपुर पुलिस विभाग के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने सोसायटी के विस्तार में सहयोग देने वाले सभी व्यक्तियों एवं संस्थाओं का भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना 200 श्रद्धालुओं का जत्था

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ब्रह्मलीन महंत श्री अमरपुरी महाराज सेवा मंडल (रजि.) आश्रम भोले कुटी परिवार, जबलपुर के तत्वावधान में आयोजित 21वीं सतत श्री अमरनाथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। लगभग 200 श्रद्धालुओं का विशाल जत्था जबलपुर रेलवे स्टेशन से ट्रेन द्वारा बाबा अमरनाथ के पावन धाम के लिए रवाना हुआ। प्रस्थान के अवसर पर श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव, बम-बम भोले एवं जय बाबा बर्फानी के जयघोष के साथ पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। संस्था के संरक्षक राजकुमार सिंगरहा ने बताया कि संस्था वर्ष 2004 से निरंतर श्री अमरनाथ यात्रा का आयोजन कर रही है।

शहपुरा में बच्चों को पिलाई गई दो बूंद जिंदगी की

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बच्चों को पोलिया जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने और समाज को पूरी तरह पोलियो मुक्त बनाने के संकल्प के साथ शहपुरा तहसील क्षेत्र में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत हो चुकी है।

शहपुरा उप स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के साथ इस जन-जागरूकता और स्वास्थ्य अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को कवर करना है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. सीके अतरोलिया, भगत सिंह चौहान, राजेन्द्र बन्धु, राकेश पटेल, स्नेहिल गुप्ता, रामवती महेरा और लक्ष्मी सेन सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और आशा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने नन्हे-मुन्नों को पोलियो की दो बूंद जीवन रक्षक दवा पिलाकर इस राष्ट्रव्यापी मुहिम को आगे बढ़ाया। स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ मानी जाने वाली आशा कार्यकर्ताओं ने मोर्चा संभाल है। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में टीम ने घर-घर दस्तक देकर बच्चों को दवा पिलाई। कड़कड़ाती धूप और मुश्किल रास्तों की परवाह किए बिना स्वास्थ्य कर्मी हर घर तक पहुंच रहे हैं ताकि आने वाली पीढ़ी का भविष्य पूरी तरह सेहतमंद और सुरक्षित रहे।

भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ 151वां मारुति महायज्ञ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

उखरी रोड, बलदेव बाग स्थित श्री राम भवन में अध्यात्म की अनूठी बयार बहने लगी है। यहाँ संत शिरोमणि योगीराज देवहरा बाबा की पावन स्मृति में पाँच दिवसीय 151वें श्री मारुति महायज्ञ का भव्य शुभारंभ बुधवार, 1 जुलाई से हुआ। काशी से पधारे परम शिष्य राम मारुति पीठाधीश्वर 1008 जगदीश दास जी महाराज के दिव्य सानिध्य में आयोजित हो रहा यह महायज्ञ जबलपुर की धरती पर पाँचवाँ आयोजन है। महायज्ञ के पहले दिन बुधवार को यज्ञ स्थल से एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह यात्रा बलदेव बाग से शुरू होकर पंजाब नेशनल बैंक कॉलोनी और दुर्गा मंदिर सहित विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए वापस यज्ञशाला में संपन्न हुई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में पीतांबर और लाल वस्त्र धारण किए महिला श्रद्धालु सिर पर मंगल कलश लेकर शामिल हुईं, जिससे पूरा क्षेत्र 'जय श्रीराम' और जय मारुति के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इस पावन अवसर पर नंद बाबा, अभय निखरा, संजय रावत, राकेश अयाची, राजेश शर्मा और अमरीश मिश्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विकसित भारत जी-राम जी से पंचायतों में बढ़ेगी पारदर्शिता और जवाबदेही : मंत्री पटेल

जिले में विकसित भारत जी-राम जी का शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा विकसित भारत जी राम जी का शुभारंभ गुरूवार को पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग मंत्री श्प्रहलाद सिंह पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। मानस भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, विधायक अजय विश्नोई, सुशील तिवारी इंदू, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत मंचासीन थे। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आंध्रप्रदेश के तिरुपति में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में आयोजित विकसित भारत . जी राम जी के लॉन्च कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक योजना की जानकारी देने के लिए नहीं, बल्कि पंचायतों के कार्यों का मूल्यांकन करने और भविष्य की कार्ययोजना तय करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में शासन व्यवस्था को सरल और प्रभावी बनाने के लिए व्यापक सुधार किए गए हैं। अंग्रेजों के समय से चले आ रहे लगभग 1400 अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त कर व्यवस्था को सरल बनाया गया है। सरकार केवल नई योजनाएं नहीं बना रही, बल्कि प्रशासनिक प्रणाली को अधिक पारदर्शी और परिणाममुखी बनाने का कार्य कर रही है।उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

विकास और सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

अब पंचायतों को केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं करना है, बल्कि उनके प्रभावी संचालन, पारदर्शिता और परिणाम सुनिश्चित करने की भी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा का उल्लेख करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में संबल योजना के माध्यम से लगभग 1 करोड़ 84 लाख श्रमिकों का पंजीयन किया गया है और किसी भी दुर्घटना अथवा संकट की स्थिति में पात्र श्रमिकों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

पंचायत प्रतिनिधियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके क्षेत्र का कोई भी पात्र श्रमिक योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि ने अपने संबोधन में विकसित भारत जी राम जी योजना को ग्रामीण विकास और सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

बहीखाता: अतीत से डिजिटल भविष्य तक की यात्रा

बहीखाता, लेखा-जोखा रखने की एक व्यवस्थित प्रणाली, जो व्यापार और आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण अंग है। इसके माध्यम से किसी व्यक्ति, संस्था या व्यवसाय की आय, व्यय, लाभ, हानि तथा संपत्तियों का व्यवस्थित विवरण रखा जाता है। यह केवल रिकॉर्ड रखने का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक प्रबंधन और निर्णय लेने का आधार भी है। प्राचीन हस्तलिखित बहियों से लेकर आधुनिक डिजिटल लेखांकन तक इसकी यात्रा निरंतर प्रगति की कहानी है। वर्तमान और भविष्य दोनों में यह आर्थिक अनुशासन, पारदर्शिता और व्यापारिक सफलता का आधार बना रहेगा। तकनीक बदल सकती है, लेकिन बहीखाता का महत्व कभी कम नहीं होगा।

बहीखाता का इतिहास

मानव सभ्यता के विकास के साथ ही व्यापार और वस्तु-विनिमय की व्यवस्था शुरू हुई। प्रारंभ में लोग मिट्टी की तख्तियों, पत्थरों और ताड़पत्रों पर लेन-देन का विवरण रखते थे। प्राचीन मेसोपोटामिया, मिस्र और भारत में भी लेखा-जोखा रखने की विभिन्न प्रणालियाँ विकसित थीं। भारत में प्राचीन काल से ही व्यापारी वर्ग, विशेषकर वैश्य समुदाय, हस्तलिखित बहियों का उपयोग करता था। इन बहियों में उधार, जमा, खर्च और लाभ का विस्तृत विवरण रखा जाता था। दीपावली पर नई बही शुरू करने की परंपरा भारतीय व्यापार संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है।

आधुनिक बहीखाता प्रणाली का विकास

15वीं शताब्दी में इटली के गणितज्ञ लुका पैचिओली ने आधुनिक बहीखाता प्रणाली की नींव रखी। उन्होंने दोहरे लेखा प्रणाली का सिद्धांत प्रस्तुत किया, जिसमें प्रत्येक लेन-देन को दो खातों, डेबिट और क्रेडिट में दर्ज किया जाता है। यह प्रणाली आज भी लेखांकन का आधार है। औद्योगिक क्रांति के बाद व्यापार के विस्तार के साथ बहीखाता और अधिक महत्वपूर्ण हो गया। 20वीं शताब्दी में कंप्यूटर के आगमन से लेखांकन में क्रांतिकारी परिवर्तन

आया और आज अधिकतर कार्य डिजिटल सॉफ्टवेयर के माध्यम से होने लगे हैं।

भविष्य में बहीखाता की आवश्यकता

भविष्य में भी बहीखाता की आवश्यकता कई कारणों से बनी रहेगी। सबसे पहले, यह वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और व्यवसाय की वास्तविक आर्थिक स्थिति को स्पष्ट करता है, जिससे सही निर्णय लेना संभव होता है। दूसरे, कर संबंधी नियमों के पालन के लिए सटीक और व्यवस्थित लेखा-जोखा आवश्यक है। तीसरे, डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ ऑनलाइन व्यापार और ई-कॉमर्स में लेन-देन तेजी से बढ़ रहा है, जिससे डिजिटल बहीखाता प्रणाली और अधिक आवश्यक हो गई है। चौथे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्लाउड कंप्यूटिंग और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकें लेखांकन को अधिक तेज, सुरक्षित और सटीक बना रही हैं।

भविष्य में बहीखाता का मुख्य उद्देश्य

भविष्य में बहीखाता का मुख्य उद्देश्य वित्तीय लेन-देन का सही, व्यवस्थित और पारदर्शी रिकॉर्ड रखना होगा। यह आय, व्यय, लाभ, हानि, संपत्ति और देनदारियों की सटीक जानकारी प्रदान करेगा। इसके अलावा, यह कर अनुपालन सुनिश्चित करेगा, धोखाधड़ी और त्रुटियों को कम करेगा तथा व्यवसाय की दक्षता बढ़ाएगा। निवेशकों, बैंकों और अन्य हितधारकों को विश्वसनीय वित्तीय जानकारी उपलब्ध कराना भी इसका महत्वपूर्ण उद्देश्य रहेगा।

रवि शंकर चौबे
उप प्राचार्य
हितकारिणी
हायर सेकेंडरी स्कूल
गोरखपुर, जबलपुर

ईआरपी सॉफ्टवेयर: संभालें पूरे बिजनेस का हिसाब-किताब

आज के डिजिटल दौर में छोटे से लेकर बड़े उद्योग तक अपने कामकाज को तेज, सटीक और व्यवस्थित बनाने के लिए ईआरपी सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रहे हैं। पहले किसी कंपनी में अकाउंट्स, बिक्री, स्टॉक, खरीद, कर्मचारियों का रिकॉर्ड और उत्पादन जैसी जानकारी अलग-अलग रजिस्टर या सॉफ्टवेयर में रखी जाती थी। इससे समय अधिक लगता था और गलतियों की संभावना भी बढ़ जाती थी। ईआरपी

सॉफ्टवेयर इन सभी विभागों को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ देता है, जिससे पूरे व्यवसाय का प्रबंधन आसान और अधिक प्रभावी हो जाता है।

ईआरपी सॉफ्टवेयर क्या है?

यह एक ऐसा बिजनेस मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर है, जो किसी संस्था या कंपनी के सभी प्रमुख विभागों, जैसे अकाउंटिंग, फाइनेंस, खरीद, बिक्री, इन्वेंट्री, मानव संसाधन, उत्पादन और ग्राहक प्रबंधन को एक ही सिस्टम में जोड़कर काम करने की सुविधा देता है। इससे सभी विभागों का डेटा एक ही डेटाबेस में सुरक्षित रहता है और जानकारी तुरंत उपलब्ध हो जाती है।

कैसे करता है काम?

जब किसी कंपनी में कोई नया ऑर्डर आता है, तो ईआरपी सॉफ्टवेयर उसकी जानकारी बिक्री विभाग से लेकर स्टॉक, अकाउंट्स और डिलीवरी विभाग तक स्वत: पहुंचा देता है। यदि स्टॉक कम है, तो खरीद विभाग को भी इसकी सूचना मिल जाती है। इस तरह अलग-अलग विभागों के बीच समन्वय बना रहता है और काम तेजी से पूरा होता है।

ईआरपी सॉफ्टवेयर की प्रमुख विशेषताएँ

यह सॉफ्टवेयर सभी विभागों का डेटा एक ही स्थान पर सुरक्षित रखता है। यह रियल-टाइम रिपोर्ट तैयार करता है, जिससे व्यवसाय की वर्तमान स्थिति तुरंत पता चल जाती है। इसमें ऑटोमेशन की सुविधा होती है, जिससे बार-बार होने वाले कार्य अपने-आप पूरे हो जाते हैं। साथ ही डेटा की सुरक्षा बेहतर होती है और रिपोर्ट तैयार करने में समय की बचत होती है।

ईआरपी सॉफ्टवेयर के फायदे

सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे काम की गति बढ़ती है और मानवीय गलतियाँ कम होती हैं। सभी विभागों का डेटा एकीकृत होने से निर्णय लेना आसान हो जाता है। लागत में कमी आती है, उत्पादकता बढ़ती है और ग्राहकों को बेहतर सेवा मिलती है। इसके अलावा टैक्स, ऑडिट और वित्तीय रिपोर्ट तैयार करना भी अधिक सरल हो जाता है।

ईआरपी सीखने से करियर में क्या लाभ?

आज ईआरपी का ज्ञान रखने वाले युवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। अकाउंट्स, फाइनेंस, सप्लाई चेन, एचआर, डेटा एनालिटिक्स और आईटी सेक्टर में ईआरपी विशेषज्ञों के लिए अच्छे करियर अवसर उपलब्ध हैं। बीकॉम, बीबीए, एमबीए, सीए, और इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए ईआरपी सीखना अतिरिक्त कौशल साबित हो सकता है।

भ्रामक विज्ञापनों का जाल और उपभोक्ता संरक्षण

वर्तमान समय में विज्ञापन, व्यापार और विपणन का सबसे प्रभावी माध्यम बन गया है। टेलीविजन, समाचार-पत्र, रेडियो, इंटरनेट तथा सोशल मीडिया के माध्यम से प्रतिदिन अनेक विज्ञापन हमारे सामने आते हैं। इनका उद्देश्य उपभोक्ताओं को किसी उत्पाद या सेवा की ओर आकर्षित करना होता है। किंतु जब किसी वस्तु या सेवा के संबंध में झूठी, अधूरी अथवा अतिरंजित जानकारी देकर उपभोक्ताओं को भ्रमित किया जाता है, तो उसे भ्रामक विज्ञापन कहा जाता है। ऐसे विज्ञापन उपभोक्ताओं को आर्थिक, मानसिक तथा स्वास्थ्य संबंधी हानि पहुँचा सकते हैं।

भ्रामक विज्ञापनों की समस्या

आज अनेक कंपनियाँ अपने उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए अवास्तविक दावे करती हैं। कुछ सौंदर्य प्रसाधन कुछ ही दिनों में गोरा बनाने का दावा करते हैं, तो कई स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद बिना किसी वैज्ञानिक प्रमाण के गंभीर बीमारियों को ठीक करने की बात करते हैं। इसी प्रकार ऑनलाइन खरीदारी में भारी छूट और आकर्षक ऑफर दिखाकर उपभोक्ताओं को लुभाया जाता है, लेकिन वास्तविक उत्पाद विज्ञापन के अनुरूप नहीं होता। ऐसे विज्ञापन उपभोक्ताओं के विश्वास को ठेस पहुँचाते हैं और उन्हें आर्थिक नुकसान भी होता है।

उपभोक्ता । संरक्षण का महत्व

उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 लागू किया गया है। इस अधिनियम के अंतर्गत उपभोक्ताओं को सुरक्षा, सूचना प्राप्त करने, उचित चयन करने, शिकायत दर्ज कराने तथा क्षतिपूर्ति प्राप्त करने का अधिकार दिया गया है। भ्रामक विज्ञापनों पर नियंत्रण के लिए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण को विशेष अधिकार प्राप्त हैं। यह संस्था दोषी कंपनियों, निर्माताओं तथा विज्ञापनदाताओं पर कार्रवाई कर सकती है और भ्रामक विज्ञापनों को प्रतिबंधित करने के निर्देश भी दे सकती है।

जागरूक उपभोक्ता की भूमिका

केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उपभोक्ताओं का जागरूक होना भी आवश्यक है। किसी भी वस्तु को खरीदने से पहले उसकी गुणवत्ता, मूल्य, निर्माण एवं समाप्ति तिथि, वारंटी तथा उपयोग संबंधी जानकारी अवश्य जाँचनी चाहिए। विज्ञापनों में किए गए दावों पर बिना सत्यापन के विश्वास नहीं करना चाहिए। खरीदारी का बिल सुरक्षित रखना तथा आवश्यकता पड़ने पर शिकायत दर्ज कराना प्रत्येक उपभोक्ता का अधिकार और जिम्मेदारी है।

भ्रामक विज्ञापन स्वस्थ बाजार व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती हैं। इनसे बचाव का सबसे प्रभावी उपाय उपभोक्ता जागरूकता है। सरकार, कंपनियों और उपभोक्ताओं सभी को ईमानदारी, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व का पालन करना चाहिए। जागरूक उपभोक्ता ही अपने अधिकारों का सबसे बड़ा रक्षक होता है।

शैलजा पटेरिया
शिक्षक
के. सी. हितकारिणी
चिल्ड्रेन्स एकेडमी
जोन्सगंज, जबलपुर

डिजिटल दौर में कॉमर्स छात्रों के लिए सबसे जरूरी कम्प्यूटर स्किल्स

आज का व्यापार और वित्तीय जगत तेजी से डिजिटल होता जा रहा है। पहले जहां अकाउंटिंग और बैंकिंग का अधिकांश काम कागजों पर होता था, वहीं अब लगभग हर प्रक्रिया कंप्यूटर और आधुनिक सॉफ्टवेयर के माध्यम से पूरी की जाती है। ऐसे में केवल कॉमर्स की डिग्री होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि कंप्यूटर स्किल्स का ज्ञान भी उतना ही आवश्यक हो गया है। सही तकनीकी कौशल आपके करियर को नई दिशा दे सकते हैं।

एमएस एक्सल में दक्षता

कॉमर्स छात्रों के लिए एमएस एक्सल सबसे महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर है। इसमें डेटा एंट्री, बजट, वित्तीय विश्लेषण, रिपोर्ट, चार्ट और विभिन्न प्रकार की गणनाएं की जाती हैं। बेसिक फीचर्स के साथ, पिवट टेबिल, लुकअप फंक्शन, लॉजिकल फंक्शन, चार्ट और ग्राफ, डेटा वैलिडेशन जैसे फीचर सीखना बेहद लाभदायक होता है।

टेली प्राइम और अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर

आज अधिकांश कंपनियां अकाउंटिंग के लिए टेली प्राइम, बिजी, जोहो बुक्स और अन्य ईआरपी सॉफ्टवेयर का उपयोग करती हैं। इनकी मदद से बहीखाता, जीएसटी, इनवॉइस, स्टॉक मैनेजमेंट और वित्तीय रिपोर्ट तैयार की जाती हैं।

एमएस वर्डस और पावर प्वाइंट

रिपोर्ट, प्रोजेक्ट, बिजनेस लेटर, रिज्यूमे और प्रेजेंटेशन तैयार करने के लिए एमएस वर्डस और पावर प्वाइंट का ज्ञान आवश्यक है। यह कौशल कॉलेज और नौकरी दोनों में उपयोगी साबित होता है।

डिजिटल बैंकिंग की समझ

यूपीआई, एनईएफटी, आरटीजीएस, आइएमपीएस नेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग जैसी डिजिटल सेवाओं का ज्ञान आधुनिक वित्तीय प्रणाली को समझने के लिए बेहद जरूरी है।

डेटा एनालिसिस

व्यापारिक निर्णय सही डेटा पर आधारित होते हैं। इसलिए डेटा को पढ़ना, समझना और उसका विश्लेषण करना आज हर कॉमर्स छात्र के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल बन चुका है।

इंटरनेट और ऑनलाइन रिसर्च

विश्वसनीय वेबसाइटों से जानकारी प्राप्त करना, सरकारी पोर्टलों का उपयोग करना, ऑनलाइन आवेदन भरना और डिजिटल दस्तावेजों का प्रबंधन करना भी आवश्यक कौशल है।

साइबर सुरक्षा का ज्ञान

वित्तीय जानकारी हमेशा संवेदनशील होती है। इसलिए मजबूत पासवर्ड, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन, फिशिंग से बचाव और सुरक्षित ऑनलाइन लेनदेन की जानकारी होना जरूरी है।

क्लाउड स्टोरेज का उपयोग

गूगल ड्राइव, वन ड्राइव और ड्रॉप बॉक्स जैसे प्लेटफॉर्म पर फाइलों को सुरक्षित रखना, साझा करना और कहीं से भी एक्सेस करना सीखना आज की आवश्यकता है।

ईआरपी की जानकारी

बड़ी कंपनियां ईआरपी सॉफ्टवेयर के माध्यम से अकाउंटिंग, खरीद, बिक्री, इन्वेंटरी और मानव संसाधन का प्रबंधन करती हैं। इसकी मूल जानकारी करियर में अतिरिक्त लाभ देती है।

एआई और ऑटोमेशन टूल्स

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से डेटा विश्लेषण, रिपोर्ट तैयार करना, ईमेल ड्राफ्ट करना उत्पादकता बढ़ाना आसान हो गया है।

जानिए ब्रांड वैल्यू का असली मतलब

क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया का सबसे महंगा ब्रांड कौन-सा है? किसी कंपनी की पहचान केवल उसके उत्पादों से नहीं होती, बल्कि उसके ब्रांड से भी होती है। ब्रांड वैल्यू यह दर्शाती है कि ग्राहक उस कंपनी पर कितना भरोसा करते हैं और भविष्य में उससे कितनी कमाई की उम्मीद की जाती है। इसी आधार पर हर साल दुनिया के सबसे मूल्यवान ब्रांडों की सूची जारी की जाती है।

दुनिया का सबसे महंगा ब्रांड

हाल के वर्षों में एप्पल लगातार दुनिया के सबसे मूल्यवान ब्रांडों में शीर्ष स्थान पर रहा है। इसकी ब्रांड वैल्यू सैकड़ों अरब अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। आईफोन, आईपेड, मेक, एप्पल वॉच और इसकी सेवाओं ने इसे वैश्विक स्तर पर बेहद मजबूत पहचान दिलाई है।

ब्रांड वैल्यू क्या होती है?

ब्रांड वैल्यू का अर्थ केवल कंपनी की कुल संपत्ति नहीं है। यह उस नाम की आर्थिक ताकत है, जो ग्राहकों के विश्वास, गुणवत्ता, नवाचार, लोकप्रियता और बाजार में प्रतिष्ठा के कारण बनती है। कई बार किसी कंपनी का ब्रांड उसके कारखानों और मशीनों से भी अधिक मूल्यवान होता है।

ब्रांड इतना मूल्यवान कैसे बनता है?

उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद और सेवाएं

- ग्राहकों का वर्षों का भरोसा
- लगातार नवाचार और नई तकनीक
- प्रभावी मार्केटिंग और विज्ञापन
- मजबूत ग्राहक अनुभव और वैश्विक पहचान

दुनिया का सबसे महंगा ब्रांड केवल अधिक उत्पाद बेचने से नहीं बनता, बल्कि विश्वास, गुणवत्ता, नवाचार और ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध से बनता है। यही कारण है कि एक मजबूत ब्रांड किसी भी कंपनी की सबसे बड़ी अमूर्त संपत्ति माना जाता है।

कंप्यूटर वायरस कैसे आपके सिस्टम तक पहुंचता है

आज के डिजिटल युग में कंप्यूटर और इंटरनेट हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन जितनी तेजी से तकनीक विकसित हुई है, उतनी ही तेजी से साइबर खतरों में भी बढ़ोतरी हुई है। इनमें सबसे आम खतरा कंप्यूटर वायरस है। यह एक हानिकारक प्रोग्राम होता है, जो कंप्यूटर में प्रवेश कर फाइलों को नुकसान पहुंचा सकता है, डेटा चुरा सकता है और पूरे सिस्टम की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है। इसलिए यह जानना जरूरी है कि कंप्यूटर वायरस आखिर फैलता कैसे है और इससे बचाव के क्या उपाय हैं।

कंप्यूटर वायरस क्या होता है?

कंप्यूटर वायरस एक मैलिशियस सॉफ्टवेयर है, जिसे इस तरह बनाया जाता है कि यह खुद को दूसरी फाइलों या प्रोग्रामों से जोड़कर तेजी से फैल सके। जैसे जैविक वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है, उसी तरह कंप्यूटर वायरस भी एक डिवाइस से दूसरी डिवाइस तक पहुंच सकता है।

कैसे फैलते हैं ये वायरस ?

वायरस कई माध्यमों से कंप्यूटर में प्रवेश कर सकते हैं। सबसे आम तरीका इंटरनेट से संक्रमित फाइल या सॉफ्टवेयर डाउनलोड करना है। इसके अलावा ई-मेल में आए संदिग्ध अटैचमेंट खोलने, पायरेटेड सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करने, सवंमित यूएसबी पेन ड्राइव का उपयोग करने और असुरक्षित वेबसाइटों पर जाने से भी वायरस फैल सकते हैं। कई बार फर्जी विज्ञापनों या पॉप-अप लिंक पर क्लिक करने से भी मैलवेयर सिस्टम में प्रवेश कर जाता है।

क्या नुकसान हो सकता है?

कंप्यूटर वायरस फाइलों को डिलीट या करप्ट कर सकता है, सिस्टम की गति धीमी कर सकता है, महत्वपूर्ण डेटा चोरी कर सकता है और कई मामलों में पूरे ऑपरेटिंग सिस्टम को नुकसान पहुंचा सकता है। कुछ वायरस बैंकिंग जानकारी, पासवर्ड और व्यक्तिगत दस्तावेज भी चुरा लेते हैं, जिससे आर्थिक और गोपनीयता संबंधी नुकसान हो सकता है।

कैसे करें वायरस से बचाव ?

कंप्यूटर को सुरक्षित रखने के लिए हमेशा भरोसेमंद एंटीवायरस सॉफ्टवेयर का उपयोग करें और उसे नियमित रूप से अपडेट करें। केवल विश्वसनीय स्रोतों से ही सॉफ्टवेयर डाउनलोड करें। अज्ञात ई-मेल अटैचमेंट या संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। यूएसबी ड्राइव का उपयोग करने से पहले उसे स्कैन करें और अपने ऑपरेटिंग सिस्टम तथा सभी सॉफ्टवेयर को समय-समय पर अपडेट करते रहें। महत्वपूर्ण डेटा का नियमित बैकअप लेना भी एक अच्छी सुरक्षा आदत है।

क्या मोबाइल फोन भी वायरस से संक्रमित हो सकते हैं?

हाँ। एंड्रॉयड और अन्य स्मार्टफोन भी मैलवेयर का शिकार हो सकते हैं, खासकर जब ऐप्स आधिकारिक ऐप स्टोर के बजाय अज्ञात स्रोतों से डाउनलोड किए जाएँ। इसलिए मोबाइल में भी केवल विश्वसनीय ऐप्स इंस्टॉल करें और सुरक्षा अपडेट नियमित रूप से करते रहें। डिजिटल दुनिया में जागरूकता ही सबसे मजबूत सुरक्षा कवच है।

माईक्रो एरिगेशन पंप हाउस में आगजनी, 3 पर एफआईआर

विधायक मधु भगत ने किया निरीक्षण, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जल संसाधन विभाग की महत्वाकांक्षी माइक्रो सिंचाई लिफ्ट परियोजना के तहत ग्राम राघोटोला स्थित पंप हाउस प्लांट में भीषण आगजनी ने 146 करोड़ की परियोजना पर पानी फेर दिया है, क्युकी आगजनी की घटना से करोड़ों रुपये की पाइप, तकनीकी उपकरण एवं अन्य निर्माण सामग्री जलकर नष्ट हो गई। आग इतनी भीषण थी कि उसका धुआं और लपटें दूर से नजर आ रही थीं। सूचना मिलते ही लामता पुलिस और दमकल दल घटनास्थल पर पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक पंप हाउस परिसर में रखी अधिकांश सामग्री पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। इस घटना से निर्माण कार्य एजेंसी को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। सूचना मिलते ही 2 जुलाई की दोपहर पानी पानी में कांग्रेस विधायक मधु भगत, सर्वेक्षण वैनगंगा मंडल के कार्यपालन यंत्री उदय सिंह परते सहित अन्य कर्मचारियों के द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। वहीं लामता थाने में भाजपा समर्थित तीन लोगों की पर

पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच में लिया है। बता दे वर्ष 2022-23 में क्षेत्र के लगभग 55 गांवो के किसानों के खेतो तक पानी पहुंचाने के उद्देश्य से लगभग 146 करोड़ की यह माइक्रो एरिगेशन परियोजना स्वीकृत हुई थी। जिसका लगभग 92 प्रतिशत कार्य भी पूर्ण हो चुका था और सिर्फ 08 प्रतिशत ही काम शेष था, जिसके बाद किसानो के खेतो तक पानी पहुंचाया जाता और बारिश के बाद इसका ट्रायल भी होना था। लेकिन इस आगजनी की घटना ने किसानो के सपनो को भी जलाकर राख कर दिया है।

बताया जा रहा है कि आग लगने से पहले परियोजना परिसर में कुछ स्थानीय लोग पहुंचे हुए थे, जिनका कंपनी के कर्मचारियो से पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ था। उस दौरान कंपनी/पंप हाउस के सुरक्षा गार्ड के साथ मारपीट भी की गई थी। लेकिन उसके कुछ समय बाद आग लगने की यह घटना सामने आई। जिससे कई तरह का संदेह पैदा हो गया है। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मची और पुलिस व दमकल टीम को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पूरा महकमा और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दमकम वाहन के जरिये आग पर काबू पाया गया। इस मामले में तीन संदेहियो के खिलाफ थाने में एफआईआर भी दर्ज करवाई गई है। वही पुलिस भी सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। घटना की सूचना पर आज क्षेत्र के कांग्रेस विधायक मधु भगत ने भी मौके पर पहुंचकर पंप हाउस का निरीक्षण किया और अधिकारियों से घटना की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने नुकसान का जायजा लेते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी एवं निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। वही सूत्र बताते है कि इस घटना के पीछे भाजपा समर्थित कुछ लोगो का हाथ है, जिन्होंने पम्प हाउस में मौजूद गार्ड व अन्य कार्मचारियों के साथ मारपीट भी की थी।

इनका कहना है

मैं सिवनी में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम था तभी सूचना मिली कि माइक्रो एरिगेशन परियोजना के पंपहाउस में आगजनी की घटना हुई हैं, जिसके पश्चात हमने कलेक्टर महोदय और पुलिस अधीक्षक महोदय को जानकारी दी गई और जांच कर दोषियो पर कार्यवाही की मांग की गई। बालाघाट जिले की माइक्रो एरिगेशन परियोजना एक मात्र परियोजना हैं जिससे सीधा पानी सिंचाई के लिए किसानों के खेतों तक पहुंच सकेगा, जिसका कार्य विधायक महोदय के नेतृत्व में 56 गांवों तक का अंतिम चरण में कार्य चल रहा हैं। असामाजिक तत्वों के द्वारा इस आगजनी से क़रीब 8 से 10 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ हैं। जानकारी दी गई कि असामाजिक तत्वों के द्वारा पैसों की मांग करते हुए काम बंद करा दिया गया और फ़िर गार्ड से मारपीट की गई। वहीं कुछ देर बाद उन्होंने आग लगा दी, जिसके पश्चात लामता थाना में इंजीनियर द्वारा शिकायत दी गई हैं पुलिस ने आगजनी, शासकीय कार्य में बाधा को लेकर एफआईआर दर्ज कराई गई हैं।

उदय सिंह परते
कार्यपालन यंत्री, सर्वेक्षण वैनगंगा मंडल

प्रशांति वाटिका में आयोजित हुए विदाई समारोह

39 वर्ष की सेवा के बाद प्रबंधक आर.पी. मरठे हुए सेवानिवृत्त

कटंगी(स्वतंत्र मत)

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा कटंगी में प्रबंधक के पद पर कार्यरत आर पी मरठे 30 जून को 39 वर्ष की सफल शासकीय सेवा और 62 वर्ष की अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में प्रशांति वाटिका लॉन में सिरपुर जाम एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा कटंगी द्वारा संयुक्त रूप से विदाई समारोह आयोजित किया गया। भावुक माहौल में अधिकारी, कर्मचारी, संचालक मंडल, जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक और बड़ी संख्या में कृषक बंधुओं ने उन्हें शुभकामनाओं के साथ विदाई दी। समारोह में सभी वक्ताओं ने आर.पी. मरठे के 39 साल के कार्यकाल को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने सरकारी सेवा में रहते हुए हमेशा किसान और जनता के बीच रहकर उत्कृष्ट कार्य किया। उनके हंसमुख, सरल स्वभाव और उत्कृष्ट प्रशासनिक फैसलों को कटंगी क्षेत्र हमेशा याद रखेगा। सिरपुर के लिपिक बी.एल. भलावी ने कहा आर.पी.मरठे जी ने कभी अधीनस्थ कर्मचारियों को आदेशात्मक लहजे में नहीं कहा। हमेशा धैर्य और संयम से काम पूरा करवाया। उनके कार्यकाल में संस्था को नई पहचान मिली और शाखा हर वर्ष शासन द्वारा सम्मानित होती रही। विदाई समारोह में आर.पी. मरठे भी भावुक नजर आए उन्होंने कहा स्टाफ से जो सम्मान और अपनत्व मिला, वह जीवन की अविस्मरणीय यादें हैं। सिरपुर जाम, बनेरा की जनता से मिला प्रेम और सहयोग कभी नहीं भूलूंगा।

खैरलांजी में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शिविर आयोजित, किसानों को दी योजना की जानकारी

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

खैरलांजी वितरण केंद्र अंतर्गत अंबेडकर भवन, खैरलांजी में गुरुवार को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वारासिवनी के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्तिकेय जायसवाल (आईएएस) ने की। शिविर में संभागीय कार्यालय वारासिवनी के कार्यपालन अभियंता बाबूलाल भैना, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, तहसीलदार खैरलांजी, सहायक अभियंता राहुल तुरकर, कनिष्ठ अभियंता प्रमोद लिल्हारे, कृषि विभाग के अधिकारी, जनपद अध्यक्ष, विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनुविभागीय अधिकारी कार्तिकेय जायसवाल ने किसानों एवं आम नागरिकों से प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। वहीं कार्यपालन अभियंता बाबूलाल भैना ने योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, अनुदान एवं इससे मिलने वाले आर्थिक लाभों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योजना के माध्यम से उपभोक्ता अपने घरों पर सोलर संयंत्र लगाकर बिजली बिल में कमी लाने के साथ स्वच्छ ऊर्जा को भी बढ़ावा दे सकते हैं। शिविर में उपस्थित किसानों ने योजना की जानकारी प्राप्त कर इसमें रुचि दिखाई।

पंचायत और ग्रामीण हुए आमने-सामने

सड़क और स्टेट हाईवे के शोल्डर काटने का आरोप

कटंगी(स्वतंत्र मत)

जनपद पंचायत कटंगी की ग्राम पंचायत खमरिया में पानी निकासी की नाली को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। गांव के ही निवासी भीवेंद्र सिंह देशमुख ने पंचायत के जिम्मेदारों पर गंभीर आरोप लगाते हुए तहसील कार्यालय, कटंगी पुलिस थाना और एमपीआरडीसी में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि पंचायत ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़क और एमपीआरडीसी द्वारा निर्मित राजमार्ग के साइड शोल्डर को अवैध तरीके से काट दिया और बरसात के पानी के नैसर्गिक मार्ग को बदल दिया। यह पूरा विवाद शिकायतकर्ता भीवेंद्र सिंह देशमुख के खाली प्लॉट से पानी निकासी के लिए बनाई गई नाली के निर्माण के बाद शुरू हुआ। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पंचायत ने उनके खाली प्लॉट में बिना अनुमति अवैध तरीके से बरसात के पानी की निकासी के लिए नाली बना दी। मेरी निजी संपत्ति पर

अतिक्रमण किया गया। नाली बनाने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की पक्की सड़क और एमपीआरडीसी के स्टेट हाईवे के साइड शोल्डर को काट दिया गया। यह शासकीय संपत्ति को नुकसान है। गांव में बरसात के पानी का एक प्राकृतिक नाला/नैसर्गिक मार्ग था। उस पर किसी प्रभावशाली व्यक्ति ने निर्माण कर कब्जा कर लिया है। उसे फायदा पहुंचाने के लिए पंचायत ने जानबूझकर पानी का रास्ता मेरे प्लॉट की तरफ मोड़ दिया। भीवेंद्र देशमुख ने मांग की है कि सड़क और शोल्डर काटने वालों पर एफआईआर दर्ज हो, नैसर्गिक नाले से कब्जा हटे और उनके प्लॉट में बनी नाली को बंद कर मूल स्वरूप में पानी निकासी की जाए। इस पूरे मामले में ग्राम पंचायत खमरिया के सरपंच मुकेश राहंगडाले का पक्ष भी सामने आया है। उन्होंने सभी आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा जलभराव की गंभीर समस्या थी। बारिश का पानी घरों में घुसने की संभावना थी। शिकायतकर्ता की जमीन को किसी प्रकार से कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया है। नाली सार्वजनिक हित में बनाई गई है। सड़क को नियमानुसार काटकर पाइप डालने के बाद मरम्मत भी करा दी जाएगी। नैसर्गिक नाले वाली बात गलत है। वहां कोई कब्जा नहीं है। इस विवाद के बाद खमरिया गांव में ग्रामीण दो गुटों में बंटे नजर आ रहे हैं। एक पक्ष शिकायतकर्ता के साथ है तो दूसरा सरपंच के विकास कार्यों का समर्थन कर रहा है। फिलहाल पूरे मामले में राजस्व, पुलिस और एमपीआरडीसी की संयुक्त जांच रिपोर्ट का इंतजार है। रिपोर्ट में ही साफ होगा कि नाली अवैध है या वैध, सड़क काटने की अनुमति थी या नहीं, और नैसर्गिक नाले पर वास्तव में कब्जा है या नहीं। तब तक खमरिया में पानी निकासी के नाम पर छिड़ा यह 'सड़क संग्राम' चर्चा का विषय बना हुआ है।

सांप के काटने से 16 वर्षीय किशोर की मौत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले में मानसून की शुरुआत के साथ ही सर्पदंश की घटनाओं में बढ़ोतरी होने लगी है। बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम दरबारी टोला में जहरीले सांप के काटने से 16 वर्षीय किशोर अहम पिता कन्हैया कारसर्पे की मौत हो गई। जिला अस्पताल में 2 जुलाई की दोपहर 12 बजे क़रीब पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया, जबकि बिरसा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, अहम कारसर्पे परिवार में दो भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था। उसने पढ़ाई छोड़ दी थी और माता-पिता के साथ मजदूरी कर परिवार का सहयोग करता था। 1 जुलाई की रात भोजन करने के बाद वह घर में जमीन पर गद्दा बिछाकर सो गया। देर रात करीब 3 बजे उसके दाहिने हाथ में जहरीले सांप ने काट लिया। दर्द और बेचैनी होने पर उसने परिजनों को इसकी जानकारी दी। परिजन उसे तत्काल बिरसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक बारेलाल पांचे एवं आरक्षक विक्रम शर्मा ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर प्रकरण की डायरी अग्रिम जांच के लिए बिरसा थाना भेज दी है।

विधायक आवास पर अब मंगलवार की जगह गुरुवार को होगी जनसुनवाई, आमजन की समस्याओं का होता रहेगा निदान

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मानपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक सुश्री मीना सिंह के उमरिया स्थित आवास पर अब तक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई का दिन बदलकर गुरुवार कर दिया गया है। वैसे तो विधायक आवास पर रोजाना ही सैकड़ों लोग अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचते है और लगभग सभी की समस्याओं का निदान भी होता है लेकिन अब तक मंगलवार का दिन जनसुनवाई के लिए निर्धारित था जिसमे विधायक जी दिनभर अपने क्षेत्र के साथ साथ जिले भर से दूरदराज से आने वाले हजारों

लोगों के लिए 10 से 12 घंटे लगातार बैठ कर उनकीं समस्याओं को सुनना और संबंधित अधिकारियों को तुरंत उन समस्याओं से अवगत कराकर निदान करने का प्रयास करती है लेकिन अब मंगलवार की जगह गुरुवार का दिन निर्धारित किया गया है। जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र के नागरिक अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित आवेदन विधायक के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे। प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई कर समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाएगा। विधायक जी रोजाना ही अपने क्षेत्र के भ्रमण के लिए जाती हैं इसलिए रोजाना पूरा समय क्षेत्र वासियो के लिए नही दे पाती इसलिए सप्ताह में एक दिन जनसुनवाई के लिए निर्धारित किया गया था जी कई सालो से मंगलवार का दिन निर्धारित था। लेकिन अब इस जनसुनवाई का दिन बदलकर गुरुवार किया गया है इसलिए विधायक जी ने सभी क्षेत्र वासियो से अपील की है कि अब आप हर गुरुवार के दिन जनसुनवाई के लिए उमरिया स्थित आवास पर आ सकते हैं।

आदर्श कॉलेज में नव प्रवेशित छात्रों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार तीन दिवसीयदीक्षारंभ एवं मानसिक संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन 1 जुलाई से 3 जुलाई तक किया जा रहा है। छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय की जानकारी के अंतर्गत संचालित गतिविधियों विभिन्न प्रकार की हितग्राही मूलक योजनाएं खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जानकारी के साथ मानसिक दक्षता संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत

मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन के लिए कार्यक्रमों का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ नियाज अहमद अंसारी की अध्यक्षता, प्रवेश प्रभारी डॉ विजय डाबर के संयोजन एवं डॉ राजीव तिवारी के संचालन में किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस 1 जुलाई 2026 को छात्र-छात्राओं का पुष्प वर्षा एवं तिलक वंदन के साथ स्वागत अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में डॉ अतुल बाजपेई प्राचार्य शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय एवं हार्टफुलनेस प्रशिक्षक सुश्री प्रणाली पांसे की उपस्थिति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

ग्रामीण रोजगार की गारंटी विकसित भारत जीरामजी का ग्राम पठारी से हुआ शुभारंभ

उमरिया (स्वतंत्रमत)। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने और लोगों की आजीविका को सशक्त बनाने के उद्देश्य से विकसित भारत जी-राम-जी एक्ट के अंतर्गत 125 दिनों के रोजगार की गारंटी का प्रावधान किया गया है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को अधिक समय तक रोजगार उपलब्ध कराना, उनकी आय में वृद्धि करना तथा गांवों के समग्र विकास को गति देना है। उक्त आशय के विचार जिला पंचायत अध्यक्ष ने ग्राम पंचायत पठारी में आयोजित ग्रामीण रोजगार की गारंटी विकसित भारत जी राम जी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि मनरेगा योजना का अपडेट कर जी राम जी

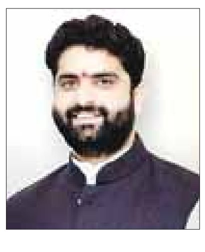

में परिवर्तित किया गया है। यह योजना ग्रामीणों के लिए मील का पत्थर साबित होगी। उन्होने बताया कि योजना का उददेश्य ग्राम पंचायतों को और अधिक सुदढ़ करना है। योजना के तहत ग्राम पंचायतों को अब स्वयं निर्णय लेने का अधिकार प्राप्त होगी। जीरामजी योजना का से काम का दायरा बढ़ाया गया है। उन्होने कहा कि योजना के माध्यम से पात्र ग्रामीण परिवारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार की तलाश में पलायन नहीं करना पड़े। रोजगार के दौरान जल संरक्षण, वृक्षारोपण, सड़क निर्माण, तालाबों का जीर्णोद्धार, स्वच्छता, भूमि विकास तथा अन्य सार्वजनिक उपयोग के विकास कार्य कराए जाएंगे।

नगर परिषद नौरोजाबाद में भ्रष्टाचार के विरोध में कांग्रेस का घेराव

उमरिया (स्वतंत्रमत)

गुरुवार 2 जुलाई को नगर कांग्रेस कमेटी एवं नौरोजाबाद ब्लॉक कांग्रेस के नेतृत्व में, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी. विजय कोल की अगुवाई में नगर परिषद नौरोजाबाद में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर परिषद कार्यालय का घेराव करते हुए विभिन्न अनियमितताओं पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष इंजी विजय कोल ने आरोप लगाया कि नगर परिषद में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत की गई खरीदी में भारी अनियमितताएं बरती गई हैं, जिसमें कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। इसके अलावा नगर के विकास कार्यों में पारदर्शिता की कमी, योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही, सीसी रोड का निर्माण कार्य दिन में न करके रात में करना और बिना कंप्रेशन मशीन के रोड का घटिया निर्माण का कड़ा विरोध किया और जनता के हितों की अनदेखी जैसे गंभीर मुद्दे भी उठाए गए। इस अवसर

पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री एवं जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की। अध्यक्ष इंजी विजय कोल ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन को और तेज करेगी। कार्यक्रम में जिला संगठन महासचिव पुष्पराज सिंह, जिला उपाध्यक्ष अशोक मिश्रा, बांधवगढ़ विधानसभा प्रत्याशी श्रीमती सावित्री सिंह, जिला पंचायत सदस्य हेमनाथ बैगा, जिला महामंत्री वीरेंद्र सिंह सेंगर, ब्लॉक अध्यक्ष रमेश सिंह परस्ते, नगर कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश कठौतिया, पाली ब्लॉक अध्यक्ष रवि मिश्रा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष अनुराग सिंह अम्बुज, आदिवासी कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष सिंह बरकड़े, वरिष्ठ कांग्रेस नेतागण संजीव खंडेलवाल, छात्रपाल सिंह, सेवा दल साकिर खान,आदि उपस्थित रहे।

अपार आईडी पर कार्यशाला

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विकासखंड घुघरी के मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल में विकासखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े द्वारा कार्यशाला में उपस्थित संकुल प्राचार्यों को शिक्षा पोर्टल 3.0 पर विद्यार्थियों के क्लास प्रोग्रेशन, यू-डाइस पोर्टल में प्रोग्रेशन, अपार आईडी जनरेट करने, ड्रॉपबॉक्स से विद्यार्थियों को हटाने तथा असफल भुगतान वाले खातों को शत-प्रतिशत अपडेट करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती वरकड़े ने कार्यशाला के उपरांत हाईस्कूल गजराज एवं निर्माणाधीन हाईस्कूल भवन का निरीक्षण किया गया।

31.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में इस वर्ष 1 जून से 2 जुलाई के दौरान 92 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है जबकि इसी अवधि तक गत वर्ष 362.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार गत् वर्ष की तुलना में इस वर्ष 270.3 मिलीमीटर कम वर्षा दर्ज की गई है अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 जुलाई 2026 को मंडला में 55.8 मि.मी., नैनपुर में 96.6 मि.मी. एवं बिछिया में 16.6 मि.मी., निवास में 4 मि.मी. एवं घुघरी में 5.6 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। इस प्रकार जिले में 2 जुलाई 2026 को 31.6 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

बच्चों ने पी पोलियों दवा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी. जे. मोहंती नें जानकारी दी कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान जो कि 28 जून से 30 जून तीन दिवस तक पोलियो की खुराक बूथ से शुरू होकर टीम के द्वारा घर-घर भ्रमण बस स्टैण्ड रेलवे स्टेशन ईट भट्टा घुमक्कड़ इत्यादि सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में टीम जाकर 0-5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई जिले में 0-5 वर्ष के बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य राज्य स्तर से 110615 प्राप्त हुआ। तथा जिले में 110752 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई जिसका प्रतिषत 100.1 रहा।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

मण्डला(स्वतंत्र मत)। प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक योजना भवन में आयोजित की गई। बैठक में जिला परिवहन अधिकारी बिमलेश गुप्ता ने समिति की पिछली बैठक के एजेंडा अनुसार दिए गए टास्क का प्रस्तुतिकरण किया। प्रधानमंत्री राहत योजना की समीक्षा करते हुए प्रभारी कलेक्टर ने निर्देशित किया कि आगामी एक माह में मुख्यालय के कम से कम निजी चिकित्सालय के इस योजना से संबद्ध करें। प्रशासन के साथ-साथ पुलिस का भी एक मोबाईल नंबर पोर्टल पर रजिस्टर कराएं जिससे समय पर पुलिस को भी प्रकरण की सूचना समय पर प्राप्त हो सके। हिट एण्ड रन के लम्बित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए प्रभारी कलेक्टर राठौर ने कहा कि यह संवेदनशील विषय है।

दो औद्योगिक भू-आवंटन निरस्त

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद द्वारा औद्योगिक क्षेत्र उदयपुर में आवंटित दो औद्योगिक इकाइयों का भू-आवंटन निरस्त कर दिया गया है। यह कार्रवाई लीज डीड की शर्तों के उल्लंघन के कारण की गई। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के अनुसार मैसर्स ऑन सपोर्ट्स पार्ट्स प्रोप्राइटर श्रीमती सादिया बीए निवासी जबलपुर तथा मैसर्स ओम साईं उद्योग प्रोप्राइटर सौरभ शर्मा निवासी जबलपुर को आवंटित भूखंडों की लीज शर्तों का पालन नहीं किया गया।

वीबी जीरामजी का हुआ शुभारंभ: मिलेगा 125 दिन का रोजगार, ग्रामीण भारत की नीव मजबूत करेगी योजना : मंत्री

मण्डला(स्वतंत्रमत)

आंध्रप्रदेश से केंद्रीय पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिले के रानी दुर्गावती महाविद्यालय में जिला स्तरीय सम्मेलन एवं शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके रहीं कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ इसके पश्चात योजना के तहत जिले के प्रथम कार्य के रूप में ग्राम पंचायत आमानाला स्थित मुक्तिधाम के समीप वृक्षारोपण कार्य का भूमिपूजन किया गया कार्यक्रम के दौरान योजना की रूपरेखा उद्देश्य और ग्रामीण विकास में इसकी भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी गई मुख्य अतिथि मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में यह महत्वाकांक्षी योजना ग्रामीण भारत के विकास की दिशा में एक नया अध्याय सिद्ध होगी उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त करने में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे आजीविका के नए साधन विकसित होंगे तथा पंचायत स्तर पर विकास कार्यों को गति मिलेगी उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत श्रमिकों के पारिश्रमिक की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी जिससे भुगतान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं समयबद्ध होगी। मंत्री श्रीमती उइके ने जल गंगा संवर्धन अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के क्षेत्र में यह अभियान सफलता पूर्वक संचालित हो रहा है तथा जनभागीदारी से इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं कार्यक्रम के दौरान बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने कहा कि यह योजना ग्रामीणों के लिए रोजगार का सशक्त माध्यम बनेगी इससे ग्रामीण युवाओं और श्रमिकों को रोजगार की तलाश में दूसरे शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा उन्हें अपने गांव में ही सम्मानजनक रोजगार एवं बेहतर पारिश्रमिक प्राप्त होगा जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शाश्वत सिंह मीना ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आजीविका के अवसरों का विस्तार करना स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना तथा ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है उन्होंने बताया कि योजना के तहत ग्रामीण श्रमिकों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी प्रदान की जाएगी यदि किसी कारणवश रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो पात्र हितग्राहियों को बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान रखा गया है साथ ही श्रमिकों के पारिश्रमिक में भी वृद्धि की गई है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ मिलेगा और पंचायतों में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई इसके बाद उन्होंने रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रृद्धांजलि अर्पित की तथा कार्यक्रम स्थल पर आयुष विभाग द्वारा लगाए गए औषधीय पौधों एवं औषधि प्रदर्शनी स्टॉल का निरीक्षण भी किया इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश तेकाम, जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष सोनू भलावी, जिला पंचायत सदस्य शैलेष मिश्रा, श्रीमती शकुन जंघेला, श्रीमती गीता मरावी, वरिष्ठ समाजसेवी प्रफुल्ल मिश्रा एवं जयदत्त झा, जनपद सदस्य श्रीमती अम्बेश्वरी बैरागी, सरपंच टिकरवारा श्रीमती श्रृद्धा उइके कवरेती, सरपंच बड़ी खैरी श्रीमती सीमा गोंटिया, प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, एसीईओ जिला पंचायत विनोद मरावी, परियोजना अधिकारी मनरेगा श्रीमती ऋतु तिवारी, सीईओ जनपद पंचायत कपिल तिवारी सहित जिला प्रशासन के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

रजक समाज की कार्यकारिणी घोषित

अध्यक्ष बने बारेलाल

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)। मंगल भवन निवास में आयोजित रजक समाज की बैठक आयोजित की गई। यहां पर मां नर्मदा व संत गाडगे महाराज के तैल्यचित्र में तिलक वंदनकर दीप प्रज्वलित किया गया। रजक के वरिष्ठ लोगों ने समाज हित में निर्णय लेकर नई कार्यकारणी बनाई गई जिसमें निवास रजक समाज के बारेलाल रजक को अध्यक्ष बनाया गया रमेश रजक उपाध्यक्ष पिपरिया, गिरीश रजक उपाध्यक्ष बिसौरा, प्रभु रजक सचिव भीकमपुर, कंधीलाल रजक कोषाध्यक्ष आमाडोंगरी, संरक्षक राकेश रजक व महेश (लल्लू) रजक को नियुक्त किया गया रजक समाज ने कुरीतियों को दूर करने तथा पीड़ित परिवारों की हर समस्याओं को सुलझाने का महत्तपूर्ण निर्णय लिया साथ ही निवास में पूर्व से चली आ रही समाज में दीवान और माल गुजारी पद को हटाने का सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया। बैठक में अखिल भारतीय धोबी रजक महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष करन रजक वरिष्ठ समाज सेवी अनिल रजक, प्रवक्ता लालू रजक, संतोष रजक शिक्षक ब्रजेश रजक, हरि रजक, राजेश रजक, महेश रजक, बिहारी रजक, दीपक रजक, गोलू रजक, सौरभ रजक, नन्द किशोर रजक, कमलेश रजक, संजय रजक, रिंकू रजक, सुनील रजक, अनिल रजक, आशु रजक, पन्ना रजक, पूरन रजक, समाज की महिलाएं बच्चों सहित युवा मोर्चा के सदस्य उपस्थित रहे।

चार पंचायतों में वित्तीय साक्षरता

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत) सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के वित्तीय साक्षरता अभियान के तहत मोहगांव विकासखंड की चार पंचायतों में समर्पित एनजीओ द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं की जानकारी देकर उन्हें सुरक्षित एवं सशक्त वित्तीय व्यवहार के लिए प्रेरित करना था नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बैंकिंग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां सरल एवं रोचक तरीके से प्रस्तुत की गईं। इसमें बैंक खाते खोलने की प्रक्रिया केवाईसी विभिन्न बचत योजनाएं बीमा योजनाएं डिजिटल बैंकिंग साइबर धोखाधड़ी से बचाव तथा सुरक्षित लेन-देन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई कार्यक्रम में सेंट्रल बैंक प्रबंधक नमन मेरावी, सहायक प्रबंधक हर्षित जोशी, आरओ लक्ष्मी पटेल, कार्यालय प्रभारी लोकेश टेकाम, ब्लॉक मोहगांव के ब्लॉक कॉर्डिनेटर नाजिम शाही, ब्लॉक कॉर्डिनेटर मनीष सिंगरोरे तथा बिलासपुर से आई नुक्कड़ नाटक टीम की सक्रिय सहभागिता रही अंत में बैंक अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की बैंकिंग धोखाधड़ी से सतर्क रहें।

कुक कम हेल्पर कुकिंग प्रतियोगिता

मण्डला(स्वतंत्रमत)। प्रदेश की केबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके के मुख्य आतिथ्य में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय कुक कम हेल्पर कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन पीएम श्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के ऑडिटोरियम हॉल में किया गया प्रतियोगिता का उद्देश्य मध्यान्ह भोजन में उपयोग होने वाली सामग्री से पौष्टिक स्वादिष्ट एवं स्वच्छ भोजन तैयार करने को प्रोत्साहित करना तथा स्थानीय खाद्य परंपराओं को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान थाली सेहत वाली विषय पर आधारित वीडियो का भी प्रदर्शन किया गया। इसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण भोजन एवं प्रोटीनयुक्त आहार को बढ़ावा देना रहा मंत्री श्रीमती उईके ने कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए सभी 57 स्टालों का भ्रमण कर स्व-सहायता समूहों की बहनों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न व्यंजनों को चखा। उन्होंने महिलाओं की रचनात्मकता एवं स्थानीय सामग्री से बने नवाचारी व्यंजनों की सराहना की उन्होंने कहा कि हमारी बहनों ने यहाँ एक से बढ़कर एक व्यंजन पेश किया इतने उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में शामिल होकर इसे बहनों ने उत्सव बना दिया उन्होंने सभी स्टालों को तीन-तीन हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान करने की घोषणा की कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरूस्कार राशि से सम्मानित किया गया इसके अंतर्गत प्रथम पुरूस्कार श्रीमती सीमा बैरागी निवासी शांतिनगर बिंझिया को पुरूस्कार राशि 5 हजार रूपए द्वितीय पुरूस्कार श्रीमती त्रिवेणी नंदा निवासी पदमी एवं श्रीमती सुषमा कछवाहा निवासी रामबाग को पुरूस्कार राशि 3-3 हजार रूपए एवं तृतीय पुरूस्कार श्रीमती अनीता शर्मा निवासी ग्राम भपसा, श्रीमती गीता यादव निवासी ग्राम हिरदेनगर एवं श्रीमती उर्मिला कुर्राम निवासी ग्राम मोहनिया पटपरा को पुरूस्कार राशि 2-2 हजार रूपए देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त श्रीमती रामवती बाई ग्राम मवईजर, श्रीमती सावित्री धारवैया एवं श्रीमती अनीता यादव को 1-1 हजार रूपए सांत्वना पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया।

ठगी की राशि मिली वापस

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा एवं एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में थाना नैनपुर पुलिस एवं साइबर सेल द्वारा ऑनलाइन साइबर अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए एक पीड़ित को राहत दिलाई गई शिकायतकर्ता द्वारा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर ऑनलाइन ठगी की शिकायत दर्ज कराई गई थी शिकायत प्राप्त होते ही थाना नैनपुर पुलिस एवं साइबर सेल ने त्वरित कार्यवाही करते हुए संबंधित बैंक एवं अन्य एजेंसियों से समन्वय स्थापित कर ठगी की राशि जिस बैंक खाते में स्थानांतरित हुई थी उसे तत्काल होल्ड कराया सतत प्रयासों के परिणाम स्वरूप शिकायतकर्ता के साथ हुई 3,000 की ऑनलाइन ठगी की राशि 1 जुलाई को सफलतापूर्वक उनके बैंक खाते में वापस करा दी गई।

ज्ञान ज्योति में साइबर अपराध उन्मूलन गोष्ठी सम्पन्न

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

नैनपुर विकास समिति द्वारा संचालित ज्ञान ज्योति शिक्षण संस्थान में साइबर अपराध उन्मूलन गोष्टि आयोजित की गई। नैनपुर थाना प्रभारी मंशाराम वगेन एंव एस. आई. विक्रम बघेल द्वारा संस्था के अध्यक्ष बेनीश्याम खण्डेलवाल, संस्था प्राचार्य प्रवीण नायडू, प्रभारी शिक्षक मदन मोहन जायसवाल, वरिष्ठ अध्यापक बी. एल. देशमुख एवं शिक्षक शिक्षिकाओं की उपस्थिति में साइबर अपराध के संबंध में विद्यालय के छात्र छात्राओं शिक्षक शिक्षिकाओं को साइबर अपराध के प्रति जागरुक एवं सर्तक रहने की शपथ ली। आपने वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराधों से बचने के उपाय बताते हुए किन्ही कारण वश इनकी गिरफ्त आ जाने के बाद उठाये जाने वाले सुरक्षात्मक कदमो को विस्तार से बताया । इस अवसर पर विद्यालयो के विद्यार्थियों को सुरक्षा और जागरूकता का संकल्प भी दिलाया गया।

रेल यात्रियों को बड़ी सौगात

नैनपुर(स्वतंत्र मत)। यात्रियों की बढ़ती संख्या एवं यात्रा की मांग को ध्यान में रखते हुए पेंचवेली ट्रेन में कोचों की स्थायी वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर जन मांग के आधार पर लिया गया है। पेंचवेली ट्रेन में संशोधित कोच संरचना निर्धारित तिथि 29 जून से लागू कर दी गई है। इस निर्णय से यात्रियों को अधिक सीटें उपलब्ध होंगी, प्रतीक्षा सूची में कमी आएगी तथा यात्रा अधिक आरामदायक एवं सुविधाजनक होगी। जाहिर है कि गाड़ी संख्या 19343/19344 इंदौरक्कनैनपुरक्कइंदौर पेंचवेली एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रियों की बढ़ती संख्या के आधार पर जन मांग को देखते हुए कोचों की स्थायी वृद्धि की गई है। वर्तमान में यह ट्रेन 16 आईसीएफ कोचों (एसी चेयर कार-1, द्वितीय श्रेणी बैठने के 5 कोच, सामान्य श्रेणी के 8 कोच एवं 2 गार्ड सह लगेज यान) के साथ संचालित हो रही है। संशोधित संरचना के अनुसार अब इसमें 18 आईसीएफ कोच लगाए जाएंगे, जिनमें एसी चेयर कार के 2 कोच, द्वितीय श्रेणी बैठने के 5 कोच, सामान्य श्रेणी के 9 कोच तथा 2 गार्ड सह लगेज यान शामिल है। संशोधित संरचना के अनुसार यह व्यवस्था इंदौर से 28 जून 2026 तथा नैनपुर से 29 जून 2026 से लागू हो गई है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नैनपुर जिला मण्डला
क्रमांक/अ.वि.अ./प्र-1/2026 646
नैनपुर दिनांक 24.06.2026

आम इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में गतिशील अपील प्रकरण क्रमांक 0081/अपील/2025-26 में अपीलार्थी श्री गुलगुलिया प्रसाद बेलेन्द्र पिता कालका प्रसाद निवासी ग्राम सालीवाडा तहसील नैनपुर जिला मण्ड़ला के द्वारा उत्तरवादी शिवरी बाई झारिया पति अन्नीलाल बगैरह निवासी वार्ड नं. 09 नैनपुर तहसील नैनपुर जिला मण्डला के विरूद्ध अधीनस्थ न्यायालय नायब तहसीलदार चिरईडोंगरी तहसील नैनपुर के 155/अ-27/2024-25 ग्राम सालीवाडा में पारित आदेश दिनांक 23.04.2025 से व्यथित होकर आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 44 (1) म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत अपील पेश की गई है।

अपील पेश होने पर उत्तरवादी को विधिवत अंकित पते पर नोटिस जारी कर आहूत किया गया किन्तु उत्तरवादीगण अनुपस्थित रहे। उक्त स्थिति में इन्हे न्यायालय में उपस्थित होने हेतु इस इश्तहार के माध्यम से नोटिस किया जाता है कि आप प्रकरण की सुनवाई दिनांक 24/07/2026 को उपस्ति होवे। अन्यथा अनुपस्थिति की दशा में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही कर पक्ष समाप्त कर दिया जावेगा।

इश्तहार आज दिनांक 24/06/2026 को न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नैनपुर

स्कूल खुले पर अतिथियों की भर्ती नहीं

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शिक्षा सत्र अप्रैल 2026 से शुरू हो चुका है 17 जून से स्कूल खुल गए 21 जून से बच्चे भी बुलाए जा रहे हैं पर जिले के सैकड़ों शिक्षक-विहीन और शिक्षकों की कमी से जूझते आ रहे स्कूलों में पढ़ाने वाला कोई नहीं है। बच्चे स्कूल आते हैं खेलते-कूदते हैं मिडिल तक के बच्चे मध्यान्ह भोजन करते हैं और शाम 4:30 बजे घर लौट जाते हैं बिना पढ़ाई के डीपीआई का आदेश 30 जून को जारी हो चुका है। इस आदेश के अनुसार शिक्षा विभाग के प्राचार्य अतिथि शिक्षकों की भर्ती शुरू कर चुके हैं पर ट्राइबल डिपार्टमेंट के स्कूलों में भर्ती अटकी पड़ी है ट्राइबल स्कूलों के प्राचार्यों का तर्क है डीपीआई का आदेश हमारे लिए मान्य नहीं ट्राइबल विभाग का अलग आदेश चाहिए बिना उसके भर्ती की तो अतिथि शिक्षकों का मानदेय फंस जाएगा सवाल ये है स्कूल तो स्कूल हैं चाहे शिक्षा विभाग का हो या ट्राइबल का जब लोक शिक्षण के बाकी सभी आदेश ट्राइबल स्कूलों पर लागू होते हैं तो अतिथि भर्ती पर अलग आदेश का इंतजार क्यों? 1 जुलाई से बच्चों की उपस्थिति बढ़ रही है पर अधिकतर स्कूलों में पढ़ाने वाला कोई नहीं ना कोई पाठ पढ़ाता है ना गृहकार्य देता है जिससे बच्चों को भी मानसिक तनाव से गुजरना पड़ रहा है भवन और बुनियादी सुविधाओं की कमी से वैसे भी जूझते आ रहे सरकारी स्कूलों में ये लापरवाही आग में घी का काम कर रही है।

गौशाला में अब काऊ केचर मशीन से होगी गौमाता की सेवा

वृद्ध और अस्वस्थ्य गौमाता को मिलेगी राहत

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

नैनपुर के वार्ड 14 स्थित श्रीकृष्ण गौशाला में अब काऊ केचर मशीन से गायों की सेवा की जाएगी। अस्वस्थ्य और वृद्ध गौमाता की सेवा के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। च्काऊ केचर मशीनज्ज से गौशाला के सेवकों को बहुत मदद मिलेगी और गौमाता को भी कष्ट नहीं होगा ऐसी अपेक्षा जताई जा रही है। काऊ केचर मशीन के आ जाने से गौ सेवा कार्य मे एक नया अध्याय जुड़ गया है। वार्ड क्रमांक 14 स्थित श्रीकृष्ण गौशाला में च्काऊ केचर मशीनज्ज का विधिवत शुभारंभ किया गया। बताया गया कि यह मशीन अस्वस्थ एवं वृद्ध गौमाता को सुरक्षित रूप से उठाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। गौसेवा के इस पुण्य कार्य के लिए समस्त गौभक्तों और नगरवासियों ने साधुवाद जताया है। बताया गया है कि भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से गौशाला का यह सेवा कार्य यूं ही आगे बढ़ता रहेगा।

त्रुटिसुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सविता पिता छतर सिंह धुर्वे निवासी ग्राम समैया रमपुरी थाना व तह. निवास जिला मण्डला की मूल निवासी हूॅ। मेरा जन्म ग्राम समैया रमपुरी में हुआ है और मेरी जन्मतिथि 13.07.1984 है जो कि सही एवं सत्य है मेरे माता पिता के द्वारा भूलवश जन्म समय पर पंजीयन कराते समय मेरा नाम सविता धुर्वे लिखाया गया है। जो गलत है मेरा सही नाम सविता है इसी नाम से मेरा आधार कार्ड, वोटर आईडी एवं अन्य दस्तावेज है जिसमें मेरा नाम सविता लिखा। अब मुझे जन्म प्रमाण पत्र में सुधार कराना है जिसके लिए मैं शपथ पत्र प्रस्तुत कर रही हूं मेरा सही नाम सविता है और मेरी माता का नाम लमिया बाई है।

शपथकर्ता
सविता
पिता :- छतर सिंह धुर्वे
निवासी ग्राम समैयारमपुरी
तहसील निवास जिला मंडला

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं जनक सिंह JANAK SINGH ग्राम पीपर पानी थाना तहसील निवास जिला मण्डला का निवासी हूं। आदर्श हिन्दी अंग्रेजी विद्यालय देवदरा मण्डला में अपनी दोनो बच्चियों के प्रवेश के समय अपने स्वयं का नाम त्रुटिवस जनक वायाम JANAK VAYAM लिखा गया था जिसके तहत प्रवेश अभिलेखों में यही दर्ज हो गया है जबकि मेरा वास्तविक सही नाम जनक सिंह JANAK SINGH है जो कि मेरे सभी दस्तावेजों जैसे-आधार कार्ड, पेन कार्ड, वोटर कार्ड एवं अन्य अभिलेखों में दर्ज अंकित है अतः मैं यह घोषणा करता हूँ कि जनक सिंह JANAK SINGH एवं जनक वायाम JANAK VAYAM एक ही व्यक्ति के नाम है दोनों नाम मेरे ही है। लेकिन मेरा सही नाम जनक सिंह JANAK SINGH है इसी नाम से मुझे जाना व पहचाना जाता है। इस बात की मैं शपथ करता हूं।

शपथकर्ता
जनक सिंह JANAK SINGH
निवासी ग्राम पीपरपानी
तहसील निवास, जिला मंडला

संपादकीय

समझौता संभव नहीं!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान चाहते क्या हैं? वे युद्ध को समाप्त करने के पक्षधर हैं अथवा युद्धविराम का ढोंग करते रहना चाहते हैं? दुनिया की पतली आर्थिक स्थितियों और ऊर्जा-खाद्य संकट के कोहराम के लिए दोनों ही देश जिम्मेदार हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने पोस्ट लिखी है, जिसके भाषायी मायने साफ हैं कि उन्होंने मान लिया है कि ईरान मानने लायक नहीं है, लिहाजा अब सेना के जरिए काम पूरा करना पड़ेगा। यदि ऐसा करना पड़ा, तो ईरान का वजूद ही खत्म हो जाएगा। पलटबयान में ईरान भी कम नहीं है। उसके प्रवक्ता भी खूब धमकियां देते हैं। अप्रत्याशित हथियारों की बात करते हैं। समझौते के सहमति-पत्र पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने दस्तखत किए थे। उसकी अपनी राष्ट्रीय और द्विपक्षीय महत्ता और गरिमा होती है, लेकिन ईरान में कट्टरपंथियों और आईआरजीसी का एक तबका ऐसा है, जो युद्ध खत्म करने के खिलाफ है। और कितना बर्बाद, खंडहर होना चाहता है ईरान? उसकी 40 फीसदी से ज्यादा आबादी गरीबी-रेखा के तले जीने को विवश है। मुद्रास्फीति 65-70 फीसदी के करीब है, लिहाजा ब्रेड, मांस, खाने-पीने की आम चीजों की कीमतें 140 फीसदी तक उछल गई हैं। अर्थव्यवस्था में 8.8 से 10 फीसदी तक की गिरावट संभावित है। यह आकलन आईएमएफ का है। ईरानी मुद्रा 'रियाल' का ऐसा ऐतिहासिक पतन हुआ है, लिहाजा लोग किश्तों पर 'रोटी' खाने को विवश हैं। युद्ध में ईरान का नुकसान करीब 270 अरब डॉलर आंका गया है, जो उसकी जीडीपी के 57 फीसदी के बराबर है। और कितना दरिद्र होगा ईरान? ताजा हालात ये हैं कि अमरीकी सेना ने ईरान के 10 मिसाइल और ड्रोन के ठिकानों पर हमले किए। उसने ईरान के रडार और सर्विलांस सिस्टम को तबाह कर दिया। पलटवार में ईरान ने कुवैत के अमरीकी वायुसेना बेस और बहरीन के अमरीकी नौसेना के 5वें बेड़े पर मिसाइल हमले कर उन्हें तबाह कर दिया। ईरान ने कतर में भी हमले किए, लेकिन इस बार सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को नहीं छुआ। शायद कोई 'मोटी डील' हो गई होगी! ईरान ने हुंकार भरी है कि होर्मुज पर उसका ही कब्जा बरकरार रहेगा। जिस जहाज, टैंकर ने उसके निर्देश नहीं माने, तो उन पर हमला कर नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। यह समझौते और युद्धविराम की कौन-सी भाषा है? इन हमलों और जंगी परिस्थितियों से स्पष्ट है कि अमरीका-ईरान के दरमियान एक ठोस, स्थायी समझौता संभव नहीं है। दोनों की मानसिकता ही समझौते की नहीं है, बल्कि वे अब भी कट्टर दुश्मन की तरह व्यवहार कर रहे हैं। दोनों के बीच जिस तरह हमले बोले जा रहे हैं, वे कोई सामान्य, छुटपुट टकराव नहीं हैं, संपूर्ण युद्ध के आक्रमण हैं। शायद इस युद्ध से अमरीकी अर्थव्यवस्था और सप्लाई चेन पर उतना असर न पड़े, लेकिन युद्ध के दौरान उसके भी 14 सैनिक मारे गए और 300 से अधिक घायल हुए। यह पेंटागन की ही रपट है कि 42 मानवरहित विमान, ड्रोन, लड़ाकू विमान नष्ट हुए या क्षतिग्रस्त हुए। यदि युद्ध के संदर्भ में भारत का आकलन करें, तो ईरान युद्ध से भारत को करीब 2 लाख करोड़ रुपए का व्यापक आर्थिक और राजकोषीय झटका लगा है। युद्ध और आयात बिल बढ़ने से विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 11.68 अरब डॉलर कम हुआ है। भारत की औसत विकास दर भी 1 फीसदी कम हो सकती है। युद्ध के तनाव और हमलों के कारण करीब 13 लाख भारतीय प्रवासी खाड़ी देश छोड़ कर स्वदेश लौट आए हैं। उनके रोजगार का अब क्या होगा? बहरहाल यह युद्ध खत्म होना ही चाहिए।

आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि सामूहिक उत्तरदायित्व की है

दिल्लीः वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यतः पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है- भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा।

दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए। इन सबके लिए खेत समाप्त हो रहे हैं, जंगल कट रहे हैं और जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण केवल हवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल, मिट्टी और जैव विविधता भी प्रभावित हो रही है। विकास की यह दिशा अंततः मानव जीवन के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती है। दिल्ली में निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो सकी कि लोग निजी वाहनों का त्याग करें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना स्वागतयोग्य है, किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि बिजली यदि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से आएगी तो प्रदूषण केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित परिवहन को समानांतर गति से बढ़ाना आवश्यक है।

ओजोन प्रदूषण केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि ओजोन फसलों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित कर उत्पादन घटा देती है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और बढ़ती गर्मी पहले ही किसानों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं, ओजोन प्रदूषण कृषि संकट को और गहरा कर सकता है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी रणनीति का विस्तार किया जाए। केवल पार्टिकुलेट मैटर पर ध्यान देने के बजाय ओजोन जैसे द्वितीयक प्रदूषकों की निगरानी, वैज्ञानिक अध्ययन और नियंत्रण पर भी समान बल देना होगा। वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र को अधिक व्यापक, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा।

समस्या के समाधान में नागरिकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, खुले में ईंधन जलाना, प्लास्टिक और औद्योगिक कचरे का अनुचित निस्तारण जैसी आदतों में परिवर्तन लाना होगा। अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, साइकिल और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और पारंपरिक जलस्रोतों का पुनर्जीवन भी प्रदूषण नियंत्रण की प्रभावी रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। वायु प्रदूषण केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट भी है। बढ़ती बीमारियाँ स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ डालती हैं, कार्यक्षमता घटाती हैं और करोड़ों रुपये की आर्थिक हानि का कारण बनती हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि प्रदूषण बच्चों और युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसका कहीं अधिक गंभीर मूल्य चुकाना पड़ेगा।

दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम स्वागतयोग्य हैं और उनसे सकारात्मक परिणामों की आशा की जा सकती है, किंतु यह तभी संभव होगा जब केंद्र, राज्य, स्थानीय निकाय, उद्योग, वैज्ञानिक समुदाय और नागरिक समाज मिलकर समन्वित प्रयास करें। प्रदूषण किसी एक सरकार, एक मौसम या एक कारण की समस्या नहीं है। यह हमारे विकास मॉडल, जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण का परिणाम है।

आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीति और सामूहिक उत्तरदायित्व की है। यदि हम स्वच्छ हवा चाहते हैं तो केवल प्रदूषण कम करने की योजनाएँ नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित विकास की नई संस्कृति विकसित करनी होगी। अन्यथा ओजोन जैसी अदृश्य गैसें हमारे शहरों को धीरे-धीरे बीमार करती रहेंगी और विकास का यह मॉडल स्वयं मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा संकट बन जाएगा।

मोदी-पेजेश्कियान वार्ता

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति श्री मसूद पेजेश्कियान से फोन पर बातचीत करके साफ कर दिया है कि दोनों देशों के बीच के प्रचीन, ऐतिहासिक व सांस्कृतिक सम्बन्धों की जीवन्तता को छिटपुट अवरोध कमजोर नहीं कर सकते हैं। नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास ने इस बातचीत को बहुत ही सौहार्दपूर्ण व दोनों देशों के आपसी सम्बन्धों के लिए स्फूर्तिदायक माना है और कहा है कि श्री मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता स्व. आयतुल्ला खामेनेई व अन्य ईरानी उच्च अधिकारियों व नेताओं की मृत्यु पर भी गहरी शोक संवेदना प्रकट की और ईरानी सरकार व इसके लोगों के प्रति सहानुभूति प्रकट की। ईरान द्वारा अमेरिका के साथ युद्ध विराम समझौता किये जाने के बाद श्री मोदी की यह ईरानी नेताओं के साथ पहली बातचीत थी। श्री मोदी ने इस वार्तालाप में उम्मीद जाहिर की कि समझौते से पश्चिम एशिया के क्षेत्र में दीर्घकालिक शान्ति का मार्ग प्रशस्त होगा और फारस की खाड़ी में स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री मार्ग के खुलने से विश्व के विभिन्न देशों के बीच व्यापार सुगम बनेगा। श्री खामेनेई की शहादत विगत 28 फरवरी को ईरान व अमेरिकाङ्क इजराइल के बीच युद्ध छिड़ने के अगले दिन ही हो गई थी। इसके साथ ही श्री मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियान को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स देशों के राष्ट्रध्यक्षों के शिखर सम्मेलन में पधारने का भी न्यौता दिया।

ब्रिक्स के विदेश मन्त्रियों का सम्मेलन नई दिल्ली में पिछले महीने हुआ था जिसमें ईरानी विदेश मन्त्री भाग लेने आये थे। ईरान ने भी श्री मोदी को अपने सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह खामेनेई के अन्तिम संस्कार में भाग लेने के लिए आमन्त्रित किया था। यह संस्कार आगामी 9 जुलाई को होना है मगर उन दिनों प्रधानमन्त्री का कुछ अन्य देशों के दौरे का कार्यक्रम पूर्व निर्धारित है अतः उन्होंने साफ किया कि संस्कार में भाग लेने के लिए भारत से एक प्रतिनि?धमंडल ईरान जायेगा। बताया जा रहा है कि इसमें बिहार के राज्यपाल सैयद अता हुसनेन व विदेश राज्य मन्त्री शामिल होंगे क्योंकि विदेश मन्त्री श्री एस. जयशंकर प्रधानमन्त्री के साथ विदेश दौरे पर होंगे। ईरान व अमेरिका-इजराइल युद्ध छिड़ने के बाद से ही भारत का रुख रहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री मार्ग को बन्द नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह विश्व अर्थव्यवस्था का बहुत बड़ा व्यापारिक मार्ग है और भारत की ऊर्जा सप्लाई इसी मार्ग पर निर्भर करती है। अतः श्री मोदी ने श्री पेजेश्कियान के साथ वार्ता में भारत का पक्ष खुल कर रखा और भविष्य में भारत-ईरान के बीच के व्यापारिक सम्बन्धों को भी केन्द्र में रखने की कोशिश की। इससे भारत में श्री मोदी के उन आलोचकों को बगलें झांकनी पड़ सकती हैं जो ईरान के प्रति भारत की नीति को लेकर विभिन्न प्रकार के आरोप लगा रहे थे।

भारत पारंपरिक रूप से ईरान से कच्चा तेल खरीदता रहा है। एक समय में यह अपने कुल आयातित कच्चे तेल का 30 प्रतिशत हिस्सा ईरान से खरीदता था परन्तु विश्व भू-राजनैतिक परिस्थितियों में बदलाव आने की वजह से इसने 2019 से ईरानी तेल लेना बन्द कर दिया था। भारत ईरान से जो तेल खरीदता था उसका भुगतान भी वह भारतीय रुपये में ही करता था। अब ईरान व अमेरिका के बीच समझौता होने के बाद यदि पश्चिम एशिया में चिर स्थायी शान्ति का वातावरण बनता है तो भारत के साथ इसके व्यापार करने के नये विकल्प खुल सकते हैं।

श्री पेजेश्कियान से फोन पर वार्ता के बाद प्रधाननमन्त्री श्री मोदी ने अपने एक्स पोस्ट पर जानकारी दी कि उनकी राष्ट्रपति पेजेश्कियान से पश्चिम एशिया के ताजा हालात के बारे में बातचीत हुई। उन्होंने शान्ति बातचीत के बारे में हुई प्रगति का स्वागत करते हुए कहा कि इस दिशा में किये जा रहे लगातार प्रयासों से क्षेत्र में स्थायी शान्ति स्थापित होगी। इसमें उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री मार्ग की महत्ता का भी जिक्र किया। हालांकि ईरान व अमेरिका के बीच समझौता हो जाने के बाद होर्मुज मार्ग से भारत के मालवाहक जहाज आ-जा रहे हैं परन्तु खाड़ी में अभी भी भारत के एक दर्जन के लगभग जहाज खड़े हुए देखे गये हैं।

श्री मोदी ने भारत का वह पक्ष भी साफगोई के साथ रखा जिसके लिए भारत जाना जाता है। उन्होंने कहा कि भारत मानता है कि किसी भी समस्या का अन्तिम हल केवल कूटनीतिक रास्तों व बातचीत से ही निकल सकता है। ईरानी सूचनाओं के अनुसार राष्टपति पेजेश्कियान ने युद्ध काल के दौरान भारत के सकारात्मक व रचनात्मक रुख की भी प्रशंसा की और शान्ति बहाल करने के प्रयासों में व्यक्तिगत रूप से श्री मोदी की भूमिका को सराहा। अतः अब यह स्पष्ट होना चाहिए कि भारत व ईऱान के बीच के सम्बन्धों का प्रवाह अनवरत रूप से जारी रहेगा और दोनों देश एक- दूसरे के हितपूरक बनते हुए कूटनीतिक मार्ग से स्थायी शान्ति की ओर बढ़ने की कोशिशों को अपना समर्थन देंगे। इसके साथ ईरान भारत की उस ताकत को भी पहचान रहा है जो उसके विभिन्न बहुदेशीय संगठनों का सक्रिय हिस्सा बनने की वजह से बनी है।

झुमकों का जादू और उनके दुश्मन

प्रतुल श्रीवास्तव

हास्य व्यंग्य

जब झुमकों का जिक्र होता है तो महिलाओं के सौंदर्य में चार चांद लगाते उनके कानों में लटकते- झूलते, मचलते झुमकों के साथ - साथ न जाने कितनी झुमकाधारी महिलाओं के चेहरे आँखों के सामने आ जाते हैं, झुमकों पर बने गीत और उन पर इठलाती हीरोइनें स्मृति में उभर आती हैं । वह गाना तो आपको याद ही होगा - ढूंढो ढूंढो रे बलमा, ढूंढो रे सजना मेरे कान का बाला। बाला गुम जाने से कितनी परेशान थी फिल्म गंगा जमुना की हीरोइन। ...और वह गाना कान में झुमका, चाल में ठुमका। मैं समझता हूं कि कान में झुमका पहनने के बाद चाल में ठुमका शायद इसलिए लगाना पड़ता है कि ठुमके के कारण झुमका हिले और देखने - चाहने वालों के दिलों की धड़कने बढ़े । यों तो अब सभी जगह अच्छे झुमके मिलने लगे हैं किन्तु पहले बरेली के झुमके बहुत प्रसिद्ध थे -झुमका बरेली वाला कानों में ऐसा डाला झुमके ने ले ली मेरी जान, हाय रे मैं तेरे कुर्बान । यहां झुमके की ताकत समझिये और अपनी प्रिया को झुमके की सरप्राइज गिफ्ट देने की योजना बनाइये, निःसंदेह आपको मनचाहा फल मिलेगा । अभी हाल ही में इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी ने भी भारतीय परम्परा वाले झुमके पहिन कर पूरी दुनिया में झुमकों का हल्ला बोल दिया है । मुझे नहीं मालुम कि मेलोनी जी को झुमके पहनने के लिए किसने प्रेरित किया अथवा उन्हें ये झुमके किसने भेंट किये ? आप चाहें तो भेंटकर्ता का अनुमान लगा सकते हैं, हो सकता है कि आपका अनुमान सही हो। बरेली शहर में बना झुमका चौराहा और वहाँ स्थापित विशाल झुमका इस बात का प्रमाण है कि हमारे देश में झुमके और झुमके पहनने वालियों का कितना सम्मान है । मैंने तो जब से इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी की झुमके वाली फोटो देखी है तब से उनके प्रति मेरी श्रद्धा बढ़ गई है, वे मुझे जरा ज्यादा ही अपनी सी लगने लगी हैं । मेलोनी जी से मेरा आग्रह है कि वे जब भी भारत आएं झुमके पहिन कर ही आएं और बरेली का झुमका चौराहा घूमने अवश्य जाएं, किंतु सतर्क रहें न जाने कौन सा श्राप है कि बरेली के बाजार में महिलाओं के झुमके गिर जाया करते हैं । उल्लेखनीय है कि भारत का साहित्य झुमकों से भरा पड़ा है । झुमकों पर शायरों ने खुलकर लिखा है -

मुसीबत है ये तेरा झुमका जो तेरे गालों पर झूल गया,
कहने आया था मैं दिल की, बात और मैं भूल गया ।
तेरे कानों का झुमका देख दिल जलता है,
मुझसे बेहतर तेरा झुमका है जो गालों को चूम जाता है ।

इश्क की महाभारत में
झुमका किसी ब्रम्हास्त्र से कम नहीं ..।
जुल्फें सिर्फ बाईं तरफ न रखो,
दायां झुमका खुद को महफूज नहीं समझता ।

भाइयो अब तो आप महिलाओं से झुमकों का रिश्ता समझ ही गए होंगे । दुख की बात है कि पुलिस की सतर्कता के बाद भी टुच्चे लुटेरों द्वारा सड़क पर महिलाओं के गले से चेन खींच कर भागने की घटनाओं में तो कोई कमी नहीं आई, हां अब मोटर साइकल सवार लुटेरे महिलाओं के झुमके भी खींच कर भागने लगे हैं । इससे महिलाओं का आर्थिक नुकसान तो हो ही रहा है, कान फटने से वे लहूलुहान भी हो रही हैं । कहीं ऐसा न हो कि लूट के डर से भयभीत महिलाएं झुमके पहनना ही छोड़ दें । इससे नारी के सौंदर्य की हानि के साथ साथ झुमका साहित्य की समृद्धि भी प्रभावित होगी । लूटेरों से आग्रह है कि झुमकों पर हाथ न डालें ।

दूसरी राजधानी : जबलपुर का अधिकार ही नहीं, मध्यप्रदेश की आवश्यकता भी है

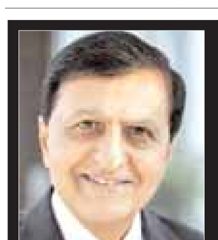

पवन शर्मा
अध्यक्ष
आर्ट वेद कल्चरल एंड स्पोर्ट्स सोसायटी

किसी भी बड़े राज्य की सफलता केवल उसके बजट, संसाधनों या जनसंख्या से तय नहीं होती। उसकी वास्तविक ताकत इस बात में होती है कि उसका विकास कितना संतुलित है और उसकी शासन व्यवस्था जनता के कितनी निकट है। आज मध्यप्रदेश एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ उसे अपने विकास की दिशा पर पुनर्विचार करना होगा। क्या एक विशाल भौगोलिक राज्य का प्रशासन केवल एक राजधानी से प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकता है? क्या राज्य के पूर्वी, दक्षिण-पूर्वी और महाकौशल क्षेत्र के लाखों नागरिकों को हर महत्वपूर्ण प्रशासनिक आवश्यकता के लिए सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा करना ही नियति बनी रहे? यह प्रश्न केवल जबलपुर का नहीं है। यह पूरे मध्यप्रदेश के भविष्य का प्रश्न है। इसीलिए आज जब जबलपुर को दूसरी राजधानी बनाने की चर्चा हो रही है, तो इसे किसी क्षेत्रीय आग्रह, राजनीतिक महत्वाकांक्षा या भावनात्मक आंदोलन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसे मध्यप्रदेश के संतुलित विकास के अगले चरण के रूप में देखा जाना चाहिए।

विकास का संतुलन ही भविष्य की पहचान है- पिछले तीन दशकों में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। भोपाल ने राजनीतिक और प्रशासनिक नेतृत्व को मजबूत किया, जबकि इंदौर आर्थिक गतिविधियों, उद्योग, व्यापार, शिक्षा और निवेश का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा। यह पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है।

किन्तु किसी भी राज्य का विकास तब तक पूर्ण नहीं माना जा सकता, जब तक उसका प्रत्येक क्षेत्र समान अवसरों से जुड़ा न हो। महाकौशल, विंध्य, बुंदेलखंड और पूर्वी मध्यप्रदेश की विशाल आबादी आज भी प्रशासनिक दूरी, सीमित निवेश और अपेक्षाकृत कम संस्थागत विकास का अनुभव करती है। यह किसी शहर की विफलता नहीं, बल्कि एक अत्यधिक केंद्रीकृत विकास मॉडल का परिणाम है। अब समय है कि मध्यप्रदेश अपने विकास का दूसरा शक्ति केन्द्र विकसित करे। और यदि कोई शहर इसके लिए सबसे स्वाभाविक, सक्षम और ऐतिहासिक रूप से उपयुक्त है, तो वह जबलपुर है।

यह माँग भावनाओं से अधिक तर्क पर आधारित है- जबलपुर किसी कृपा का इच्छुक नहीं है। वह अपनी ऐतिहासिक प्रतिष्ठा का स्मरण अवश्य कराता है, परन्तु उसकी सबसे बड़ी ताकत उसका वर्तमान और उसकी क्षमता है।

राज्य का उच्च न्यायालय।
देश की महत्वपूर्ण सैन्य उपस्थिति।
रक्षा प्रतिष्ठानों की गौरवशाली परंपरा।
रेलवे का ऐतिहासिक महत्व।
उच्च शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थान।
महाकौशल क्षेत्र का स्वाभाविक प्रशासनिक केन्द्र। भौगोलिक दृष्टि से मध्यप्रदेश के पूर्वी और मध्य भागों को जोड़ने वाली रणनीतिक स्थिति। ये सभी किसी भी दूसरे प्रशासनिक शक्ति केन्द्र के लिए आवश्यक आधार हैं।

वह जबलपुर जिसे हमने देखा था...आज की युवा पीढ़ी शायद विश्वास भी न करे कि एक समय ऐसा था जब जबलपुर को मध्य भारत का सबसे सुसंस्कृत, अनुशासित और बौद्धिक शहर माना जाता था। 1950 और 1960 के दशक का जबलपुर केवल एक शहर नहीं था-वह जीवन शैली था। चौड़ी वृक्षों से आच्छादित सड़कें। ब्रिटिश शैली की सुव्यवस्थित नगर योजना। उच्च नागरिक शिष्टाचार। साहित्यिक और सांस्कृतिक वातावरण। देश के श्रेष्ठ विद्यालय। प्रतिष्ठित महाविद्यालय।

न्यायाधीशों, सेना के वरिष्ठ अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, प्रोफेसरों, वैज्ञानिकों और बुद्धिजीवियों से निर्मित एक ऐसा समाज जिसने पूरे मध्य भारत की पहचान गढ़ी। उस समय जबलपुर में केवल इमारतें नहीं थीं। एक विचार था। एक गरिमा थी। एक सांस्कृतिक आत्मविश्वास था। फिर यह शहर पीछे क्यों दिखाई देने लगा? प्रतिभा की कमी नहीं थी। संसाधनों की कमी नहीं थी। भौगोलिक महत्व कम नहीं हुआ। कम हुआ तो केवल निवेश। कम हुई तो उद्योगों की स्थापना। कम हुआ तो राजनीतिक ध्यान। और सबसे अधिक क्षति हुई प्रतिभा के पलायन से। जबलपुर का युवा डॉक्टर बनकर बाहर चला गया। इंजीनियर बाहर चला गया। वैज्ञानिक बाहर चला गया। उद्यमी बाहर चला गया। हजारों मेधावी छात्र आज भी अपने सपनों को पूरा करने के लिए शहर छोड़ने को मजबूर हैं। यह केवल ब्रेन ड्रेन नहीं है। यह किसी शहर की भविष्य निर्माण क्षमता का धीरे-धीरे क्षीण होना है।

हमारी सबसे बड़ी कमी- यदि ईमानदारी से आत्ममंथन करें, तो सबसे बड़ी कमी संसाधनों की नहीं रही। हमारी सबसे बड़ी कमजोरी रह सामूहिक आवाज़ का अभाव। व्यापारी अलग सोचते रहे। उद्योगपति अलग। शिक्षाविद् अलग। राजनीतिक दल अलग।सामाजिक संगठन अलग। हर किसी ने अपने स्तर पर प्रयास किए, परन्तु शहर की आवाज़ कभी एक स्वर नहीं बन सकी। इतिहास गवाह है कि जिन शहरों ने अपने भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प लिया, वही आगे बढ़े। दूसरी राजधानी से बदलेगा क्या? कुछ लोग इसे केवल एक सरकारी घोषणा मानते हैं। वास्तव में इसका अर्थ इससे कहीं अधिक है।

जहाँ शासन जाता है, वहाँ निवेश पहुँचता है। जहाँ निवेश पहुँचता है, वहाँ उद्योग आते हैं। जहाँ उद्योग आते हैं, वहाँ रोजगार पैदा होते हैं। जहाँ रोजगार होते हैं, वहाँ युवा रुकते हैं। जहाँ युवा रुकते हैं, वहाँ शहर जीवित रहते हैं।

दूसरी राजधानी का अर्थ होगा— बेहतर हवाई संपर्क। राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं का विस्तार। निजी निवेश में वृद्धि। होटल, स्वास्थ्य, शिक्षा और सेवा क्षेत्र का तीव्र विकास। नए औद्योगिक अवसर। बेहतर अधोसंरचना। और सबसे बड़ी बात-महाकौशल क्षेत्र के करोड़ों नागरिकों को प्रशासन अपने अधिक निकट महसूस होगा। यह किसी शहर के विरुद्ध नहीं. यह भोपाल के विरुद्ध नहीं है। यह इंदौर के विरुद्ध नहीं है। भोपाल ने अपनी भूमिका उत्कृष्ट ढंग से निभाई है। इंदौर ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। अब आवश्यकता प्रतिस्पर्धा की नहीं, सहभागिता की है। यदि इंदौर आर्थिक राजधानी है... भोपाल राजनीतिक राजधानी है... तो जबलपुर प्रशासनिक, न्यायिक और सामरिक शक्ति केन्द्र बनने की पूरी क्षमता रखता है। मजबूत राज्य वही होता है जिसके अनेक मजबूत केन्द्र हों। अब निर्णय भविष्य का होना चाहिए हम बार-बार अतीत की चर्चा कर सकते हैं।

हम इतिहास की गलतियों पर बहस कर सकते हैं। किन्तु इतिहास बदला नहीं जा सकता। भविष्य अवश्य बनाया जा सकता है। आज आवश्यकता किसी आंदोलन से पहले एक विचार आंदोलन की है।जबलपुर के नागरिक, उद्योगपति, शिक्षाविद्, अधिवक्ता, चिकित्सक, पूर्व सैनिक, सामाजिक संगठन, जनप्रतिनिधि और युवा-यदि सब एक स्वर में मध्यप्रदेश के संतुलित विकास की बात करेंगे, तो यह माँग केवल जबलपुर की नहीं रहेगी। यह पूरे प्रदेश की आवाज़ बन जाएगी।

क्योंकि प्रश्न केवल इतना नहीं है कि जबलपुर दूसरी राजधानी क्यों बने।

वास्तविक प्रश्न यह है— क्या मध्यप्रदेश आने वाले पचास वर्षों तक केवल एक प्रशासनिक शक्ति केन्द्र के सहारे अपनी पूरी क्षमता प्राप्त कर सकता है? यदि उत्तर नहीं है, तो समाधान भी स्पष्ट है। मध्यप्रदेश को अपना दूसरा शक्ति केन्द्र विकसित करना ही होगा। और यदि किसी शहर के पास इतिहास, न्यायपालिका, सैन्य विरासत, शिक्षा, प्रशासनिक अनुभव, भौगोलिक संतुलन और भविष्य की संभावनाएँ-ये सभी एक साथ हैं, तो वह केवल जबलपुर है। दूसरी राजधानी की माँग किसी क्षेत्र का आग्रह नहीं है। यह मध्यप्रदेश के संतुलित, दूरदर्शी और समावेशी विकास की आवश्यकता है। और शायद समय आ गया है कि पूरा प्रदेश इस आवश्यकता को पहचाने।

संयुक्त राष्ट्र में भारत का पाकिस्तान को सख्त संदेश

आतंकवादी सिर्फ आतंकवादी, उसे सही ठहराने का कोई बहाना नहीं

संयुक्त राष्ट्र

भारत ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर आतंकवाद के खिलाफ अपने कड़े रुख और जीरो टॉलरेंस नीति को सख्ती के साथ दोहराया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि हरीश पर्वथानेनी ने दुनिया के देशों से अपील की है कि वे आतंकवाद की खूनी सोच को जड़ से खत्म करने के लिए एक साथ मिलकर काम करें। पर्वथानेनी ने साफ और सख्त शब्दों में कहा कि किसी भी शियाकत या वजह के नाम पर आतंकवाद को सही नहीं ठहराया जा सकता है।

वैश्विक मंच पर आतंकवाद के मुद्दे पर दो टूक अंदाज में भारत ने कहा कि आतंकवाद के मामले में दुनिया को दोहरे मापदंड बंद करने होंगे। कोई भी आतंकवादी अच्छा या बुरा नहीं होता, आतंकवादी सिर्फ आतंकवादी होता है। आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले, उन्हें पैसा देने वाले और पनाह देने वाले देशों को कानून के कठघरे में खड़ा करना बेहद जरूरी है।

हमारे देश ने अपनों को खोया- पर्वथनेनी

राजदूत हरीश पर्वथानेनी ने आगे कहा कि भारत दशकों से सीमा पार से होने वाले आतंकवाद का शिकार रहा है। हमारे देश ने अपनों को खोया है, परिवार तबाह हुए हैं और समाज को भारी नुकसान पहुंचा है। इसी दर्द की

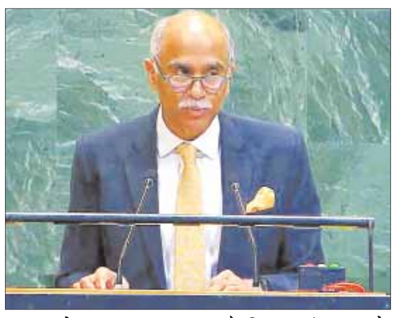

वजह से भारत का मानना है कि आतंकवाद के पक्ष में कोई दलील नहीं दी जा सकती। उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि हमें आतंकवाद फैलने के कारणों पर ध्यान देना चाहिए, लेकिन किसी भी परिस्थिति को आतंकवाद का बहाना नहीं बनाया जा सकता। सबसे बड़ा मानवाधिकार जीने का अधिकार है और आतंकवाद इसी अधिकार पर सबसे बड़ा हमला है।

आतंकवाद की फंडिंग रोकने पर जोर

भारत ने जोर देकर कहा कि आतंकवादियों तक पहुंचने वाले पैसे को रोकना सबसे जरूरी है। इसके लिए दुनिया के देशों को आपस में वित्तीय खुफिया जानकारी साझा करनी चाहिए और फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स के नियमों को सख्ती से लागू करना चाहिए, ताकि आतंकवादियों को पैसा न मिल सके।

नई टेक्नोलॉजी का हो रहा गलत इस्तेमाल

भारत ने इस बात पर चिंता जताई कि आतंकवादी अब नई तकनीकों का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की समीक्षा बैठक में इस बात पर कोई ठोस फैसला न हो पाना कि आतंकवादियों को तकनीकी हथियारों से कैसे दूर रखा जाए, काफी निराशाजनक है। भारत ने साफ किया कि वह किसी भी धर्म, जाति या नस्ल के खिलाफ होने वाली नफरत की कड़ी निंदा करता है। भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को सिर्फ इस्लाम फोबिया, क्रिश्चियन फोबिया या यहूदी विरोधी नफरत तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अन्य सभी धर्मों के खिलाफ होने वाली नफरत को भी स्वीकार करना और रोकना चाहिए।

30 साल की देरी अब और नहीं

गौरतलब है कि भारत ने करीब 30 साल पहले अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर एक वैश्विक कानून बनाने का प्रस्ताव दिया था, जो आज तक अटका हुआ है। ऐसे में भारत ने कहा कि इस कानूनी ढांचे के न होने से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई कमजोर पड़ रही है। इस बात पर जोर दिया गया कि अब समय आ गया है कि दुनिया के देश अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाएं और इस कानून को पास करें, ताकि आतंकवादियों को छिपने की जगह, पैसा और हथियार न मिल सकें।

वेनेजुएला में सात दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा

कराकास, (वार्ता)। वेनेजुएला में आये दो शक्तिशाली भूकंपों से मची तबाही में मृतकों की संख्या बढ़कर 2,295 हो गयी है। इस बीच, अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने देश में सात दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। भूकंप की त्रासदी को एक सप्ताह पूरा होने पर सुश्री रोड्रिगेज कहा कि मानव जीवन की भारी क्षति से पूरे देश की आत्मा आहत हुई है। हजारों लोग अब भी लापता हैं और प्रभावित क्षेत्रों में भोजन सहित आवश्यक वस्तुओं का गंभीर संकट बना हुआ है। राजधानी कराकास के उत्तर में स्थित सबसे अधिक प्रभावित शहर ला गुआइरा में ढही अधिकांश इमारतों पर डी का निशान लगाया गया है, जिससे संकेत मिलता है कि वहां तलाश अभियान पूरा हो चुका है और किसी जीवित व्यक्ति के मिलने की संभावना नहीं है। स्पेन के बचाव दल के समन्वयक हावियर रोडेस ने कहा कि जहां किसी के जीवित मिलने की उम्मीद नहीं होती, वहां समय व्यर्थ नहीं किया जाता। उन्होंने बताया कि उनकी टीम और खोजी कुत्ते नाला ने मलबे में जीवन के संकेत तलाशने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इस सब के बीच मंगलवार को एक तीन वर्षीय बालक को भूकंप के छह दिन बाद जीवित निकाला गया।

रूस के भीषण हमले से दहला कीव, नौ मंजिला इमारत ढही, मलबे में दबे लोग

कीव/मॉस्को

पिछले चार साल से यादा समय से रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। संघर्षों से घिरी दुनिया में जहां एक ओर कई देशों के बीच युद्ध शुरू हुए और फिर बात शांति स्थापना तक पहुंची। वहीं दूसरी ओर रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में शांति समझौते की स्थिति या फिर संघर्षविराम की पहल दूर-दूर तक नहीं दिख रही है। इसी क्रम में स्थिति और यादा गंभीर तब हो गई, जब गुरुवार तड़के रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइलों और सुसाइड ड्रोन से अब तक का सबसे बड़ा हमला किया। इस हमले ने यूक्रेन की राजधानी कीव को पूरी तरह से दहला दिया। जानकारी के अनुसार इस हमले में अबतक आठ लोगों की मौत हो गई और 39 लोगों घायल हो गए।

बता दें कि बुधवार देर रात कीव में हवाई हमले के सायरन बजने लगे। इसके कुछ ही देर बाद रूस की तरफ से खतरनाक बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन बरसने लगे। कीव के डेस्न्यान्स्की इलाके में एक 9 मंजिला रिहायशी इमारत पर सीधी मिसाइल गिरी, जिससे उसका एक हिस्सा ढह गया। मलबे में कई लोग फंस गए, जिन्हें निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। शहर के बीचों-बीच स्थित एक होटल की छत और कई अपार्टमेंट्स में भीषण आग लग गई। हालांकि हमले की पहले से चेतावनी होने के कारण, कीव के हजारों नागरिक अपने पालतू जानवरों और सोने के बैग के साथ जान बचाने के लिए जमीन के नीचे बने मेट्रो स्टेशनों में छिप गए। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को के अनुसार, इस हमले में कम से कम 11 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें 5 मेडिकल कर्मचारी शामिल हैं। दरअसल, रूस का यह गुस्सा यूक्रेन के उस बड़े पलटवार का नतीजा है जो उसने कुछ ही घंटे पहले रूस के अंदर घुसकर किया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि उनकी सेना ने रूस के भीतर तीन बड़े ठिकानों को तबाह किया। इसमें रूस के उफा में स्थित एक बहुत बड़ी तेल रिफाइनरी, पेन्जा इलाके में रूस का एक सैन्य परिसर (मिलिट्री कॉम्प्लेक्स) और मॉस्को क्षेत्र में रूस का एक सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेंटर शामिल था। जेलेंस्की ने साफ कहा कि पुतिन रुकना नहीं चाहते, इसलिए हमें रूस के सामने ऐसी परिस्थितियां खड़ी करनी होंगी कि उनके लिए युद्ध लड़ना असंभव हो जाए।

शक्ति का दुरुपयोग कर बंगाल में हिंसा का माहौल बना रही है भाजपा : अखिलेश

लखनऊ, (वार्ता)

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का माहौल बनाने और पुलिस के राजनीतिकरण का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी सत्ता और संस्थाओं का दुरुपयोग कर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर रही है, जिसका देश भर में नकारात्मक संदेश जा रहा है। श्री यादव ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा के इस नकारात्मक और प्रहारात्मक रवैये से पूरे देश की जनता में नाराजगी और आक्रोश है। भाजपा के अपने नेता और कार्यकर्ता भी इस तरह की हिंसक राजनीति से

असहज हैं और इसके खिलाफ हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं के मन में भी यह आशंका है कि जिन रायों में उनकी सरकार नहीं है, वहां यदि राजनीतिक हिंसा का सिलसिला शुरू हुआ तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में यदि भाजपा की सरकारें सत्ता से बाहर होती हैं तो उसके कार्यकर्ताओं को भी ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। भाजपा के शीर्ष नेता अपनी सुरक्षा व्यवस्था के कारण सुरक्षित रहेंगे, लेकिन आम कार्यकर्ताओं को सड़क पर जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को हिंसा की राजनीति से बचना चाहिए और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करना चाहिए। सपा अध्यक्ष ने मामले में न्यायपालिका और लोकसभा अध्यक्ष से तत्काल संज्ञान लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह रवैया लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा के मुद्दे को लेकर विभिन्न दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

योगी सरकार का दावा, 2017 के बाद मिली केंद्रीय योजनाओं को रफ्तार

लखनऊ, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने दावा किया है कि 2017 में डबल इंजन सरकार बनने के बाद केंद्र की योजनाओं को प्रदेश में रफ्तार मिली है। सरकार का दावा है कि 2017 से पहले राजनीतिक कारणों से केंद्रीय योजनाओं को लागू करने में रोड़े अटकाए जाते थे और मिलते-जुलते नाम रखकर जनता को भ्रमित किया जाता था।

सरकार ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2014 से 2017 तक पूर्ववर्ती सरकार 50 हजार आवास भी नहीं बना पाई थी। केंद्र को लाभार्थियों की सूची भेजने और रायांश देने में ढिलाई बरती गई जबकि पिछले नौ सालों में 62 लाख से अधिक परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराया गया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर सरकार ने कहा कि 2017 से पहले करीब तीन फीसदी किसानों का ही बीमा हो सका था वहीं नौ वर्षों में 79 लाख से अधिक किसानों को 6,283 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। स्वच्छ भारत मिशन पर दावा किया गया कि मार्च 2017 तक यूपी का ग्रामीण स्वच्छता दायरा महज 35था और एक भी जिला खुले में शौच से मुक्त घोषित नहीं हो सका था। 2017 के बाद 3.31 करोड़ से अधिक शौचालय बने और यूपी शत प्रतिशत ओडीएफ राय घोषित हुआ।

सरकार के मुताबिक पूर्व सरकार में 35-40 प्रतिशत परिवारों ने पहला सिलेंडर खत्म होने के बाद दूसरा नहीं भरवाया। योगी सरकार में 9 वर्षों में 1.86 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन दिए गए। अब होली और दीपावली पर दो सिलेंडर मुफ्त रिफिल किए जा रहे हैं।

फ्रांस में जानलेवा गर्मी के लिए अमेरिका जिम्मेदारः ऑंद्रे पुलवार

नई दिल्ली। एक तरफ पूरा यूरोप तपती गर्मी की मार झेल रहा है। सड़के पिघल रहीं, रेल सेवा ठप है। इंसानों से लेकर जानवरों पर इसका असर पड़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ एक अलग ही लड़ाई चल रही है। दरअसल पेरिस की डिप्टी मेयर ने फ्रांस की जानलेवा गर्मी के लिए अमेरिकी लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। पेरिस की डिप्टी मेयर ऑंद्रे पुलवार ने अमेरिकियों और एयर कंडीशनिंग के लिए उनके जुनून को जिम्मेदार ठहराया है। इस हफ्ते फ्रांस में 43 डिग्री सेल्सियस तापमान के बावजूद वहां एयर कंडीशनिंग की कमी पर अमेरिकी मीडिया में काफी मजाक उड़ाया गया। इसकेजवाब में पुलवार ने कहा कि अमेरिका ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में दुनिया में सबसे आगे है और जिसने दशकों तक

वातावरण को कार्बन बुफे की तरह इस्तेमाल किया है, वह ग्लोबल वार्मिंग के लिए काफी हद तक जिम्मेदार है। अमेरिका की वजह से ही फ्रांस में 1,300 से लोगों की मौतें हुईं हैं। पुलवार ने सोशल मीडिया पर लिखा, प्रिय अमेरिकी पत्रकारों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स आप में से कुछ लोग कई दिनों से पेरिस का मजाक उड़ा रहे हैं क्योंकि यहां हर कमरे में नहीं है। हे भगवान यह तो हद है! आपके शहर, जो 90 प्रतिशत एयर-कंडीशंड हैं, इस स्थिति से अछूते नहीं हैं। इसलिए प्लीज, अब बहुत हुआ ज्ञान देना। आप अपना का5 म करना शुरू करें।इस बयान पर वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिका का बचाव करते हुए पुलवार पर तंज कसा, पेरिस के नेताओं को शायद एयर कंडीशनिंग से सांस्कृतिक ऐतराज हो, लेकिन जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, यूरोप के वोटर जल्द ही यह तय कर सकते हैं कि ग्रीन होने के दिखावे से बेहतर है ठंडक पाना। लेकिन जहां फ्रांस और पश्चिमी यूरोप का यादातर हिस्सा कार के डैशबोर्ड पर रखे चीज की तरह पिघल रहा है, वहीं अमेरिका खुद 4 जुलाई का जश्न मनाने की तैयारी कर रहा है। वे ऐसे माहौल में रिकॉर्ड-तोड़ आतिशबाजी करने वाले हैं जो पहले से ही एक कन्वेक्शन ओवन जैसा गर्म हो रहा है। अमेरिका खुद पहले भी ऐसी स्थिति देख चुका है शिकागो में 1995 की हीटवेव में 700 से यादा लोगों की जान गई थी और 2021 में पैसिफिक नॉर्थवेस्ट में आए हीट डोम ने सैकड़ों लोगों की जान ले ली थी। पिछले जुलाई में, वाशिंगटन डीसी के पास रीगन नेशनल एयरपोर्ट पर तापमान 104°F तक पहुंच गया था, जो दशकों पहले बने रिकॉर्ड के बराबर था; इस वीकेंड उस रिकॉर्ड के टूटने की उम्मीद है, जिससे वर्ल्ड कप फुटबॉल मैच भी खतरे में पड़ सकते हैं।

अयोध्या चढ़ावा चोरी मामलों में विपक्ष को बोलने का नैतिक अधिकार नहीं : केशव मौर्य

प्रयागराज, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे में चोरी के मामले में कहा कि इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है और विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच कर रहा है। उन्होंने लोगों से जांच रिपोर्ट आने तक इंतजार करने की अपील करते हुए कहा कि विपक्ष को इस मुद्दे पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

प्रयागराज में पत्रकारों से बातचीत में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि चढ़ावा चोरी की घटना अत्यंत पीड़ादायक है। इस मामले में एफआईआर दर्ज हो चुकी है और एसआईटी निष्पक्ष जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही तथ्यों के आधार पर स्थिति स्पष्ट होगी।

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव के आरोपों पर पलटवार करते हुए श्री मौर्य ने कहा कि उनकी बयानबाजी से समाजवादी पार्टी लगातार रसातल में जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव का परिवार रामद्रोही रहा है और इसी कारण

वह राम जन्मभूमि से जुड़े मुद्दों पर इस प्रकार के बयान देते हैं।

उपमुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का बचाव करते हुए कहा कि राम मंदिर निर्माण के लिए तपस्वी की तरह कार्य करने वाले लोगों में चंपत राय भी शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी लोगों को इस घटना से दुख है और मामले की निष्पक्ष जांच कराई जा रही है।

उन्होंने सपा द्वारा लगाए गए इस आरोप को भी खारिज किया कि भारतीय जनता पार्टी चंदा चोरी के आरोपियों को बचा रही है। श्री मौर्य ने कहा कि विपक्ष बिना तथ्यों के राजनीतिक आरोप लगा रहा है।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के समाजवादी पार्टी के साथ संभावित सीट बंटवारे संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस चाहे मिलकर चुनाव लड़ें या अलग-अलग, वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। उन्होंने दावा किया कि इंडिया गठबंधन अब पूरी तरह कमजोर पड़ चुका है और उसमें कुछ भी शेष नहीं बचा है।

बीबीजी राम जी योजना को लेकर कांग्रेस के आरोपों का जवाब देते हुए श्री मौर्य ने कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में कभी बिना भ्रष्टाचार के गांवों और गरीबों का विकास नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार में विकास योजनाओं में किसी प्रकार का लीकेज नहीं है और सरकार विकसित भारत के साथ विकसित उत्तर प्रदेश तथा विकसित गांव के लक्ष्य की दिशा में कार्य कर रही है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

भारतीय पौराणिक कथाओं को एनीमेशन ही सबसे बेहतर ढंग से जीवंत कर सकता है : एस.एस. राजामौली

फिल्मकार एस.एस. राजामौली का मानना है कि भारतीय पौराणिक कथाओं की विशाल और कल्पनाशील दुनिया को सबसे प्रभावशाली तरीके से एनीमेशन के माध्यम से ही प्रस्तुत किया जा सकता है।एस.एस. राजामौली ने आगामी एनिमेटेड फिल्म बाहुबली- द इटरनल वॉर के वर्क-इन-प्रोग्रेस प्रेजेंटेशन के दौरान कहा कि बाहुबली की दुनिया और उसके किरदारों को विकसित करते समय उनकी टीम ने इतनी कहानियां तैयार कीं कि उनमें से कई फिल्म के दृश्यों जितनी, बल्कि उनसे भी अधिक नाटकीय थीं। उन्होंने कहा, भारतीय पौराणिक कथाएं दूसरी दुनियाओं के किरदारों के शानदार और जीवंत वर्णनों से भरी हुई हैं। उन कल्पनाओं को सही मायनों में सिर्फ एनीमेशन के जरिए ही दिखाया जा सकता है। ईशान वही इंसान थे, जिनका हमें इंतजार था, जो बाहुबली को अगले स्तर तक ले जा सकते थे। बाहुबली- द इटरनल वॉर दो भागों में बनने वाली एक एनिमेटेड महागाथा है, जिसका निर्देशन पुरस्कार विजेता फिल्मकार ईशान शुक्ला कर रहे हैं। फिल्म के पहले भाग का टीजर हाल ही में जारी किया गया है, जिसे दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। यह फिल्म वर्ष 2027 में रिलीज होने वाली है। बाहुबली फ्रेंचाइजी, जिसमें बाहुबली- द बिगिनिंग और बाहुबली- द कन्क्लूजन शामिल हैं, भारतीय सिनेमा की सबसे सफल और लोकप्रिय श्रृंखलाओं में गिनी जाती है। अब बाहुबली- द इटरनल वॉर के जरिए इस कहानी को एनीमेशन के नए स्वरूप में आगे बढ़ाया जाएगा।

डबल डेट में साइरस ब्रोचा और साइरस साहूकार ने ताज़ा कीं वीजे दौर की यादें, बोले- इन्फ्लुएंसर्स से पहले हम ही थे इन्फ्लुएंसर

अभिनेत्री नेहा धूपिया और अभिनेता अंगद बेदी के चैट शो डबल डेट के नए एपिसोड में पूर्व वीजे साइरस ब्रोचा और साइरस साहूकार ने 90 के दशक और शुरुआती 2000 के दौर की यादें साझा करते हुए उस समय के म्यूजिक टेलीविजन और वीजे संस्कृति पर दिलचस्प बातचीत की।शो के दौरान अंगद बेदी ने कहा कि एक समय ऐसा था जब वीजे फिल्मी सितारों से भी अधिक लोकप्रिय हुआ करते थे। इस टिप्पणी के बाद साइरस ब्रोचा और साइरस साहूकार के बीच उस दौर की लोकप्रियता और सांस्कृतिक प्रभाव को लेकर हल्की-फुल्की लेकिन रोचक बहस शुरू हो गई। बातचीत के दौरान साइरस ब्रोचा ने मजाकिया अंदाज में कहा, इन्फ्लुएंसर्स आने से पहले हम ही इन्फ्लुएंसर थे। आज की पीढ़ी इन्फ्लुएंसर इसलिए बनी क्योंकि लोगों को प्रभावित करने की शुरुआत हमने ही की थी। एपिसोड में उस दौर को भी याद किया गया जब म्यूजिक टेलीविजन ने मलाइका अरोड़ा, साइरस साहूकार, साइरस ब्रोचा, रणविजय सिंघा, मिनी माथुर, मारिया गोरेटी सहित कई लोकप्रिय वीजे भारतीय मनोरंजन जगत को दिए थे। सोशल मीडिया के दौर से पहले इन चेहरों ने युवाओं के बीच खास पहचान बनाई और पॉप कल्चर को नई दिशा दी। शो में पुरानी यादों, दिलचस्प किस्सों, बेबाक बातचीत और हास्य से भरपूर माहौल के बीच यह सवाल भी उठाया गया कि क्या वास्तव में एक समय ऐसा था जब वीजे की लोकप्रियता फिल्मी सितारों से भी अधिक थी।

टॉक्सिक के टीज़र में रुक्मिणी वसंत का दमदार अंदाज, सोशल मीडिया पर छाया मेलिसा का किरदार

फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स के नए ग्लिम्प्स लेडीज़ एंड लेडीज़ में अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत के दमदार और स्टाइलिश अवतार ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। सोशल मीडिया पर प्रशंसक रुक्मिणी के मेलिसा किरदार की जमकर सराहना कर रहे हैं और उन्हें इस झलक का सबसे बड़ा आकर्षण बता रहे हैं। कांतारा- ए लीजेंड चैप्टर 1 में अपने अभिनय से पहचान बना चुकी रुक्मिणी इस फिल्म में पहले से बिल्कुल अलग अंदाज में दिखाई दे रही हैं। टीज़र में उनका मेलिसा का किरदार रहस्यमयी, प्रभावशाली और खतरनाक नजर आता है। खासकर हाथ में बंदूक लिए उनका शांत लेकिन सशक्त लुक सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। फिल्म की झलक सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने रुक्मिणी के नए रूप की जमकर तारीफ की है। कई लोगों ने उनके इस परिवर्तन को शानदार बताया है, जबकि कुछ प्रशंसकों का कहना है कि मेलिसा फिल्म की सबसे स्टाइलिश और प्रभावशाली किरदार साबित हो सकती है। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में अभिनेता यश मुख्य भूमिका में हैं। बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही यह फिल्म पहले से ही अपनी अलग दुनिया और एक्शन के लिए चर्चा में है। ऐसे में रुक्मिणी वसंत की दमदार मौजूदगी ने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। रुक्मिणी वसंत आने वाले समय में फिल्म ड्रैगन में जूनियर एनटीआर के साथ भी नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास कई अन्य बड़े प्रोजेक्ट भी हैं, जिससे वह भारतीय फिल्म उद्योग की उभरती हुई प्रमुख अभिनेत्रियों में शामिल होती जा रही हैं।

एनटीपीसी विंध्याचल में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर चिकित्सा जगत को किया गया सम्मानित

सिंगरौली।

एनटीपीसी विंध्याचल में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 2026 उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में प्रशासनिक भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की समर्पित सेवाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) श्री किशोर कुमार होता थे। कार्यक्रम में श्री ए.जे. राजकुमार, मुख्य महाप्रबंधक (ओ एंड एम) एवं सीईओ (बीआरबीसीएल), श्री एम. सुरेश, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस एवं एडीएम), श्री एस.के. सिन्हा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं एफएम), डॉ. बी.के. भराली, महाप्रबंधक (चिकित्सा सेवाएं), श्री देबब्रत त्रिपाठी, महाप्रबंधक (टीएस एवं प्रोजेक्ट्स) तथा श्रीमती रूमा दे शर्मा, मानव संसाधन प्रमुख विंध्याचल की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. बी.सी. राय को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया, जिनकी स्मृति में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया जाता है। इसके उपरांत दीप प्रज्ज्वलन एवं एनटीपीसी गीत के साथ कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई। स्वागत उद्बोधन में श्रीमती रूमा डे शर्मा ने चिकित्सकों के समाज के प्रति अमूल्य योगदान तथा उनके सेवा-भाव की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान केक काटकर राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया गया। डॉ. प्रतिमा महेंद्र, वरिष्ठ विशेषज्ञ (विंध्य चिकित्सालय) ने डॉ. बी.सी. राय के जीवन एवं योगदान पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। वहीं डॉ. आदित्य राजनारायण मिश्रा, उप विशेषज्ञ (विंध्य चिकित्सालय) ने वयस्क टीकाकरण (एडल्ट वैक्सीनेशन) तथा डॉ. बी.के. भराली ने जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों (लाइफस्टाइल डिजीज) पर जानकारीपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में श्री किशोर कुमार होता ने चिकित्सकों की निष्ठा, सेवा-भाव और समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए विंध्य चिकित्सालय द्वारा स्थापित उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने चिकित्सा टीम को इसी समर्पण के साथ कार्य करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में एनटीपीसी, चिकित्सा जगत, खेल एवं बॉलीवुड पर आधारित रोचक क्विज़, मनोरंजक खेल एवं विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिससे समारोह में उत्साह का वातावरण बना रहा। अंत में सभी चिकित्सकों का सम्मान किया गया।

राष्ट्रीय विद्युत सुरक्षा सप्ताह 2026 के दौरान

एनटीपीसी विंध्याचल ने 'जीरो हार्म' संकल्प को किया सुदृढ़

सिंगरौली। राष्ट्रीय विद्युत सुरक्षा सप्ताह (26 जून से 2 जुलाई 2026) के अवसर पर एनटीपीसी विंध्याचल के इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस विभाग द्वारा विद्युत सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने तथा स्टेशन की 'जीरो हार्म, जीरो इंसिडेंस' कार्य संस्कृति को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम, व्यावहारिक प्रदर्शन एवं कर्मचारी तथा संविदा कर्मियों की सहभागिता वाली गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।सप्ताह भर आयोजित कार्यक्रमों के अंतर्गत विद्युत सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण, लॉक आउटङ्क्षटैग आउट प्रक्रिया एवं सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों की जानकारी, इंसुलेटेड हैंड टूल्स का प्रदर्शन, नॉन-कॉन्टैक्ट वोल्टेज डिटेक्टर के सुरक्षित संचालन का प्रदर्शन तथा विंध्य हॉस्पिटल के सहयोग से प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर का व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसके अलावा प्रतिभागियों में जोखिम पहचान और सुरक्षा के प्रति सजगता बढ़ाने के लिए हैज़र्ड आइडेंटिफिकेशन गेम तथा विद्युत सुरक्षा स्पॉट क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों एवं संविदा कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर श्री संदीप कोहली, अपर महाप्रबंधक (ईएमडी) एवं ईएमडी विभाग की टीम ने कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए कर्मचारियों और संविदा कर्मियों को सुरक्षित विद्युत कार्यप्रणालियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया।

ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को मिलेगा बढ़ावा

खेल तरंग के लिए एनसीएल ने किया एमओयू

सिंगरौली। सिंगरौली स्थित कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफ़ील्ड्स लिमिटेड अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से सिंगरौली परिक्षेत्र में ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। इसी क्रम में मंगलवार, 30 जून 2026 को एनसीएल की सीएसआर परियोजना च्च्खेल तरंगज्ज के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एनसीएल के महाप्रबंधक (सीएसआर) राजीव रंजन तथा जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी, सिंगरौली राहुल संयम के मध्य एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर एनसीएल के प्रबंधक (सीएसआर) श्री प्रशांत कुमार भी उपस्थित रहे। एनसीएल अपनी सीएसआर पहल खेल तरंग के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में खेल उपकरण उपलब्ध कराकर सिंगरौली में जमीनी स्तर पर एथलेटिक्स को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रही है । इस एमओयू के तहत लगभग 7.07 लाख की लागत से आधुनिक एथलेटिक्स खेल उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इस परियोजना से जिले के ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों के लगभग 1,500 युवा एवं विद्यार्थी प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। साथ ही स्थानीय विद्यालयों, खेल क्लबों तथा उभरते खिलाड़ियों को भी बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

डॉक्टर दिवस पर कार्यशाला आयोजित

सिंगरौली। डॉक्टर दिवस के अवसर पर हिंडालको महान अस्पताल बरगँवा,सिंगरौली द्वारा नवजात शिशुओं की आपातकालीन देखभाल एवं जीवनरक्षक प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय उन्नत नवजात पुनर्जीवन (हृद्गश्वठ्ठद्रुह्लड्डद्य ऋद्गह्यह्वह्यष्द्बह्लड्डह्लद्बश्वठ्ठ) कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अस्पताल के चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों एवं पैरामेडिकल कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नवजात पुनर्जीवन की आधुनिक तकनीकों एवं अंतरराष्ट्रीय दिशानिर्देशों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक डॉ. जॉनसन वर्गीज (स्र्ठ, स्र्क्रष्टक्क, स्नक्रष्टक्क),

डायरेक्टरङ्कइमरजेंसी मेडिसिन, एस्टर हॉस्पिटल, कोच्चि रहे। उन्होंने प्रतिभागियों को नवजात पुनर्जीवन की वैज्ञानिक पद्धतियों, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित निर्णय क्षमता एवं टीम आधारित उपचार प्रणाली पर प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में डॉ. दीप्ति शरण (चीफ कंसल्टेंट गायनेकोलॉजिस्ट), डॉ. मुदित कुलश्रेष्ठ (कंसल्टेंट एनेस्थेटिस्ट), डॉ. गुरमीत सिंह (सीनियर कंसल्टेंट पीडियाट्रिक्स), डॉ. प्रदीप एवं डॉ. पॉल ने सक्रिय सहभागिता निभाई। वहीं नर्सिंग एवं पैरामेडिकल टीम से सिस्टर कविता, सिस्टर आरती, सिस्टर तारा, सिस्टर राधा, ओटी टेक्नीशियन हरजीत एवं प्रवेश ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यशाला में जन्म के तुरंत बाद उत्पन्न होने वाली गंभीर परिस्थितियों जैसे बर्थ एस्फिक्सिया, श्वसन अवरोध, नवजातों की देखभाल प्रभावी प्रबंधन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को तापमान संरक्षण तथा नवजात के सुरक्षित व्यावहारिक अभ्यास कराया गया।

ऐतिहासिक उपलब्धि- एक साथ 12 उद्यानिकी फसलों को मिला जीआई टैग

नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश ने उद्यानिकी क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि दर्ज करते हुए देश में पहली बार एक साथ 12 उद्यानिकी उत्पादों को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्राप्त कर नया इतिहास रचा है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के साथ नरसिंहपुर जिले के पारंपरिक उत्पाद- करेली का गुड़ एवं बरमान घाट का बैंगन को भी राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान मिल गई है। चेन्नई स्थित भौगोलिक संकेतक रजिस्ट्री द्वारा जारी प्रमाण-पत्र के अनुसार इन दोनों उत्पादों का विधिवत जीआई पंजीकरण किया गया है। इससे न केवल इनकी विशिष्ट गुणवत्ता, पारंपरिक उत्पादन पद्धति और क्षेत्रीय विशिष्टता को कानूनी संरक्षण मिलेगा, बल्कि इन उत्पादों की ब्रांड वैल्यू में वृद्धि होगी और किसानों को बेहतर बाजार, अधिक मांग तथा उचित मूल्य प्राप्त होने के नए अवसर खुलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि को प्रदेश के कृषकों के लिए गौरव का विषय बताते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय वृद्धि के लिए उद्यानिकी फसलों को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 28 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में उद्यानिकी फसलों की खेती हो रही है, जिसे वर्ष 2030 तक 30 लाख हेक्टेयर तक विस्तारित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जीआई टैग प्राप्त करने वाले अन्य प्रमुख उत्पादों में बैतूल का गजरिया आम, गुना का धनिया, खरगोन की लाल मिर्च, मांडू की खुरासानी इमली, जबलपुर का मटर, सिवनी का सीताफल, मालवी आलू एवं गराडू, जबलपुर का सिंघाड़ा, आलीराजपुर का नूरजहां आम, बुरहानपुर का केला, इंदौरी जीरावन, रतलाम-सैलाना की बालम ककड़ी तथा छतरपुर का पान शामिल हैं। यह उपलब्धि कृषक कल्याण वर्ष में किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात साबित हो रही है, जो स्थानीय कृषि उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नई पहचान दिलाने की दिशा में मील का पत्थर है। उल्लेखनीय है कि एक जिला-एक उत्पाद योजना के अंतर्गत नरसिंहपुर जिले के करेली के गुड़ को विशेष रूप से शामिल किया गया है।

करेली का गुड़ अपनी प्राकृतिक मिठास, शुद्धता और उच्च गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध है। यह पारंपरिक विधि से गन्ने के रस से तैयार किया जाता है, जिसमें किसी प्रकार के कृत्रिम रंग या रसायनों का उपयोग नहीं किया जाता। यह आयरन एवं अन्य आवश्यक खनिजों का समृद्ध स्रोत भी है।

पत्नी ने प्रेमी एवं उसके साथी के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची

तीसरा पति बना रास्ते का रोड़ा, चौथा विवाह करने की नीयत से प ी ने प्रेमी संग मिलकर की पति की हत्या

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमतमत। दिनांक 30.06.2026 को सूचना प्राप्त हुई कि वारूरेवा नदी पुल के पास एनएच-44 से कुछ दूरी पर झाड़ियों में एक अज्ञात पुरुष का शव पड़ा हुआ है। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई तथा वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए गए। इसके उपरांत शव को पोस्टमार्टम एवं पहचान की कार्रवाई हेतु जिला चिकित्सालय, नरसिंहपुर की मॉर्चुरी भेजा गया। अज्ञात शव की पहचान नरसिंहपुर निवासी तुलसीराम मेहरा के रूप में हुई-* दिनांक 01.07.2026 को डोरीलाल मेहरा द्वारा जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर की मॉर्चुरी में शव की पहचान अपने पुत्र तुलसीराम मेहरा के रूप में की गई। पहचान स्थापित होने के उपरांत पुलिस द्वारा प्रकरण की विवेचना को गति देते हुए विभिन्न पहलुओं पर जांच प्रारंभ की गई। अंधी हत्या के खुलासे हेतु गठित की गई विशेष टीम-प्रकरण अंधी हत्या का होने के कारण पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। टीम को वैज्ञानिक साक्ष्यों, तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र एवं अन्य उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर आरोपियों की पहचान एवं गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। वैज्ञानिक एवं तकनीकी जांच से खुला हत्या का राज-मृतक के परिजनों एवं संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटना स्थल से प्राप्त वैज्ञानिक साक्ष्यों तथा तकनीकी विश्लेषण के आधार पर जांच आगे बढ़ाई गई। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मृतक तुलसीराम मेहरा एवं उसकी पत्नी सरोज मेहरा के बीच पारिवारिक एवं चरित्र संबंधी शंका को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। प्रेम प्रसंग बना हत्या का कारण-जांच में यह भी सामने आया कि सरोज मेहरा पूर्व में दो विवाह कर चुकी थी तथा लगभग एक वर्ष पूर्व उसने मृतक तुलसीराम मेहरा से विवाह किया था। विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों एवं पूछताछ से पता चला कि सरोज मेहरा के महेन्द्र मेहरा, निवासी पुरगवां के साथ अवैध संबंध थे। मृतक को इस संबंध की जानकारी होने के कारण पति-पत्नी के बीच लगातार विवाद एवं मनमुटाव बना रहता था। पूछताछ में पत्नी ने कबूला हत्या का षड्यंत्र-* उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सरोज मेहरा से गहन पूछताछ की गई। वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के समक्ष उसने महेन्द्र मेहरा के साथ अपने संबंध स्वीकार करते हुए उसके साथ मिलकर पति तुलसीराम मेहरा की हत्या की साजिश रचने की बात स्वीकार की। शराब पिलाने के बहाने ले जाकर की हत्या - पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि योजना के अनुसार विष्णू रजक मृतक तुलसीराम को शराब पीने के बहाने वारूरेवा नदी पुल के पास ले गया। कुछ देर बाद महेन्द्र मेहरा भी वहां पहुंचा, जहां दोनों ने रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से

पति की हत्या की साजिश रचने वाली पत्नी सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

शव को झाड़ियों में फेंककर तीनों मौके से फरार हो गए।तीनों आरोपी गिरफ्तार-हत्या का खुलासा होते ही पुलिस टीम ने सरोज मेहरा, महेन्द्र मेहरा एवं विष्णू रजक को अभिरक्षा में लेकर गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा प्रकरण में अन्य साक्ष्यों की बरामदगी एवं विवेचना जारी है।

कार्यवाही में मुख्य भूमिका- अंधी हत्या के खुलाशे में निरीक्षक गौरव चाटे, उप निरीक्षक आशीष बोपचे, उप निरीक्षक मूलचंद यादव, प्रधान आरक्षक कलावती, शैलेंद्र तिवारी, आरक्षक प्रहलाद, जितेंद्र ठाकुर, राजेश बागरी, रोहित चांदपुरिया, महेंद्र ठाकुर, यमन बागरी, महिला आरक्षक पूजा, कुमुद पाठक, संतकुमारी, एवं शुभम मालवीय नगर रक्षा समिति की मुख्य भूमिका रही है।

जनसेवा ही राजनीति का उद्देश्य : जालम सिंह पटेल

215 आवेदनों पर हुई सुनवाई

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

आमजनों की सेवा ही ईश्वर सेवा है और हमारे लिए राजनीति का अर्थ केवल जनसेवा है। इसी भावना के साथ पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल अपने नरसिंहपुर स्थित निवास पर जनसुनवाई आयोजित की। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। इस दौरान कुल 215 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के लिए भेजा गया।

जनसुनवाई में राजस्व, बिजली, पेयजल, सड़क, पेंशन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। जालम सिंह पटेल ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके।विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि जालम सिंह पटेल का आमजन से सीधा संवाद और सहज व्यवहार ही उनकी लोकप्रियता का प्रमुख कारण है। लोग बिना किसी संकोच के अपनी समस्याएं उनके समक्ष रखते हैं और वे भी पूरी संवेदनशीलता के साथ समाधान का प्रयास करते हैं।हर गुरुवार को आयोजित होने वाली यह जनसुनवाई अब क्षेत्रवासियों के लिए भरोसे का मंच बन चुकी है। जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से भी लोग अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर यहां पहुंचते हैं।

स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और गति आई है तथा आमजन को अपनी बात रखने का प्रभावी माध्यम मिला है।जनसुनवाई के दौरान जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक, पत्रकार बंधु एवं अन्य जन उपस्थित रहे।

भारतीय स्टेट बैंक का 71वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

वरिष्ठ नागरिकों और पेंशनर्स का हुआ सम्मान

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। भारतीय स्टेट बैंक ने अपना 71वां स्थापना दिवस 1 जुलाई, बुधवार को पूरे उत्साह और गर्व के साथ मनाया। इस अवसर पर एस बी आई कृषि विकास शाखा गाडरवारा द्वारा वरिष्ठ नागरिकों और पेंशनर्स के सम्मान में विशेष समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बैंक के अधिकारियों ने बुजुर्ग ग्राहकों का शाल-श्रीफल भेंटकर आभार जताया और उनके अनुभवों को प्रेरणा बताया।

1 जुलाई 1955 को भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना हुई थी। 71 साल पूरे होने पर एस बी आई कृषि विकास शाखा गाडरवारा में विशेष कार्यक्रम रखा गया। शाखा परिसर को गुब्बारों और बैनरों से सजाया गया। केक काटकर स्थापना दिवस मनाया गया और बैंक की उपलब्धियों पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वरिष्ठ नागरिकों और पेंशनर्स का सम्मान रहा। मुख्य प्रबंधक आशीष रावत ने समस्त वरिष्ठ ग्राहकों को शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बैंक की तरक्की में वरिष्ठ ग्राहकों का भरोसा और सहयोग सबसे बड़ी पूंजी है।

सम्मान पाकर बुजुर्ग ग्राहक भावुक हो गए। एक पेंशनर ने कहा एस बी आई से 40 साल से जुड़े हैं। आज जो सम्मान मिला उससे लगा कि बैंक हमें परिवार की तरह मानता है।

कार्यक्रम में उप प्रबंधक सुश्री वेनू राठी, सुश्री नेहा, फील्ड ऑफिसर नितेश पेसवानी, अंकित कुमार सहित पूरे एस बी आई स्टाफ ने उपस्थित सभी आगंतुकों का स्वागत किया। स्टाफ ने वरिष्ठ नागरिकों को बैंक की नई डिजिटल सेवाओं, पेंशन संबंधी सुविधाओं और साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी भी दी।

अंत में सभी आगंतुकों का आभार प्रकट किया गया। मुख्य प्रबंधक आशीष रावत ने कहा कि 71 साल का सफर ग्राहकों के विश्वास से ही संभव हुआ है। एस बी आई हमेशा ग्राहक सेवा को प्राथमिकता देता रहेगा। हमने अपने बुजुर्ग ग्राहकों का सम्मान कर गर्व महसूस किया है।

मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह का दौरा कार्यक्रम

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह शुक्रवार 3 जुलाई को ग्राम पिठहरा में सामुदायिक भवन लोकार्पण सहित स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह शुक्रवार 3 जुलाई को प्रातः 11 बजे सेवा सदन लक्ष्मी टाउनशिप गाडरवारा आएंगे और क्षेत्रीय गणमान्य जनों से सौंजन्य भेंट करेंगे।

वरिष्ठ शिक्षाविद एवं समाजसेवी सी.बी. नेमा का निधन

समाज क्षेत्र में किए उल्लेखनीय कार्य

नरसिंहपुर। राजराजेश्वरी भक्त मंडल के वरिष्ठ सदस्य, हीरापुर वाले स्वामी जी महाराज के परमस्नेही एवं कृपापात्र शिष्य, वरिष्ठ शिक्षाविद तथा विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं से जुड़े प्रतिष्ठित समाजसेवी श्री चंद्रभूषण (सी.बी.) नेमा का गुरुवार प्रातः ब्रह्मबेला में निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। श्री नेमा श्रीराम नाम बैंक के जिला प्रमुख, रेडक्रॉस सोसाइटी नरसिंहपुर के पूर्व जिला सचिव, गौ संवर्धन समिति के सचिव, मध्यप्रदेश पेंशनर्स समाज के वरिष्ठ मार्गदर्शक, वरिष्ठ जन परिषद एवं वरिष्ठ नागरिक मंच के संरक्षक तथा नेमा समाज के वरिष्ठ सदस्य थे। उन्होंने जनसेवा के कार्यों के माध्यम से समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई आप विकास नेमा, विवेकदीप नेमा एवं विनयश्री नेमा के पूज्य पिताजी, विष्णु नेमा के भाई तथा पत्रकार विनीत नेमा, पुनीत नेमा एवं नवनीत नेमा के बड़े पिताजी थे। अंतिम संस्कार डेडवारा स्थित मुक्तिधाम में किया गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में शुभचिंतक प्रशासनिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने उपस्थित होकर मौन श्रद्धांजलि अर्पित की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

रोटरी क्लब गाडरवारा का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। गत दिवस स्थानीय सुरभि पैलेस होटल में इस वर्ष के नवीन सत्र 2026-2027 के लिए रोटरी क्लब गाडरवारा का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में क्लब के नये पदाधिकारियों अध्यक्ष शरद मौलासरिया, सचिव संजय गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष शुभम राजपूत को शपथ अधिकारी रोटेरियन एस आर मिश्रा द्वारा शपथ दिलाई गई एवं उनका बैच लगाकर सम्मान किया गया। अतिथियों द्वारा भगवान श्री गणेश पूजन से शुरू हुए इस आयोजन में रोटरी क्लब की गतिविधियो में महत्वपूर्ण सहयोग देने वाले सहयोगियो का सम्मान क्लब के सदस्यों ने स्मृति चिन्ह देकर किया। कार्यक्रम में डाक्टर्स डे एवं सीए डे के अवसर पर क्लब में शामिल डाक्टर्स एवं सीए सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान शिक्षक मधुसूदन पटैल एवं कंछेदी धानक को क्लब में सदस्य के रूप में शामिल किया गया। उदबोधन के क्रम में सर्वप्रथम निवर्तमान अध्यक्ष सुरेन्द्र साहू ने स्वागत भाषण देते हुए उनके कार्यकाल में आयोजित कार्यक्रमों एवं गतिविधियो का लेखा जोखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि उन्हें सभी का भरपूर सहयोग मिला। क्लब के पूर्व असिस्टेंट गवर्नर मिनेन्द्र डागा ने अपने उदबोधन में रोटरी क्लब के इतिहास एवं अवधारणा से जुडी जानकारी देते हुए क्लब के सहयोगी सदस्यों की प्रशंसा की एवं कहा कि प्रत्येक सदस्य के सहयोग से ही क्लब की गतिविधियो का बेहतर ढंग से संचालन हो पाता है। क्लब के नवागत अध्यक्ष शरद मौलासरिया ने अपने उदबोधन में अपनी आगामी कार्ययोजना से अवगत कराया एवं कहा कि क्लब के हर सदस्य का सहयोग मुझे मिलेगा। इस दौरान कार्यक्रम में ?मुख्य अतिथि संदीप भूरिया एडिशनल एस.पी. नरसिंहपुर ने उपस्थित न होने के बावजूद मोबाइल से उदबोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन सचिव मनोज वशा ने किया। इस अवसर पर ब्रह्मकुमारी आश्रम से प्रीति दीदी,असिस्टेंट गवर्नर अशोक राजपूत सहित रोटरी क्लब के सदस्यों एवं समाजसेवी संगठनों की उपस्थिति रहीं ।

रेल कोच रेस्टोरेंट की बजाए बनाया लॉन कम कंटेनर रेस्टोरेंट, टेंडर में सामने आई गड़बड़ी

कटनी मुड़वारा स्टेशन का मामला, रेलवे के वाणिज्य विभाग में मचा हडकम्प

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कटनी मुडवारा रेलवे स्टेशन के बाहर रेल कोच रेस्टोरेंट के स्थान पर लॉन कम कंटेनर रेस्टोरेंट के निर्माण का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। रेलवे की योजना यहां पर रेल कोच रेस्टोरेन्ट बनाने की थी लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। इस मामले में अब कई तरह की जानकारियां निकलकर सामने आ रही है। शिकायतों में कहा गया है कि टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई और नियमों को ताक पर रखकर चहेतों को लाभ पहुंचाया गया। इस मामले के सामने आने के बाद अब पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर के वाणिज्य विभाग में हडकंप मचा हुआ है। आरोप है कि रेलवे द्वारा जारी किए गए प्रारंभिक टेंडर दस्तावेज में जिस स्थान को रेस्टोरेंट के लिए

चिन्हित और प्रदर्शित किया गया था, वास्तविक आवंटन के समय उसे पूरी तरह बदल दिया गया। नियमों को दरकिनार कर चयनित लाइसेंसधारी को न सिर्फ दूसरी जगह दी गई, बल्कि मूल नक्शे से कहीं अधिक बड़ा और व्यावसायिक रूप से अधिक कीमती भू-भाग उपलब्ध करा दिया गया। कंटेनर रेस्टॉरेंट के भौतिक ढांचे को लेकर भी रेलवे की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्टेशन परिसर में नियमों के विपरीत दो मंजिला निर्माण किए जाने की बात सामने आई है। टेंडर की मूल शर्तों के अनुसार केवल अस्थायी कंटेनर स्ट्रक्चर की अनुमति होती है। ऐसे में एक आरटीआई आवेदन में पूछा गया है कि क्या इस टेंडर में दो मंजिला निर्माण या किसी भी प्रकार के स्थायी निर्माण की अनुमति थी। सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी ने रेलवे की टेंडर प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आरोप लगाया गया है कि टेंडर की मूल शर्तों में कथित बदलाय कर एक निजी पक्ष को अनुचित लाभ पहुंचाया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता संदेह के घेरे में आ गई है। फिलहाल रेलवे प्रशासन की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि ये आरोप आरटीई आवेदन में उठाए गए प्रश्नों और दावों पर आधारित हैं। इनकी पुष्टि रेलवे द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले रिकॉर्ड और आधिकारिक जवाब के बाद ही हो सकेगी। यदि दस्तावेज आरोपों की पुष्टि करते हैं, तो मामला रेलवे की टेंडर प्रक्रिया और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर सकता है।

पांच वर्ष के बच्चों को पुलिस ने खोजकर परिजनों के सुपुर्द किया

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा ने त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा जिले में आमजन को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने, उनकी समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने तथा आपात स्थिति में तत्काल पुलिस सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशो के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कुठला निरीक्षक अखलेश दाहिया के नेतृत्व में कुठला पुलिस ने गुम हुये दो बच्चों को उनके परिजनों से मिलाने में सफलता प्राप्त हुई है। 02 जुलाई के 13:40 बजे डॉयल 112 में कॉलर निवासी मतवार पड़रिया का फोन आया की उसकी एक ढाई साल की बच्ची व चार साल का भतीजा है वह दोनो घर से सुबह 9 बजे से गायब हो गए हैं सूचना पाते ही मामले की गम्भीरता को देखते हुए डायल 112 में तैनात आरक्षक मनोज सिंह राजपूत ने थाना प्रभारी कुठला को जरिये फोन सूचना दी थाना प्रभारी के निर्देश पर तत्काल प्रभारी अधिकारी उप निरीक्षक अनिल यादव एवं विनोद सिंह ने टीम बनाकर प्रधान आरक्षक अजीत मिश्रा, आरक्षक मनोज, महिला आरक्षक दिव्या को गुम हुये बच्चों की तलाश हेतु रवाना किया एवं अन्य स्टॉफ को जरिये सोशल मीडिया में सूचना देकर अपने अपने क्षेत्र में तलाश करने के निर्देश दिये, टीम को तलाशी दौरान लमतरा ब्रिज के पास दो बच्चे कॉलर द्वारा बताए गए हुलिया के अनुसार अकेले घूमते मिले जिनसे नाम पता पूछने का प्रयास किया किन्तु कम उम्र होने एवं डरे हुए होने के कारण नाम नहीं बता पाये तत्काल मोबाइल नम्बर पर कॉलर से सम्पर्क कर बच्चों के हुलिया को वेरीफाई कराने पर कॉलर ने दोनों बच्चों की पहचान अपने गुमे हुये बच्चों के रूप में की कुठला पुलिस के द्वारा मामले की गम्भीरता एवं बच्चों के प्रति सुरक्षा एवं संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल तलाशी अभियान चलाकर दोनों बच्चों को ढूंढने में सफलता प्राप्त की है, यदि बच्चों को ढूंढने में देरी होती तो निश्चित ही बच्चों को ढूंढ पाना कठिन होता क्योंकि बच्चों की उम्र कम थी और वह अपनी पहचान बता नही पाते, थाना परिसर में परिजन के उपस्थित आने पर दोनों बच्चों को सुपुर्द कर हिदायत दी गई कि बच्चों की सुरक्षा और जिम्मेदारी का दायित्व सजगता के साथ निभाएं, परिजनों के चेहरे पर बच्चों को पाकर खुशी के आंसू निकल पड़े और पुलिस को धन्यवाद दिया। कुठला पुलिस की आम जन से अपील है कि अपने बच्चों को परिवार के सदस्यों के मोबाइल नम्बर अवश्य याद कराये कराएं तथा उन पर हमेशा निगरानी रखें। किसी भी बच्चे के गुम होने या संदिग्ध परिस्थिति में मिलने पर तत्काल डायल-112 अथवा नजदीकी पुलिस थाना को सूचना दें।

फोटो : विकास गुप्ता

जीआरपी कटनी का बड़ा खुलासा, अंतरजिला चोर गिरोह गिरफ्तार

10 लाख रुपये के चोरी के सोने के जेवरात बरामद, पांच आरोपी सलाखों के पीछे

कटनी (स्वतंत्रमत)।

ट्रेनों में यात्रियों के सामान की चोरी करने वाले एक सक्रिय राज्य स्तरीय चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए जीआरपी कटनी ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 लाख 30 हजार 848 रुपये मूल्य के चोरी किए गए सोने के जेवरात बरामद किए हैं। यह कार्रवाई रेल पुलिस अधीक्षक जबलपुर सुन्दर सिंह कनेश के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भावना मरावी तथा उप पुलिस अधीक्षक रेल कटनी

विजय गोठरिया के मार्गदर्शन में की गई। गिरफ्तार आरोपियों में शरद उर्फ गोलू झारिया, अमित सिंह खगार, सौरभ कुल्हाडा, राहुल ठाकुर और हर्ष खगार शामिल हैं। पुलिस के अनुसार गिरोह लंबे समय से रेल यात्रियों को निशाना बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहा था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक सोने का हार, तीन मंगलसूत्र, एक जोड़ी झुमके, एक जोड़ी टॉप्स, दो सोने की अंगूठियां तथा एक सोने की बाली बरामद की है। बरामद आभूषणों की कुल कीमत 10,30,848 रुपये आंकी गई है। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि गिरोह के दो मुख्य आरोपियों का पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड है। दोनों जीआरपी थाना कटनी के निगरानी बदमाश हैं और उनके खिलाफ पहले से कई चोरी के मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

फोटो : विकास गुप्ता

जिला कांग्रेस कार्यालय में नवनियुक्त प्रकोष्ठ अध्यक्षों का हुआ स्वागत

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिला कांग्रेस कार्यालय आस्था प्लाजा कटनी में कांग्रेस संगठन के विभिन्न प्रकोष्ठों के नवनियुक्त जिलाध्यक्षों का सम्मान एवं स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश कांग्रेस परिवहन प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष राजमणि तिवारी, खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अशोक मौर्य, बेरोजगार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रमेश अहिरवार एवं वन एवं पर्यावरण प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मुकेश मिश्रा का जिला कांग्रेस कार्यालय में स्वागत किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला ने सभी नवनियुक्त जिलाध्यक्षों को पुष्पमाला पहनाकर उनका अभिनंदन किया एवं उन्हें नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारियों का सभी पदाधिकारी पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा कांग्रेस पार्टी की नीतियों एवं जनहित के मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम के दौरान संगठन को मजबूत बनाने, जनसमस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने तथा पार्टी की विचारधारा को आमजन तक पहुंचाने पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

फोटो : विकास गुप्ता

ऑपरेशन मुस्कान के तहत कोतवाली पुलिस को मिली दोहरी सफलता

दो गुमशुदा नाबालिग बालक-बालिका को सकुशल दस्तयाब कर परिवार से मिलाया, परिजनों ने जताया आभार

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में जिले में संचालित ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा नाबालिग बालक-बालिकाओं की त्वरित तलाश एवं सुरक्षित दस्तयाबी के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना कोतवाली पुलिस ने 01 जुलाई को दो अलग-अलग मामलों में एक नाबालिग बालिका एवं एक नाबालिग बालक को सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों से मिलाने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। मां के डांट देने से नाराज होकर घर छोड़ गई थी बालिका- 24 जून को नदीपार स्थित राम मनोहर लोहिया वार्ड निवासी 13 वर्षीय नाबालिग बालिका पढ़ाई को लेकर नाराज होकर बिना बताए घर से चली गई थी। परिजनों द्वारा काफी तलाश के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिलने पर उसकी माता ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई, जिस पर अपराध क्रमांक 689/2026 अंतर्गत धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। बालिका के पास मोबाइल फोन नहीं होने के कारण उसकी लोकेशन प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण था। पुलिस ने परिवार एवं रिश्तेदारों से विस्तृत पूछताछ करते हुए लगातार पतासाजी की। जांच के दौरान जानकारी मिली कि बालिका जिला सागर स्थित अपनी दादी के घर पहुंच गई है। पुलिस ने तत्काल परिवार के माध्यम से संपर्क स्थापित कर बालिका को सकुशल कटनी वापस लाकर उसके परिजनों के सुपुर्द किया। दोस्त से मिलने पहुंचा था नाबालिग बालक- दूसरे मामले में 30 जून को ग्राम बड़ेरा पठरा थाना कुठला निवासी गोटेलाल पटेल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका नाबालिग पुत्र, जो अपनी बुआ के घर कुठला बस्ती आया हुआ था, शाम करीब 6:30 बजे घूमने के लिए निकला और वापस नहीं लौटा। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 709/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर तत्काल खोजबीन शुरू की गई। जांच के दौरान घटनास्थल एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें बालक शहर की ओर जाने वाले एक ऑटो में बैठते हुए दिखाई दिया। तकनीकी एवं मैदानी जांच के आधार पर पुलिस ने नाबालिग बालक को दुर्गा चौक, कटनी से सकुशल दस्तयाब किया। पूछताछ में बालक ने बताया कि वह अपने एक दोस्त से मिलने बिना बताए वहां चला गया था। इसके बाद उसे सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

काउंसलिंग के बाद परिजनों को सौंपा गया

थाना प्रभारी निरीक्षक राखी पाण्डेय एवं चौकी प्रभारी बस स्टैंड उपनिरीक्षक नेहा मौर्य द्वारा दोनों नाबालिगों की काउंसलिंग की गई। दोनों ने बताया कि उनके साथ किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई है। आवश्यक औपचारिकताओं के बाद दोनों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अपने बच्चों को सकुशल वापस पाकर परिजनों ने कोतवाली पुलिस की तत्परता, संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए पुलिस का हृदय से आभार व्यक्त किया।

पहरूआ मंडी परिसर में सेफ क्लिक 2.0 के तहत साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित सेफ क्लिक 2.0 अभियान के अंतर्गत कटनी पुलिस द्वारा पहरूआ मंडी परिसर में साइबर सुरक्षा एवं साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आमजन नागरिकों की उपस्थिति में साइबर फ्रॉड से बचाव, ऑनलाइन ठगी के तरीकों की पहचान तथा साइबर अपराध होने की स्थिति में तत्काल शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, एसडीएम प्रमोद चतुर्वेदी तथा सीएसपी कटनी नेहा पच्चीसिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा उपस्थित नागरिकों को साइबर अपराधों के लगातार बदलते स्वरूप, डिजिटल माध्यमों से होने वाली ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी/बैंक डिटेल साझा करने के जोखिम, सोशल मीडिया एवं मोबाइल एप के सुरक्षित उपयोग तथा संदिग्ध कॉल एवं मैसेज से सतर्क रहने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस दौरान नागरिकों को बताया गया कि किसी भी प्रकार के साइबर फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, बैंकिंग धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया हैकिंग अथवा अन्य साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं तथा राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर भी अपनी शिकायत दर्ज करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके और आर्थिक नुकसान को रोका जा सके।

पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव के जन्मदिवस पर सेवा और श्रद्धा के विविध आयोजन

निःशुल्क नेत्र परीक्षण, फल वितरण, भंडारा एवं सुंदरकांड में उमड़ी आस्था

कटनी (स्वतंत्रमत)।

प्रदेश के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री एवं विधायक गोपाल भार्गव के जन्मदिवस के अवसर पर बुधवार को कटनी में सेवा, सामाजिक सरोकार और धार्मिक आस्था से ओतप्रोत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दिनभर चले आयोजनों में बड़ी संख्या में नागरिकों, यात्रियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता करते हुए भार्गव के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना की। कटनी बस ऑपरेटर एसोसिएशन के तत्वावधान में प्रियदर्शिनी बस स्टैंड स्थित विजय ऑटो परिसर में दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारे (प्रसाद वितरण) का आयोजन किया गया। भंडारे में शहर के नागरिकों, बस यात्रियों, श्रमिकों एवं जरूरतमंद लोगों ने बड़ी संख्या में प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन स्थल पर पूरे समय सेवा का भाव दिखाई दिया और उपस्थित लोगों ने पूर्व मंत्री

गोपाल भार्गव को जन्मदिवस की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इसी अवसर पर जिला चिकित्सालय में सामाजिक कार्यकर्ता शुभ प्रकाश मिश्र एवं कुशल प्रकाश मिश्र द्वारा भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को फल वितरित किए गए।

उन्होंने मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए सेवा कार्य को जन्मदिवस मनाने का सबसे सार्थक माध्यम बताया। फल वितरण के दौरान मरीजों एवं उनके परिजनों ने इस मानवीय पहल की सराहना की। जन्मदिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय विजय मेमोरियल हॉस्पिटल में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन भी किया गया। शिविर में 196 मरीजों की आंखों की जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई। परीक्षण के बाद जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क चश्मे एवं आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को बेहतर नेत्र स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा।

धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला में सायं 8 बजे पहरुआ स्थित श्री हनुमान मंदिर में श्रीरामचरितमानस के पावन सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर भगवान श्रीराम एवं हनुमानजी की आराधना की। सुंदरकांड पाठ, भजन-कीर्तन और महाआरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। इस अवसर पर शहर के प्रथम महापौर विजेंद्र मिश्र राजा भैया ने पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भार्गव जनसेवा के प्रति समर्पित, सरल एवं संवेदनशील व्यक्तित्व के धनी हैं।

उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड की जनता उन्हें अपना मसीहा मानती है। वर्षों के राजनीतिक अनुभव और विकासोन्मुखी सोच के बल पर उन्होंने क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका सार्वजनिक जीवन सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना का प्रेरणास्त्रोत है। दिनभर आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से सेवा, संवेदना और धार्मिक आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े अनेक लोगों ने भी गोपाल भार्गव को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं सक्रिय सार्वजनिक जीवन की कामना की।

फोटो : विकास गुप्ता

जेल भेजा गया महिला से दुष्कर्म का आरोपी

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य व एसडीओपी विजयराघवगढ़ वीरेंद्र धार्वे के निर्देशन में, थाना प्रभारी विजयराघवगढ़ अभिषेक चौबे के नेतृत्व में विजयराघवगढ़ पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। 30 जून को विजयराघवगढ़ थाना क्षेत्र की पीड़िता के द्वारा की गई रिपोर्ट पर महिला थाने में जीरो एफआईआर करने के उपरांत थाने में अपराध धारा 296 (6), (332)(बी) 351 (3), 64 (1) 78(2) बीएनएस की असल कायमी की गई। पीड़िता के द्वारा बताया गया कि वह एक शादीशुदा महिला है और आरोपी की पत्नी पीडिता की सहेली है इसी वजह से आरोपी और पीड़िता का आपस में संपर्क हुआ। आरोपी पीड़िता से करीब दो माह से बात करने के लिए लगातार दबाव बना रहा था। चूंकि उसके पति कथा वाचने के लिए 15 से 20 दिनों के लिए घर से बाहर जाते रहते हैं इसी का फायदा उठाकर आरोपी प्रशांत उर्फ शेरा मिश्रा पिता सुंदरलाल मिश्रा उम्र 49 वर्ष, निवासी ग्राम बडगइयां सलैया थाना विजयराघवगढ़ के द्वारा, 15 जून को पीड़िता के ही घर में बलात्कार किया गया। पीड़िता के पति के वापस आने पर पीड़िता ने पूरी घटना बताई और फिर पुलिस में रिपोर्ट की। पीड़िता की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए आरोपी शेरा मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार किया और माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां पर उसे माननीय न्यायालय के द्वारा न्यायिक हिरासत में रखने के आदेश पर जिला जेल कटनी में दाखिल किया गया।

फोटो : विकास गुप्ता

विंबलडन के तीसरे दौर में पहुंचे जोकोविच

सितसिपास को 98 मिनट में सीधे सेटों में हराया, डिफेंडिंग चैंपियन सिनर की भी अगले राउंड में एंट्री

नई दिल्ली। नोवाक जोकोविच ने विंबलडन के तीसरे दौर में जगह बना ली है। 39 साल के सर्बियाई स्टार ने ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को महज 98 मिनट में सीधे सेटों में हराया। जोकोविच ने इस मैच को 6-3, 6-4, 6-2 से अपने नाम किया।

लंदन के सेंटर कोर्ट पर डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर ने भी संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की। उन्होंने पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस को हराया और टूर्नामेंट में लगातार 9वां मैच जीता। करीब 2 घंटे 32 मिनट चले मैच को सिनर ने 7-6 (7-4), 7-6 (7-2), 6-4 से जीता। जीत के बाद जोकोविच ने फैंस से बात करते हुए कहा, मुझे विंटेज शब्द पसंद है, यह सुनना अच्छा लगता है क्योंकि यह पुराने बेहतरीन दिनों की याद दिलाता है। जब आप कोर्ट पर इस तरह का खेल दिखाते हैं, तो आपको बहुत खुशी और संतुष्टि मिलती है। उन्होंने आगे कहा मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं।जब मैं विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर खेलता हूं, तो इन पलों को हल्के में नहीं लेता। यह मेरे बचपन के सपनों का टूर्नामेंट था। इस कोर्ट पर कदम रखना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

बॉल किड के साथ प्रैंक और रोरी मैक्लरॉय को चैलेंज

मैच के दौरान जोकोविच काफी रिलैक्स मूड में दिखे। तीसरे सेट से पहले ब्रेक के दौरान उन्होंने अपनी टी-शर्ट से धागा काट रही एक बॉल किड के साथ मजाक किया, जैसे कि उसने उन्हें चोट पहुंचा दी हो। जोकोविच ने रॉयल बॉक्स में बैठे गोल्फर रोरी मैक्लरॉय को मजाकिया अंदाज में टेनिस मैच खेलने का चैलेंज भी दे दिया। जोकोविच ने कहा कि जो भी यह मैच जीतेगा, उसे वह मास्टर्स ग्रीन ब्लेजर मिलेगा, जिसे पहनकर मैक्लरॉय मैच देखने आए थे।

डिफेंडिंग चैंपियन सिनर को बोर्गेस ने दी टक्कर

टूर्नामेंट के डिफेंडिंग चैंपियन और वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर को पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस के खिलाफ कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। वर्ल्ड रैंकिंग में 48वें नंबर पर काबिज बोर्गेस ने कई मौकों पर सिनर से बेहतर खेल दिखाया और दूसरे सेट में एक समय वे सेट पॉइंट तक पहुंच गए थे, लेकिन सिनर ने दबाव के क्षणों में अपना अनुभव दिखाया और वापसी की।

अब अगले दौर में रिंडरनेच से मुकाबला

टूर्नामेंट के अगले यानी तीसरे दौर में नोवाक जोकोविच का मुकाबला फ्रांस के 25वें सीड आर्थर रिंडरनेच से होगा। वहीं, जैनिक सिनर अगले दौर में अमेरिका के जेनसन ब्रूक्सबी से भिड़ेंगे जो वर्ल्ड रैंकिंग में 81वें नंबर पर हैं। सिनर के लिए यह जीत इसलिए अहम है।

बेल्जियम ने आखिरी मिनटों में पलटा पासा

सेनेगल को हराकर राउंड ऑफ 16 में बनाई जगह

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ 32 मैच में बेल्जियम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए सेनेगल को 3-2 से हराया और वर्ल्ड कप के अंतिम 16 में जगह बनाई। यूरी टाईलेमांस ने वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे देर से किया गया विनिंग गोल दागा। एक समय 2-0 की बढ़त बनाने के बाद सेनेगल 2002 में अपने डेब्यू के बाद पहली बार वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच जीतने की राह पर दिख रहा था। हालांकि, रोमेलु लुकाकू और टिलेमैंस के आखिरी पांच मिनट में गोल करने से मैच एक्स्ट्रा टाइम में चला गया, और फिर एस्टन विला के मिडफील्डर ने 125वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर मैच का रुख पूरी तरह पलट दिया।सेनेगल ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। 24वें मिनट में हबीब डियारा ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में 51वें मिनट पर इस्माइला सार ने शानदार फिनिश के साथ स्कोर 2-0 कर दिया।

आखिरी मिनटों में बेल्जियम का कमबैक

दो गोल से पिछड़ने के बावजूद बेल्जियम ने हार नहीं मानी और आखिरी मिनटों में दमदार वापसी करते हुए मैच का रुख बदल दिया। 86वें मिनट में स्टार स्ट्राइकर रोमेलू लुकाकू ने गोल दागकरर टीम की उम्मीदों को जिंदा रखा। इसके बाद 89वें मिनट में यूरी टाईलेमांस ने शानदार फिनिश करते हुए स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं और मुकाबला अतिरिक्त समय में पहुंच गया। मुकाबला जब पेनल्टी शूटआउट की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी 120+5वें मिनट में बेल्जियम को पेनल्टी मिल गई। यूरी टाईलेमांस ने बिना कोई गलती किए गेंद को बेहतरीन शॉट लगाते हुए गोलपोस्ट में पहुंचाया और बेल्जियम को 3-2 से जीत दिलाई।

टैलेंट सर्च 2026-27 बना खेल प्रतिभाओं का महाअभियान

प्रदेश के चयन ट्रायल्स में उमड़ा खिलाड़ियों का उत्साह, हजारों प्रतिभाओं ने दिखाई अपनी खेल क्षमता

भोपाल (स्वतंत्र मत)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश की उभरती खेल प्रतिभाओं की पहचान एवं उन्हें राज्य खेल अकादमियों में प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से टैलेंट सर्च 2026-27 का आयोजन किया जा रहा है। विभिन्न जिलों में चयन ट्रायल्स आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में खिलाड़ी उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस महाअभियान के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राज्य खेल अकादमियों में प्रशिक्षण प्राप्त करने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। अब तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में शूटिंग, पुरुष एवं महिला हॉकी, स्लालम, बैडमिंटन, घुड़सवारी, तीरंदाजी, जूडो, रोइंग, कुश्ती एवं फेंसिंग सहित अनेक खेलों के चयन ट्रायल्स सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं। प्रत्येक चयन स्थल पर बड़ी संख्या में बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी तकनीकी दक्षता, फिटनेस एवं खेल कौशल का प्रदर्शन किया। अभिभावकों एवं प्रशिक्षकों की सक्रिय भागीदारी ने भी इस अभियान को व्यापक जनसमर्थन प्रदान किया।

विशेषज्ञों की निगरानी में हुई चयन प्रक्रिया-चयन प्रक्रिया विभाग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप अनुभवी प्रशिक्षकों एवं विशेषज्ञ चयनकर्ताओं की निगरानी में संपन्न की जा रही है। खिलाड़ियों का परीक्षण शारीरिक दक्षता, तकनीकी कौशल तथा खेल विशेष की आवश्यकताओं के आधार पर किया जा रहा है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने अभिषेक

श्रेयस इंग्लैंड में फिफ्टी लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान

डरहम।

इंग्लैंड के खिलाफ बारिश के कारण यहां रद्द हुए पहले टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 24 गेंदों में 59 रन की आतिशी पारी के दौरान एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की। अभिषेक इस मैच में दो छक्के लगाते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। अभिषेक ने यह रिकार्ड केवल 785 गेंदों पर ही बना दिया। उन्होंने इस दौरान वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज एविन लुईस के रिकॉर्ड को तोड़ा। लुइस ने 789 गेंदों में अपने 100 छक्के लगाये थे। अभिषेक टी20 में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर आ गये हैं। दूसरे नंबर पर एविन लुईस (789 गेंद), फिन एलन (871 गेंद) के साथ ही तीसरे, टिम डेविड (931 गेंद) चौथे और कॉलिन मुनरो (963 गेंद) के साथ ही पांचवे नंबर रहे हैं। अभिषेक ने अपनी इस पारी के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के सबसे तेजी से 100 टी20 छक्के लगाने के रिकार्ड को भी तोड़ दिया। सूर्यकुमार ने 1007 गेंदों का सामना किया था। अभिषेक ने यह कारनामा सूर्यकुमार से 222 गेंद पहले ही कर दिखाया। अब वे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 या उससे अधिक छक्के लगाने वाले भारत के केवल पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में रोहित शर्मा (205 छक्के), सूर्यकुमार यादव (179 छक्के), हार्दिक पांड्या (126 छक्के) और विराट कोहली (124 छक्के) शामिल हैं, जिनके साथ अभिषेक ने 100 छक्के पूरे कर अपना नाम दर्ज कराया है। अभिषेक नाम अब 1450 से ज्यादा रन हैं और उनका स्ट्राइक रेट 190 से ऊपर है, जो 1000 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सबसे अधिक है। मैच की बात करें तो भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 189 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। हालांकि, इंग्लैंड की पारी शुरू होने से पहले ही बारिश आ गई और उसके नहीं रुकने पर मैच रद्द घोषित कर दिया गया।

पांड्या सीओई को स्थायी ट्रेनिंग बेस बनाने अब बेंगलुरु में ही रहेंगे

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अब बेंगलुरु में स्थायी रुप से रहेंगे। हार्दिक ने ये फैसला बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) को स्थायी ट्रेनिंग बेस बनाने को देखते हुए लिया है। हार्दिक लगातार फिटनेस को लेकर संघर्ष करते रहे है। इसी कारण उन्होंने सीओई को ही अपना घर बनाना तय किया है। पांड्या अभी मुंबई में ही रहते हैं। इस दौरान, वे मुख्य रूप से अपनी आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस की घंसोली स्थित अत्याधुनिक सुविधा में प्रशिक्षण लेते रहे हैं। हालांकि, क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण वह इंग्लैंड दौरे से बाहर हैं। पांड्या ने पिछले छह महीनों में सीओई में काफी समय बिताया है, जिसने उन्हें इस सुविधा की उपयोगिता और महत्व का अंदाजा हो गया है। बीसीसीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक पहले ही स्थायी रूप से बेंगलुरु में शिफ्ट हो चुके हैं। उन्होंने शहर के बाहरी इलाके में, सीओई के बिल्कुल करीब एक किराये पर एक घर लिया है। वह अपने करियर के बाकी समय के लिए सीओई को अपना स्थायी ट्रेनिंग बेस बनाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर होंगे।

सोने की चमक फीकी, चांदी में उछाल

सोने का भाव 1,43,882 रुपए, चांदी 2,31,196 रुपए

नई दिल्ली। कारोबार की शुरुआत में गुरुवार को सोना वायदा नरमी के साथ खुला, जबकि चांदी में तेजी दर्ज की गई। यह रुझान घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और अंतरराष्ट्रीय कॉमेक्स दोनों बाजारों में दिखा। हालांकि, 1 जुलाई को फेड रिजर्व चेयरमैन केविन वार्श के अमेरिकी महंगाई जोखिम कम होने के बयान के बाद दामों में सुधार हुआ था, अब निवेशकों की निगाहें गुरुवार को जारी होने वाले अमेरिकी जॉब डेटा पर टिकी हैं। घरेलू एमसीएक्स पर सोने का अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 548 रुपये की गिरावट के साथ 1,43,882 रुपये पर खुला, जो खबर लिखे जाने तक 246 रुपये की गिरावट के साथ 1,44,184 रुपये पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 812 रुपये की तेजी के साथ 2,31,196 रुपये पर खुला और फिलहाल 1,322 रुपये की तेजी के साथ 2,31,706 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोना 3.30 डॉलर की गिरावट के साथ 4,079.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है, जबकि चांदी 0.13 डॉलर की मामूली तेजी के साथ 60.64 डॉलर प्रति औंस पर है। 1 जुलाई को फेड रिजर्व चेयरमैन केविन वार्श ने अमेरिका में महंगाई का जोखिम कम होने की बात कही थी।

मारुति ब्रेजा फेसलिफ्ट के नाम से जल्द होगी लॉन्च

नईदिल्ली। मारुति सुजुकी का अपडेटेड मॉडल मारुति ब्रेजा फेसलिफ्ट के नाम से जल्द ही भारतीय सड़कों पर उतरेगा। हालांकि कंपनी ने अभी तक इसकी आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है, उम्मीद है कि ब्रेजा फेसलिफ्ट के फ्रंट बंपर, ग्रिल और हेडलाइट्स में नए डिज़ाइन देखने को मिलेंगे। इंटीरियर में भी महत्वपूर्ण अपडेट्स की उम्मीद है, जिसमें एक नया इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और अन्य आधुनिक फीचर्स शामिल हो सकते हैं।

गेहूं, दालों के दामों में तेजी का रुख

खाद्य तेलों में घट-बढ़ का दौर जारी

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया।चावल के साथ गेहूं और दालों में भी तेजी रही।चीनी के दाम पड़े रहे जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया।औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 15 रुपये चढ़कर 3,946 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी।गेहूं पांच रुपये महंगा हुआ और 2,805 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।आटे की कीमत स्थिर रही।दाल-दलहनों में तेजी रही।उड़द दाल की औसत कीमत 35 रुपये और मूंग दाल की 15 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।मसूर दाल 13 रुपये और चना दाल छह रुपये महंगी हुई। तुअर दाल के भाव में टिकाव देखा गया।मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा 50 रिंगिट गिरकर 4,507 रिंगिट प्रति टन रह गया।दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.44 प्रतिशत की गिरावट में 65.13 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया।स्थानीय बाजार में मूंगफली तेल की औसत कीमत 88 रुपये और सरसों तेल की 23 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।पाम ऑयल 15 रुपये और सोया तेल 12 रुपये मजबूत हुआ।वहीं, वनस्पति का भाव 14 रुपये टूट गया।सोया तेल 12 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।

नई गाड़ी खरीदने पर आपको तुरंत पीयूसी बनवाने की जरुरत नहीं

नई दिल्ली। नए वाहन मालिकों के मन में सबसे आम सवाल यह उठता है कि क्या शोरूम से गाड़ी निकालते ही प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र (पीयूसी) बनवाना अनिवार्य है? इसका सीधा जवाब है कि नई गाड़ी खरीदने पर आपको तुरंत अपनी जेब से पैसे खर्च करके पीयूसी बनवाने की कोई आवश्यकता नहीं होती। इसके लिए आपको भारत सरकार के नियमों को समझना बेहद ज़रूरी है। भारत सरकार के मोटर वाहन अधिनियम 1989 (सीएमवीआर, 1989) के तहत नए वाहनों को इस नियम से विशेष छूट प्राप्त है। वाहन निर्माता कंपनियां गाड़ी को शोरूम में भेजने से पहले ही कड़े प्रदूषण मानकों पर उसकी जांच करती हैं। इसी कारण, नई गाड़ी के पंजीकरण की तारीख से लेकर पूरे एक साल तक, कंपनी द्वारा जारी किया गया प्रदूषण सर्टिफिकेट ही पूरी तरह से वैध माना जाता है। यानी, शुरुआती एक साल तक आपको किसी भी पीयूसी केंद्र पर जाने की ज़रूरत नहीं है। जैसे ही आपकी गाड़ी को सड़क पर उतरे एक साल पूरा हो जाता है, यह शुरुआती छूट समाप्त हो जाती है। इसके बाद, आपको नज़दीकी अधिकृत पीयूसी केंद्र पर जाकर अपनी गाड़ी की प्रदूषण जांच करवानी होगी। एक साल से पुरानी गाड़ियों के लिए पीयूसी सर्टिफिकेट की वैधता आमतौर पर छह महीने की होती है।

हालांकि, यदि आपकी गाड़ी नए मानकों वाली बीएस4 या बीएस6 श्रेणी की है, तो कई राज्यों में इसका सर्टिफिकेट सीधे एक साल के लिए भी नवीनीकृत कर दिया जाता है। यदि आप पीयूसी को नवीनीकृत कराना भूल जाते हैं या बिना वैध पीयूसी के गाड़ी चलाते पकड़े जाते हैं, तो मोटर वाहन अधिनियम के तहत आपको भारी जुर्माना भरना पड़ सकता है। इसमें 10,000 रुपये तक का भारी चालान शामिल है, और ट्रैफिक पुलिस आपका ड्राइविंग लाइसेंस तीन महीने के लिए निलंबित भी कर सकती है।

कमज़ोर मॉनसून से बिगड़ेगा किचन का बजट, दूध, दाल, सब्ज़ियां होंगी महंगी

जुलाई और अगस्त में होने वाली बारिश ही तय करेगी महंगाई

नई दिल्ली। उत्तर भारत सहित देश के कई हिस्सों में मॉनसून का इंतज़ार अभी भी बरकरार है, लेकिन मौसम विभाग के अनुमान ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अगर इस बार मॉनसून उम्मीद से कमजोर रहता है, तब इसका सीधा असर न सिर्फ खेती पर पड़ेगा, बल्कि हर घर के किचन बजट पर भी भारी पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि कम बारिश होने की स्थिति में दूध, दाल, सब्जि़यों और तिलहन जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में इजाफा हो सकता है, जिससे आने वाले महीनों में आम लोगों का किराना बिल बढ़ जाएगा। मौसम विभाग ने जून से सितंबर के बीच सामान्य से लगभग 90 प्रतिशत बारिश का अनुमान जताया है। यदि यह अनुमान सही साबित होता है और लंबे समय तक कम बारिश रहती है, तब कृषि और पशुपालन दोनों बुरी तरह प्रभावित हो सकते है। हालांकि, जुलाई और अगस्त में होने वाली बारिश ही तय करेगी कि महंगाई कितनी बढ़ेगी। फिलहाल, सरकार और कृषि विशेषज्ञ स्थिति पर पैनी नज़र बनाए हुए हैं।

कमज़ोर मॉनसून का एक बड़ा असर पशुओं के चारे की उपलब्धता पर पड़ेगा। हरे चारे की कमी से पशुपालकों की लागत बढ़ जाएगी, जिसका सीधा प्रभाव दूध उत्पादन पर दिखेगा। उत्पादन घटने पर डेयरी कंपनियां दूध की कीमतें बढ़ा सकती हैं। उद्योग से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि यदि मॉनसून कमजोर रहता है, तब जुलाई के दौरान दूध के दाम में 3 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इसका असर सिर्फ दूध ही नहीं, बल्कि दही, पनीर, घी और मक्खन जैसे अन्य डेयरी उत्पादों पर भी पड़ेगा। इसी प्रकार, कम बारिश खरीफ सीज़न की बुवाई को भी प्रभावित कर सकती है।

अरहर (तूर), उड़द और अन्य दालों की खेती मॉनसून पर अत्यधिक निर्भर करती है। समय पर अच्छी बारिश न होने से इन फसलों का उत्पादन घट सकता है, जिससे देश को अपनी ज़रूरतें पूरी करने के लिए दालों का आयात बढ़ाना पड़ सकता है। यदि आयात महंगा हुआ, तब बाज़ार में दालों और खाद्य तेलों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।

तैयार की जा रही वैकल्पिक योजनाएं

सब्ज़ियां भी आम लोगों की जेब ढीली कर सकती हैं। कम बारिश से टमाटर, हरी सब्ज़ियों और अन्य जल्दी खराब होने वाली फसलों की आपूर्ति बाधित हो सकती है। इसका सीधा असर स्थानीय मंडियों और खुदरा बाज़ार में देखने को मिलेगा, जहाँ कीमतें तेज़ी से बढ़ सकती हैं। मक्का और कुछ अन्य खरीफ फसलें भी प्रभावित होने की आशंका है। मुख्य फसलों पर फिलहाल बड़ा असर नहीं माना जा रहा है, क्योंकि इनके लिए सिंचाई की बेहतर व्यवस्था और सरकारी भंडार उपलब्ध हैं। फिर भी, यदि बारिश लंबे समय तक सामान्य से कम रहती है, तो खाद्य महंगाई बढ़ने की संभावना बनी रह सकती है।

संभावित अल्प वर्षा से निपटने के लिए सभी विभाग करें समन्वित तैयारीः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

कम पानी और कम अवधि वाली फसलें अपनाने के लिए किसानों को करें प्रेरित, पूर्व चेतावनी के लिए बनाए जाएंगे राज्य स्तरीय जल डैशबोर्ड

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

प्रदेश में संभावित अल्प वर्षा को देखते हुए राज्य सरकार ने जिला स्तर पर एक्शन प्लान तैयार किया है। इसके लिए हर जिले में कलेक्टर की अध्यक्षता में जल संकट आकस्मिक योजना बनाई जाएगी। इसके साथ ही सरकार द्वारा रियल-टाइम मॉनिटरिंग एवं पूर्व चेतावनी प्रणाली के लिए राज्य स्तरीय जल डैशबोर्ड बनाए जाएंगे। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन की ग्रामवार समीक्षा करके बंद, अपूर्ण नल-जल योजनाओं की मरम्मत का 90 दिवसीय अभियान चलाया जाएगा। यह निर्णय गुरुवार को मंत्रालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में हुई बैठक में लिया गया। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि संभावित अल्प वर्षा की स्थिति को चुनौती नहीं, बल्कि बेहतर योजना, वैज्ञानिक खेती और समयबद्ध तैयारी के अवसर के रूप में लिया जाए। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए किसानों को समय पर आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराएं, ताकि प्रदेश में कृषि उत्पादन और किसानों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

व्यापक स्तर पर चलाया जाए जागरुकता अभियान

गुरुवार को मंत्रालय में इस वर्ष प्रदेश में संभावित अल्प वर्षा की स्थिति को देखते हुए बुलाई गई बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि किसान मौसम की चुनौतियों का सामना वैज्ञानिक सोच और उचित तैयारी के साथ करे। समय पर सही निर्णय और विभागों के प्रभावी समन्वय से हम संभावित अल्प वर्षा के प्रभाव को काफी हद तक कम कर सकते हैं। किसान कल्याण एवं कृषि विकास, जल संसाधन, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सहित अन्य संबंधित विभागों की अब तक की पूर्व तैयारियों की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को कम पानी और कम अवधि में तैयार होने वाली फसलों की खेती के लिए व्यापक स्तर पर जागरुक किया जाए।

उन्होंने ज्वार, बाजरा, उड़द, मूंग, तुअर तथा कोदो-कुटकी जैसी मोटे अनाज एवं दलहनी फसलों को अपनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि ये फसलें कम पानी में भी बेहतर उत्पादन देने के साथ किसानों के लिए अधिक लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं।

अफसर किसानों से जल्दबाजी में बोनी नहीं करने करेंगे अपील

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को जल्दबाजी में बुआई नहीं करने के लिए भी प्रेरित किया जाए। खेतों में पर्याप्त नमी बनने के बाद ही बुआई की जाए और नमी संरक्षण के उपाय अपनाए जाएं। साथ ही कम समय में अधिक उत्पादन देने वाली उन्नत किस्मों और आधुनिक कृषि तकनीकों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कृषि वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों के सुझावों को प्रभावी ढंग से किसानों तक पहुंचाया जाए, ताकि वे स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप उपयुक्त फसल का चयन कर सकें। इसके लिए कृषि विस्तार तंत्र को और अधिक सक्रिय बनाया जाए।

अगले दो वर्षों की तैयारी

प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में वैकल्पिक स्रोतों का चिन्हांकन एवं टैंकर व्यवस्था की आकस्मिक योजना तैयार कर अमृत 2.0 के अंतर्गत जलप्रदाय योजनाओं का समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन की ग्रामवार समीक्षा, बंद, अपूर्ण नल-जल योजनाओं की मरम्मत का 90 दिवसीय अभियान चलाया जाएगा। जलाभिषेक 2.0 के तहत प्रदेश में पुराने तालाबों, बावड़ियों, कुओं एवं अन्य जल संरचनाओं का सर्वे एवं जीर्णोद्धार, मनरेगा अभिसरण से प्रति विकासखंड न्यूनतम 100 जल संरचनाओं का पुनर्जीवन दो वर्षों में किया जाएगा। भूजल पुनर्भरण अभियान के तहत सभी विकासखंडों में रिचार्ज शाफ्ट, चेक डैम, स्टॉप डैम एवं खेत-तालाब निर्माण का मिशन मोड कार्यक्रम; खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में सिद्धांत पर चलाया जाएगा। नहरों की सफाई मरम्मत रबी से पूर्व पूर्ण, टेल-एंड तक पानी पहुंचाने की जवाबदेही तय की जायेगी।

प्रधानमंत्री के 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को साकार करने की दिशा में मध्यप्रदेश निरंतर अग्रसर

सहकारी सप्ताह के अंतर्गत राज्य स्तरीय सहकारी प्रदर्शनी का शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारी सप्ताह के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय सहकारी प्रदर्शनी का शुभारंभ गुरुवार को सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मंत्री श्री सारंग ने फीता काटकर प्रदर्शनी का विधिवत उद्घाटन किया तथा विभिन्न सहकारी संस्थाओं, राष्ट्रीय सहकारी संगठनों, शासकीय विभागों, महिला स्व-सहायता समूहों एवं उत्पादक संगठनों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शित उत्पादों, नवाचारों एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर प्रतिनिधियों से संवाद किया तथा सहकारिता आधारित आर्थिक गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर बल दिया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश में विकास, जनकल्याण और रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए निरंतर नए-नए प्रकल्पों पर कार्य कर रहे हैं। सहकारिता इस विकास यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण आयाम है। इसी दृष्टि से प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश में पृथक सहकारिता मंत्रालय का गठन किया तथा देश के केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को इसकी जिम्मेदारी सौंपी।

आज सहकारिता के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 29 जून से 5 जुलाई तक पूरे मध्यप्रदेश में 'सहकारी सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सहकारिता की अवधारणा को जन-जन तक पहुँचाया जा रहा है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि यह प्रदर्शनी सहकारिता से जुड़े सभी प्रमुख आयामों की व्यापक झलक प्रस्तुत करती है। इसके माध्यम से प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों, उपलब्धियों, नवाचारों और योजनाओं का प्रभावी प्रदर्शन किया गया है। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाएँ नवाचार के माध्यम से जो गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार कर रही हैं, उनका प्रदर्शन भी इस प्रदर्शनी में किया जा रहा है। इससे सहकारी संस्थाओं को नए बाजार उपलब्ध होंगे, उत्पादों का प्रचार-प्रसार होगा तथा प्रदेश में सहकारिता आंदोलन को और अधिक मजबूती मिलेगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सहकारिता प्रधानमंत्री श्री मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को साकार करने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

किसानों, महिलाओं, युवाओं, कारीगरों एवं ग्रामीण उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में सहकारी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

आत्महत्या और मारपीट दोनों एंगल से जांच में जुटी पुलिस

हटा (स्वतंत्र मत)। गैसाबाद थाना क्षेत्र के हिनौता गांव निवासी 40 वर्षीय संतोष अहिरवार की संदिग्ध परिस्थितियों में गुरुवार दोपहर हटा सिविल अस्पताल में मौत हो गई। परिजनों ने गांव के दो लोगों पर पैसों के लेनदेन को लेकर मारपीट करने का आरोप लगाया है और पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है तथा मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार संतोष अहिरवार ने कुछ लोगों को ब्याज पर पैसे दिए थे। गुरुवार दोपहर वह संदिग्ध अवस्था में खेत पर मिले। परिजन उन्हें तत्काल हटा सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मामले की जांच आत्महत्या और मारपीट, दोनों एंगल से की जा रही है। मृतक के गले पर फांसी के फंदे जैसे निशान भी पाए गए हैं जिससे मामला और संदिग्ध हो गया है।

मृतक के बड़े भाई कूरा अहिरवार ने बताया कि उनके छोटे भाई ने बाबा और चिरकोटी अहिरवार नामक युवकों को पैसे दिए थे। जब खेत की बोनी के लिए पैसे वापस मांगे गए तो दोनों ने देने से मना कर दिया। उनका आरोप है कि संतोष ने करीब तीन एकड़ जमीन बेचकर यह रकम उधार दी थी। कूरा अहिरवार के अनुसार भाई का फोन आया था कि खेत पर उसके साथ मारपीट हो रही है। सूचना मिलते ही हम खेत पहुंचे तो वह बेहोशी की हालत में मिला। पहले घर लाए, पानी पिलाया, फिर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी शांति अहिरवार ने भी आरोप लगाया कि उनके पति ने बाबा और चिरकोटी को ब्याज पर पैसे दिए थे लेकिन वे रकम लौटाने से बच रहे थे। उन्होंने कहा कि सुबह पति का फोन आया था और उन्होंने बताया कि दोनों लोग उनके साथ मारपीट कर रहे हैं। इसके बाद फोन बंद हो गया। गैसाबाद थाना प्रभारी सौरभ शर्मा ने बताया कि हटा थाने से सूचना मिली थी कि हिनौता निवासी संतोष अहिरवार की फांसी लगने से मौत हुई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

5 किलो 93 ग्राम गांजा लिए एक आरोपी गिरफ्तार

दमोह (स्वतंत्र मत)। कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को 5 किलो 93 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी द्वारा जिले में अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने के उद्देश्य से अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध ऑपरेशन क्लीन चलाये जाने हेतु आदेशित किया गया है। उक्त आदेश के पालन में पुलिस अधीक्षक दमोह के निर्देशन अति. पुलिस अधीक्षक दमोह सुजीत सिंह भदौरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक एचआर पांडेय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में 29 जून को कोतवाली पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी कार्तिक पिता भगवानदास संसिया 22 साल निवासी घनश्यामपुरा थाना बटियागढ जिला दमोह के कब्जे से 5 किलो 93 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती 75000 रुपये का जप्त किया गया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर थाना कोतवाली दमोह में अपराध क्र 621/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी को माननीय न्यायालय पेश किया जायेगा। सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी निरीक्षक मनीष कुमार थाना प्रभारी कोतवाली, उनि नीतेश जैन, प्रआर घासीराम, आर. ब्रिजेन्द्र मिश्रा, नरेन्द्र पटेरिया थाना कोतवाली दमोह।

बैठक 8 जुलाई को

दमोह। जिला खनिज प्रतिष्ठान मद मंडल बोर्ड की बैठक 8 जुलाई को प्रात: 11 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई है।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS RIYAZUDDIN I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS RIYAZUDDIN ANSARI S/O HAFIZ KHALEEL RESIDENT OF 682/2, NAI BASTI GOHALPUR, DR. ZAKIR HUSSAIN WARD, JABALPUR (M. P.) 482001.

आम सूचना

मै, अपनी पक्षकार कम्पनी की ओर से पूर्ण रूप से अधिकृत होकर आम जनता को यह सूचित करता हूँ कि मेरी पक्षकार कम्पनी द्वारा श्रेयांक सराफ आ. रजनीश सोनी को अचल सम्पत्ति जो कि मौजा बिलहरी, नं. ब. 50, प.ह.नं. 21, सार्किल बिलहरी, पुराना खसरा क्रमांक 86 नामांतरण पश्चात नया खसरा क्रमांक 71/1/12 कुल प्लाट क्षेत्रफल 1000 वर्गफुट तहसील व जिला जबलपुर स्थित अचल सम्पत्ति को बंधक रख कर ऋण सुविधा देना प्रस्तावित है उक्त सम्पत्ति को श्रेयांक सराफ द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 23.04.2024 क्रमांक एमपी 182542024 ए 1496124 के द्वारा विक्रेता तरूण कुमार फ्रासिंस से क्रय किया था उक्त वर्णित सम्पति से सबंधित मूल लिंक विक्रय पत्र दिनांक 23.12.1987 दस्तावेज क्रमांक 3937 जो कि पास्कोल फ्रासिंस के नाम पर है कही गुम हो चुका है तथा बहुत ढूंढने पर मिल नहीं रहा है वर्तमान दिनांक तक उक्त वर्णित मूल विक्रय विलेख अप्राप्त है उक्त वर्णित विक्रय पत्र के दुरूपयोग को रोकने हेतु यह आम सूचना दी जा रही है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति, वित्तीय, शासकीय, अर्द्धशासकीय संस्था या किसी व्यक्ति को उक्त सम्पत्ति के बंधक रख कर श्रेयांक सराफ आ. रजनीश सोनी को सम्पति बंधक रख कर ऋण सुविधा देने में आपत्ति है, उक्त गुम हुये मूल लिंक विक्रय पत्र में अपना हित रखता है, सम्पत्ति पर अपना दखल रखता है, उक्त सम्पत्ति से हितबद्ध है तो आज दिनांक से 07 दिवस के अंदर मुझे सूचित करें अन्यथा श्रेयांक सराफ आ. रजनीश सोनी को उक्त वर्णित सम्पत्ति बंधक रख कर ऋण सुविधा प्रदान कर दी जावेगी तथा इस सूचना पत्र मे वर्णित सम्पत्ति को ऋण प्रतिभूति के तौर पर बंधक रख लिया जावेगा तथा तत्पश्चात कोई भी आपत्ति बंधनकारी नही होगी।

जबलपुर, दिनांक 02.07.2026

हर्षित पटेल (एडवोकेट)
म.प्र. उच्च न्यायालय, जबलपुर
मो.नं. 9893333246

विकसित भारत जी रामजी अधिनियम से बदलेगी ग्राम पंचायतों की तस्वीर और तकदीर : सांसद लोधी

ग्राम पंचायत हथना में विकसित भारत गारंटी जिला स्तरीय जन सम्मेलन लॉन्च कार्यक्रम संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी श्विकसित भारत जी राम जी योजना का शुभारंभ गुरुवार 2 जुलाई से हो गया है। यह योजना ग्राम पंचायतों की तकदीर और तस्वीर बदलने वाली साबित होगी। 7500 करोड़ रूपये से अधिक के वित्तीय प्रावधान के साथ यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास, रोजगार सृजन और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को वर्ष में 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी प्रदान की जाएगी। मजदूरी का भुगतान 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा तथा निर्धारित समय में कार्य उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ते का भी प्रावधान किया गया है। इस आशय के विचार दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी ने ग्राम पंचायत हथना में विकसित भारत गारंटी जिला स्तरीय जन सम्मेलन लॉन्च कार्यक्रम में व्यक्त किए।

सांसद श्री लोधी ने कहा योजना के माध्यम से डिजिटल जॉब कार्डए तकनीक आधारित कार्य प्रबंधन प्रणाली तथा समयबद्ध एवं पारदर्शी भुगतान व्यवस्था लागू की गई है जिससे लाभार्थियों को अधिक सुविधा और पारदर्शिता मिलेगी। उन्होंने कहा इस योजना में मनरेगा की तुलना में अधिक मजदूरी का प्रावधान किया गया है। मजदूरी दर लगभग 300 रूपये प्रतिदिन या उससे अधिक निर्धारित की गई है जिससे ग्रामीण श्रमिकों की आय में वृद्धि होगी। उन्होने कहा विकसित भारत जी राम जी योजना के अंतर्गत जल संरक्षण, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, ग्रामीण सड़कों का निर्माण, वृक्षारोपण तथा टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण पर विशेष बल दिया जाएगा। इसके साथ ही ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल विकास एवं आजीविका के नए अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे जिससे गांवों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सांसद ने कहा विकसित भारत जी राम जी योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगी, रोजगार के अवसरों में वृद्धि करेगी तथा गांवों के समग्र एवं सतत विकास की मजबूत आधारशिला रखेगी। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। साथ ही इस योजना के लिए उनके द्वारा प्रधानमंत्री, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया।

डॉ. हीरालाल बने चिकित्सा शिक्षा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार डॉक्टर एवं चिकित्सा शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुदीप पाठक द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मानक पटेल, पूर्व विधायक अजय टंडन पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रतनचंद जैन, प्रताप सिंह, मनु मिश्रा की अनुशंसा पर डॉ. हीरा लाल अहिरवार को डॉक्टर एवं चिकित्सा शिक्षा प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है।

विशेष लोक अदालत का आयोजन 18 को

दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुभाष सोलंकी के मार्गदर्शन में 18 जुलाई को धारा 138 नेगोशियेबल इन्सट्रूमेन्ट एक्ट चैक अनादरण के अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन जिला एवं तहसील स्तर पर किया जा रहा है उक्त विशेष लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित बैंक अनादरण प्रकरण एवं प्रिलिटिगेशन प्रकरण भी रखे जावेगें। उक्त विशेष लोक अदालत के लिये प्रथम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संतोष गुप्ता को जिला समन्वयक नियुक्त किया गया है विशेष लोक अदालत हेतु न्यायालयों में लंबित चैक अनादरण के प्रकरणों में न्यायालय द्वारा संबंधित पक्षकारों को सूचना पत्र जारी कर पक्षकारों से विशेष लोक अदालत में प्रकरण के निराकरण हेतु प्रयास किये जाकर उनकी सहमति बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 02/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति डिंपल प्रसन्ना पति के.व्ही. प्रसन्ना ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक म.नं. 28 नर्मदा चैतन्य सिटी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 2000223458 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 850 व.फु. प्रथम तल 800 व.फु. द्वितीय तल 100 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री/श्रीमती दीपा पटैल पिता/पति अरविंद कुमार पटैल का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक 05 नगर पालिक निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 05/2026-27/31
दिनांक 02/07/2026

भवन नामांतरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्री सतेन्द्र कु. जैन, श्री शेखरचंद जैन (2) प्रशांत कु. जैन, महेन्द्र कु. जैन ने भवन क्र. 383 का भाग वार्ड जवाहरगंज क्षेत्रफल 1515 व.फु. भूतल 1515 प्लाट विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं. 383 का भाग पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्री/श्रीमति/कु. मधुर/ सत्यप्रकाश/ सुषमा/ ओमप्रकाश/ आभा/ अशोक ने पिन नं. 1000391611 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथी से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्र. 05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक 05, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र. / सं.क्र.11/2026-27
दिनांक 02.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सविता यादव पति स्व. राजेश यादव ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चंद्र बनर्जी के भवन क्रमांक 7 गोलछा अपार्टमेंट साउथ सिविल लाइन्स सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000400525 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 673 वर्गफुट पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रयपत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री सिद्धार्थ सिंह पिता वीरेन्द्र सिंह का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र. / सं.क्र.11/2026-27
दिनांक 02.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्रीमती मीनल सिंह पति देवेन्द्र सिंह (2) श्री देवेन्द्र सिंह पिता शंकर्षण सिंह ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक बी46 आर्मी वेलफेयर आर्गेनाइजेशन सोसायटी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1001809621 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 859 वर्गफुट प्रथमतल 860 वर्गफुट पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रयपत्र के आधार पर निगम में दर्ज सतिन्दर पाल सिंह कोहली पिता भूपेन्द्र सिंह कोहली का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक 05 नगर पालिक निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 05/2026-27/32
दिनांक 02/07/2026

भवन नामांतरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्री सतेन्द्र कुमार/ शेखर चंद (2) रोहित जैन/ राजा कु. जैन (3) अभिषेक जैन/ मुकेश कु. जैन ने भवन क्र. 383 का भाग वार्ड जवाहरगंज क्षेत्रफल 801 व.फु. भूतल 801 प्लाट विक्रय पत्र के आधार पर निगम द्वारा मकान नं. 383 का भाग पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्री मधुर/ सत्यप्रकाश/ सुषमा/ ओमप्रकाश/ आभा/ अशोक ने पिन नं. 1000391611 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथी से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्र. 05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक 05, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक 05 नगर पालिक निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 05/2026-27/34
दिनांक 02/07/2026

भवन नामांतरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्री सतेन्द्र कु. जैन/शिखर जैन (2) अभिषेक जैन/ स्व. मुकेश जैन (3) सविता जैन/ अजीत जैन ने भवन क्र. 383 का भाग वार्ड जवाहरगंज क्षेत्रफल 2248 व.फु. भूतल 2248 प्लाट विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं..... पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्री मधुर/ सत्यप्रकाश/ सुषमा/ ओमप्रकाश/ आभा/ अशोक ने पिन नं. 1000391611 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथी से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्र. 05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक 05, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक 05 नगर पालिक निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 05/2026-27/33
दिनांक 02/07/2026

भवन नामांतरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्री सिद्धार्थ शर्मा/श्री हरिओम शर्मा (2) रोहित जैन/ श्री राजा कु. जैन ने भवन क्र. 383 का भाग वार्ड जवाहरगंज क्षेत्रफल 2175 व.फु. भूतल 2175 प्लाट विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं. 383 का भाग पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्री मधुर/सत्यप्रकाश/ सुषमा/ ओम प्रकाश/ आभा/ अशोक ने पिन नं. 1000391611 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथी से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्र. 05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक 05, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक 05 नगर पालिक निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 05/2026-27/30
दिनांक 02/07/2026

भवन नामांतरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्री सिद्धार्थ शर्मा/ हरिओम शर्मा (2) प्रशांत कु. जैन/ महेन्द्र कु. जैन ने भवन क्र. 383 का भाग वार्ड जवाहरगंज क्षेत्रफल 1380 व.फु. भूतल 1380 प्लाट विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं..... पर नामांतरण हेतु पंजीकृत हेतु स्वामी श्री मधुर/ सत्यप्रकाश/ सुषमा/ ओमप्रकाश/ आभा/ अशोक ने पिन नं. 1000391611 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथी से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्र. 05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक 05, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कॉलोनी जबलपुर में भवन क्रमांक LIG-1126 कु. अंकिता श्रीवास्तव पिता स्व. श्री राकेश श्रीवास्तव के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 17.03.2019 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन कु. अंकिता श्रीवास्तव पिता स्व. श्री राकेश श्रीवास्तव ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 14.05.2026 के माध्यम से श्री संजय शर्मा पिता श्री केशरी प्रसाद शर्मा को विक्रय किया है। अतः श्री संजय शर्मा पिता श्री केशरी प्रसाद शर्मा द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरणा हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

▶▶ गोरखपुर थाना क्षेत्र में वारदात, जांच में जुटी पुलिस

शराब के लिए रूपये ना देने पर घोंपा चाकू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोरखपुर थाने में 27 वर्षीय शुभम गुप्ता निवासी इंद्रानगर गली नम्बर 2 गोरखपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि फुल्की का ठेला नगर निगम के सामने लगाता है शाम को अपने फुल्की ठेले पर था। उसी समय केशु निवासी सेठीनगर आकर उससे एक हजार रूपये मांगने लगा, रूपये देने से मना करने पर गाली गलौज करते हुये चाकू से हमलाकर घायक करते हुए जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

▶▶ जलभराव से जंग के लिए मैदान में उतरा नगर निगम

युद्धस्तर पर नालों की सफाई जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर में मानसून की दस्तक के साथ ही नागरिकों को जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर निगम प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। जलभराव की स्थिति से निपटने और आम जनता को असुविधा से बचाने के लिए निगम के स्वच्छता मित्र और तकनीकी टीमें दिन-रात मुस्तैद हैं। जल निकासी व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त करने के लिए पूरे शहर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शहर के सभी मुख्य नालों और वार्डों की छोटी-बड़ी नालियों की सफाई का कार्य जा रहा है। नालों में जमा कचरा, गाद और प्लास्टिक को हटाने के लिए आधुनिक मशीनों के साथ सफाई कर्मचारियों की टीमें तैनात की गई हैं।

बरगी क्रूज हादसाः 13 लोगों की जान लेने वाले क्रूज के साक्ष्य सुरक्षित रखने 2 माह बाद जागा जांच आयोग

इंजन और जनरेटर को सुरक्षित रखने के आदेश, लोगों ने जताई आपत्ति

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

बरगी क्रूज हादसे की जांच कर रहे आयोग ने पर्यटन विभाग को दुर्घटनाग्रस्त बरगी क्रूज के दोनों इंजन और जनरेटर को मौके से हटाकर सुरक्षित स्थान पर रखने के आदेश दिए हैं। आयोग का मानना है कि बारिश के दौरान बरगी बांध का जलस्तर बढ़ने से ये महत्वपूर्ण साक्ष्य क्षतिग्रस्त हो सकते हैं, जिससे जांच प्रभावित होने की आशंका है।

इधर जस्टिस संजय द्विवेदी की अध्यक्षता वाले जांच आयोग ने कहा है कि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर इंजन और जनरेटर की तकनीकी जांच कराई जा सकती है। इसके लिए इन उपकरणों को सुरक्षित रखना जरूरी है। आयोग ने यह भी निर्देश दिए हैं कि बरगी क्रूज के अन्य अवशेषों को भी सुरक्षित स्थान पर रखा जाए और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जिम्मेदारी संबंधित तहसीलदार को सौंपी गई है।

छेड़छाड़ होने की आशंका - बताया जा रहा है कि आयोग के इस निर्देश पर कुछ लोगों ने आपत्ति भी जताई है। उनका कहना है कि हादसे को 2 महीने से अधिक समय बीत चुका है और इस दौरान इंजन तथा जनरेटर के साथ छेड़छाड़ होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसे में अब इन्हें सुरक्षित रखने का निर्णय काफी देर से लिया गया है। इससे पहले नागरिक उपभोक्ता मंच ने भी आयोग के समक्ष आपत्ति दर्ज कराते हुए आशंका व्यक्त की थी कि बरगी बांध का जलस्तर बढ़ने पर दुर्घटनास्थल पर मौजूद महत्वपूर्ण साक्ष्य पानी में डूब सकते हैं। इससे हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाने में कठिनाई हो सकती है।

विशेषज्ञों की मदद से होगी जांच

उल्लेखनीय है कि बरगी बरगी क्रूज हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए जस्टिस संजय द्विवेदी की अध्यक्षता में जांच आयोग का गठन किया था। आयोग हादसे के कारणों की जांच कर रहा है और जल्द ही विशेषज्ञों की मदद से क्रूज की तकनीकी जांच भी कराई जाएगी।

सीहोर स्टेशन पर रूकेगी जबलपुर-इंदौर ओवरनाइट एक्सप्रेस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रेल मंत्रालय ने यात्रियों की बेहद मांग और सुविधा को ध्यान में रखते हुए इंदौर-जबलपुर-इंदौर ओवरनाइट एक्सप्रेस का सीहोर रेलवे स्टेशन पर प्रायोगिक ठहराव मंजूर कर दिया है। यह नई व्यवस्था 2 जुलाई से प्रभावी कर दी गई है, जिससे अब स्थानीय यात्रियों को इंदौर और जबलपुर दोनों ही दिशाओं में आने-जाने के लिए एक बेहतर विकल्प मिल सकेगा। गाड़ी संख्या 22191 इंदौर-जबलपुर ओवरनाइट एक्सप्रेस प्रतिदिन सीहोर रेलवे स्टेशन पर रात 22:26 बजे पहुंचेगी और 22:28 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। यानी इस दिशा में ट्रेन को दो मिनट का स्टॉपेज दिया गया है। ठीक इसी तरह, वापसी मार्ग में गाड़ी संख्या 22192 जबलपुर-इंदौर ओवरनाइट एक्सप्रेस हर सुबह 06:08 बजे सीहोर स्टेशन पहुंचेगी और दो मिनट के ठहराव के बाद 06:10 बजे इंदौर के लिए रवाना होगी।

उफनता नाला पार करते समय पानी में बह गई 6 लोगों से भरी बोलेरो, एक की मौत

बेलखेड़ा क्षेत्र का मामला, जाचं में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नरसिंहपुर जिले के बरमान से जबलपुर लौट रही एक बोलेरो गाड़ी गुरुवार को बेलखेड़ा के पास उफनते नाले को पार करते समय तेज बहाव में बह गई। इस हादसे में बोलेरो चालक की मौत हो गई, जबकि उसमें सवार 3 अन्य लोग कांच तोड़कर तैरते हुए बाहर निकल आए।

जानकारी के मुताबिक बेलखेड़ा शराब दुकान सिंडिकेट के चालक सहित 4 कर्मचारी बरमान गांव से बेलखेड़ा की ओर लौट रहे थे। रास्ते में कटाव पर बने रपटे पर लगभग 3 फीट पानी बह रहा था। इसके बावजूद चालक ने वाहन निकालने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव के कारण बोलेरो अनियंत्रित होकर नाले में बह गई। घटना के समय कई लोग नाला पार करने के लिए वहां मौजूद थे, लेकिन तेज बहाव के कारण कोई भी पानी में उतरने की हिम्मत नहीं कर सका।

शीशा तोड़कर बाहर आए लोग

हादसे के दौरान बोलेरो में सवार तीन लोग समय रहते कांच तोड़कर बाहर निकल आए, जबकि चालक 52 वर्षीय रवि पिल्ले, निवासी सदर, वाहन के अंदर ही फंस गए। देखते ही देखते बोलेरो पूरी तरह पानी में डूब गई। लगभग 3 घंटे बाद जब नाले का जलस्तर कम हुआ, तब बोलेरो दिखाई दी। इसके बाद स्थानीय लोगों ने चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि घटना के दौरान बेलखेड़ा पुलिस मूकदर्शक बनी रही और ग्रामीण ही चालक को बचाने का प्रयास करते रहे। वहीं, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बेलखेड़ा थाना प्रभारी धन्नू सिंह ने बताया कि गुरुवार दोपहर बोलेरो में सवार 6 लोग महगांव से बेलखेड़ा होते हुए जबलपुर लौट रहे थे। कटाव के पास पहुंचने पर पहाड़ी क्षेत्र का पानी तेज बहाव के साथ नाले में आ रहा था। चालक ने जैसे ही बोलेरो को रपटे पर उतारा, वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया और तेज बहाव में बहने लगा। हादसे के दौरान चालक रवि पिल्ले का पैर बोलेरो में फंस गया, जबकि उसके साथ सवार संदीप बंजारा, चंदन लोधी, बबलू आदिवासी, बद्दू और मयंक किसी तरह तैरकर बाहर निकलने में सफल रहे। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद बोलेरो तथा रवि पिल्ले को बाहर निकाला। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। हालांकि, रवि पिल्ले की तब तक मौत हो चुकी थी। इस मामले में पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजकर जांच शुरू कर दी है।

हितकारिणी डेंटल कॉलेज के प्रोफे. संयोग सम्मानित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी डेंटल कॉलेज के ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी डिपार्टमेंट के प्रोफेसर और हेड, डॉ. संयोग पाठक को मप्र सरकार के पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह द्वारा मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के क्षेत्र में उनकी निस्वार्थ सेवा और शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान डॉ. पाठक के मरीज़ों की देखभाल के प्रति समर्पण और ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यो को दर्शाता है।

स्टेट अचीवर्स अवार्ड के लिए नामांकित हुए सीएमएचओ नवीन कोठारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जबलपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी को एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं में अद्वितीय योगदान, जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा समाजहित में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रतिष्ठित एम.पी. हलचल स्टेट अचीवर्स अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। यह गौरवपूर्ण निर्णय एमपी हलचल टीवी न्यूज़ की चयन समिति द्वारा लिया गया है। डॉ. कोठारी को यह सम्मान उनके कुशल प्रशासनिक नेतृत्व में जिले में संचालित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों, 'प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान' और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल संचालन के लिए दिया जा रहा है। इस सम्मान की घोषणा के बाद से ही विभाग के अधिकारियों, डॉक्टरों और सहकर्मियों में हर्ष का माहौल है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोसलपुर थाने में 37 वर्षीय जितेन्द्र पटेल निवासी बम्हौरी पनागर ने सूचना दी कि खेती किसानी करता है उसे जानकारी मिली कि गांव का राजेश पटेल ग्राम धमकी के पास ट्रैन से टकराकर खत्म हो गया है। सूचना पर पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम हेतु भिजवाते हुये मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

सिहोर में स्थापित हुआ अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एमपी ट्रांसको ने प्रदेश की पारेषण व्यवस्था को सुदृढता प्रदान करते हुए 132 केवी सबस्टेशन श्यामपुर (सिहोर) में 50 एमवीए क्षमता का एक अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर उसे ऊर्जीकृत किया गया है । इस ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से सबस्टेशन में बढ़ते लोड का उचित प्रबंधन किया जा सकेगा । एमपी ट्रांसको के राजेश शांडिल्य ने बताया कि एमपी ट्रांसको प्रदेश में अपने 417 एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है जिसमें 400 केवी के 14 सब स्टेशन, 220 केवी के 88 सबस्टेशन एवं 132 केवी के 315 सबस्टेशन शामिल हैं। एमपी ट्रांसको के प्रदेश में कुल 1053 पावर ट्रांसफार्मर क्रियाशील है। जिसमें 400 केवी के 41, 220 के वी वोल्टेज लेवल के 220 और 132 केवीके 792 ट्रांसफार्मर शामिल हैं। इस 50 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से एमपी ट्रांसको की कुल ट्रांसफारमेशन कैपेसिटी बढ़ाकर 85298 एमवीए गई है।

उत्कृष्ट प्रतिभा और लेखनी को मिला सम्मान

खेल पत्रकारिता दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

हितकारिणी महिला महाविद्यालय एवं महाकौशल क्रीड़ा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजन सम्पन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। खेल पत्रकारिता दिवस के अवसर पर हितकारिणी महिला महाविद्यालय एवं महाकौशल क्रीड़ा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्र निर्माण में खेल पत्रकारिता की भूमिका चुनौतियां, अवसर और भविष्य विषय पर संगोष्ठी एवं परिचर्चा का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हितकारिणी सभा के अध्यक्ष नित्यनिरंजन खंपरिया रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हर्ष जैन, अध्यक्ष, शासी निकाय ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में महाकौशल क्रीड़ा परिषद के संस्थापक डॉ. प्रशांत मिश्रा, हितकारिणी विद्यापरिषद के मंत्री श्री जयेश राठौर तथा हितकारिणी महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नीलेश पाण्डेय उपस्थित रहे।

एमओयू पर हुए हस्ताक्षर - कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नीलेश पाण्डेय ने स्वागत भाषण देते हुए सभी अतिथियों, खेल पत्रकारों एवं खिलाड़ियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि खेल और शिक्षा का समन्वय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधार है तथा खेल पत्रकारिता समाज में खेल संस्कृति को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। संगोष्ठी में शहर के वरिष्ठ खेल पत्रकारों एवं खेल संपादकों ने खेल पत्रकारिता के वर्तमान स्वरूप, चुनौतियों, अवसरों तथा राष्ट्र निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्य अतिथि नित्यनिरंजन खंपरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेलों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में निष्पक्ष, निर्भीक एवं सकारात्मक खेल पत्रकारिता की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। खिलाड़ियों की उपलब्धियों को समाज तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने में खेल पत्रकारों की लेखनी प्रेरणादायी होती है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रशांत मिश्रा ने कहा कि खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने तथा उनकी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने में खेल पत्रकारों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर हितकारिणी महिला महाविद्यालय, मप्र योगासन भारत तथा जिला कबड्डी एसोसिएशन के मध्य खेलों के विकास, प्रशिक्षण, प्रतिभा संवर्धन एवं विद्यार्थियों को बेहतर खेल अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एमओयू पर हस्ताक्षर भी किए गए। इस समझौते के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न खेल गतिविधियों, प्रशिक्षण शिविरों एवं प्रतियोगिताओं से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त होगा।

इन्हें किया गया सम्मानित - कार्यक्रम में वरिष्ठ खेल पत्रकार आलोक बनर्जी, राजेंद्र मिश्रा, प्रवीण अग्रहरि, अंशु अवस्थी, पीयूष श्रीवास्तव, अनिरुद्ध पटेरिया, ज्ञानी रजक, लाली कोष्ठा एवं राजेंद्र पाण्डे का सम्मान किया गया। साथ ही विश्व योगासन चैंपियनशिप में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों प्रणव साहू, रिया एवं दीपा लोधी तथा उनके प्रशिक्षकों शिवम गुप्ता एवं देवेंद्र मिश्रा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हॉकी खेल से जुड़े लड्डू यादव, राकेश श्रीवास, राजेशकांत सोनकर, शानू यादव, टिन्नी भाई, नागेश राव, अरविंद कुशवाहा सहित महाविद्यालय के उपप्राचार्य, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी दिनेश सिंह ठाकुर ने किया।

प्राइवेट क्लीनिक, डायग्नोस्टिक सेंटर्स में नौकरी से पहले कराना होगा पुलिस वेरिफिकेशन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिले के स्वास्थ्य महकमे ने निजी चिकित्सा संस्थानों में सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले के सभी निजी अस्पतालों, क्लीनिकों, डायग्नोस्टिक सेंटरों और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के लिए एक बेहद सख्त और महत्वपूर्ण गाइडलाइन जारी की है। अब किसी भी डॉक्टर, नर्स या पैरामेडिकल स्टाफ को काम पर रखने से पहले उनका पुलिस वेरिफिकेशन और काउंसिल रजिस्ट्रेशन चेक करना कानूनी रूप से अनिवार्य होगा। हर छोटे-बड़े स्वास्थ्य कर्मी का होगा वेरिफिकेशन आधिकारिक निर्देशों के मुताबिक, यह नियम केवल डॉक्टरों पर ही नहीं, बल्कि हर स्तर के कर्मचारियों पर लागू होगा। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि इन निर्देशों का पालन कराना हर संस्थान के संचालक की व्यक्तिगत और प्रशासनिक जिम्मेदारी होगी। यदि कोई भी अस्पताल या क्लीनिक बिना वेरिफिकेशन और बिना वैध रजिस्ट्रेशन के किसी व्यक्ति को नौकरी पर रखता है, तो इसे एक गंभीर अनियमितता माना जाएगा।

करंट लगने से युवक की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। तिलवारा थाने में 40 वर्षीय राजकुमार उइके निवासी ग्राम परासिया तिलवारा ने सूचना दी कि बीती शाम उसका बेटा नरेश उइके खेत में गया था जो रात होने पर वापस नहीं आया। खेत पर जाकर देखा उसका बेटा खेत में मृत अवस्था में पड़ा था ऐसा प्रतीत होता है कि उसके 18 वर्षीय लडके नरेश उइके खेत के पास लगे ट्रांसफार्मर से बिजली तार से करंट लगा है। नरेश को गर्दन के पास कान के पीछे व पैर के पंजे तथा दोनों पैर की पिंडरी के पास करंट लगने के निशान थे। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जाँच शुरू कर दी है।

स्कूल में खेलते समय छात्र को सांप ने डसा

समय पर इलाज मिलने से बची जान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

क्राइस्टचर्च स्कूल के ग्राउंड पर खेल रहे कक्षा 7वीं के छात्र अमजद खान को एक जहरीले सांप ने डस दिया। इस घटना की जानकारी जैसे ही स्कूल प्रबंधन को लगी तो फौरन उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहंचे, जहां डाक्टरों ने तुरंत उसका इलाज शुरू किया। बताया जा रहा है कि तैय्यब अली चौक निवासी 12 वर्षीय छात्र दोस्तों के साथ मैदान में खेल रहा था, आचानक उसे एहसास हुआ कि किसी जीव ने उसे काट लिया है। बच्चा दर्द से रोने लगा, इसी बीच उसके आसपास मौजूद छात्रों ने टीचर को जानकारी दी, इसके बाद छात्र अमजद खान के परिवार वालों को बताया गया और फिर बच्चे को अस्पताल में भर्ती करवाया। इस घटना के 24 घंटे बीत जाने के

बाद बच्चें की हालत में अब सुधार बताया जा रहा है। परिवार वालों का कहना है कि हाथ में जिस जगह बच्चे को सांप ने काटा है, वहां पर अजीब सा निशान बना हुआ है, जो कि सांप काटने के बाद होता है। इधर डाक्टरों का कहना है कि बच्चे का लगातार इलाज किया जा रहा है, उसकी स्थिति खतरे से बाहर है, पर एतिहातन तौर पर 48 घंटे उसे देखरेख में रखा जाएगा।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**